राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 मैड्रिड ओपन : दानिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार, खचानोव जीते.....

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 2025 तक हासिल..... 10

वर्ष : 13 | अंक : 346 | नई दिल्ली, गरूवार, 04 मई, 2023 | बैशाख कृष्णा पक्ष, चतुर्दशी, विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

कांग्रेस शांति व विकास की दुश्मन, आतंक के आकाओं को बचाती है और तुष्टिकरण को बढ़ाती है : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस पर सीधा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि विपक्षी पार्टी की पूरी राजनीति फूट डालो और राज करो की नीति पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भारत के लोकतंत्र और विकास की वैश्विक स्तर पर सराहना और सम्मान किया जा रहा है तो वह दुनिया भर में जाकर देश को बदनाम कर रही है। कांग्रेस को शांति और विकास का दुश्मन बताते हुए प्रधानमंत्री ने पार्टी पर भारत के रक्षा बलों का अपमान करने और उन्हें गाली देने का भी आरोप लगाया। साथ ही दावा किया कि जिस राज्य के लोग शान्ति और प्रगति चाहते हैं, वे सबसे पहले अपने राज्य से कांग्रेस को बाहर कर देते हैं। तटीय कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के मुल्की शहर में भारत माता की जय तथा बजरंग बली की जय के नारे के साथ अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक को अपने शाही परिवार के लिए नंबर-1 एटीएम बनाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह आतंक के आकाओं को बचाती है और तुष्टीकरण को बढ़ाती है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि कर्नाटक औद्योगिक विकास, कृषि विकास के साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा में नंबर-1 बने। लेकिन कांग्रेस क्या चाहती है? कांग्रेस कर्नाटक को दिल्ली में जो उनका शाही परिवार बैठा है, उस परिवार का नंबर-1 एटीएम बनाना चाहती है। हर योजना में 85 प्रतिशत कमीशन खाने वाली कांग्रेस कर्नाटक को गड्ढे में गाड़ देगी। मोदी ने कहा कि देश में जहां भी लोग शान्ति और प्रगति चाहते हैं,वह सबसे पहले अपने राज्य से कांग्रेस को बाहर कर देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर समाज में शान्ति है तो कांग्रेस शांत नहीं बैठ पाती और अगर देश प्रगति करता है तो कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं कर पाती। उन्होंने कहा, कांग्रेस की पूरी राजनीति बांटो और राज करो पर आधारित है। कर्नाटक के लोगों ने खुद कांग्रेस का यह खौफनाक चेहरा देखा है। प्रधानमंत्री ने पहली बार मतदान करने वाले युवाओं से विशेष रूप से कहा कि अगर उन्हें अपना करियर बनाना है और अपने मन का काम करना है तो यह कांग्रेस के रहते संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, कर्नाटक में अगर अस्थिरता रही तो आपका भाग्य भी अस्थिर रहेगा। मोदी ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार होती है तो वहां के निवेशक भागने लग जाते हैं क्योंकि वह आतंक के आकाओं को बचाती है और तुष्टीकरण को बढ़ाती है उन्होंने साल 2008 में जयपुर में हुए सीरियल बम विस्फोट मामले में सभी आरोपियों के बरी होने का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें 50 से अधिक लोग मारे गए थे लेकिन वहां की कांग्रेस सरकार ने ऐसा काम किया कि धमाका करने वाले सारे के सारे दोषी, निर्दोष हो कर जेल से छूट गए। उन्होंने कहा, तुष्टीकरण की यही नीति कांग्रेस की एकमात्र पहचान है। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को कई मौकों पर रिवर्स गियर कांग्रेस कहकर पुकारा। उन्होंने कहा कि वह असामाजिक लोगों पर दर्ज मुकदमे ना केवल वापस ले लेती है बल्कि उन्हें छोड़ भी देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब समाज के विभिन्न वर्ग एकजुट होकर असामाजिक लोगों का विरोध करते हैं तो रिवर्स गियर कांग्रेस दूसरी दिशा में चलती है और ऐसे ही लोगों से चुनावी मदद लेती है। उन्होंने जनता से पूछा कि क्या ऐसी कांग्रेस को वे आने देंगे, कर्नाटक को बर्बाद होने देंगे और अपने भविष्य को तबाह होने देंगे? मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया लोकतंत्र और विकास को देखकर भारत को सम्मान दे रही है लेकिन रिवर्स गियर कांग्रेस दुनिया भर में घूम घूम कर देश को बदनाम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के हर कोने में भारत की जय-जयकार हो रही है क्योंकि लोगों ने अपने एक वोट की ताकत से दिल्ली में मजबूत और स्थिर सरकार बनाई। उन्होंने लोगों से अपील की कि देश में भी कर्नाटक की जय-जयकार हो, इसलिए इस राज्य में भी भाजपा की पूर्ण बहुमत की स्थिर और मजबूत सरकार चाहिए। यह उल्लेख करते हुए कि भाजपा सरकार के तहत भारत प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, उन्होंने कहा कि भारत ने इस मामले में उस ब्रिटेन को पीछे छोड़ा है जिसने हमें उपनिवेश बनाया था।

मौसम

अधिकतम तापमान 29.0°C

न्यूनतम तापमान 19.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	62,145
चांदी	76,200
सेंसेक्स	61,655
निफ्टी	18,148

भारत और मालदीव ने दो मित्र पड़ोसियों के रूप में रिश्तों को नया आकार दिया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीन दिवसीय यात्रा में दीर्घकालिक साझेदारी को किया मजबूत

- दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में अपने सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

राजनाथ सिंह की तीन दिवसीय मालदीव यात्रा खत्म होने पर बुधवार को संयुक्त बयान जारी किया गया। मालदीवियन समकक्ष मारिया दीदी के निमंत्रण पर गए राजनाथ सिंह ने भारत और मालदीव के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा की और रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्रों में अपने सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने मालदीवियन समकक्ष रक्षा मंत्री मारिया दीदी के निमंत्रण पर 01 मई 2023 को माले पहुंचे। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने पर जोर देते हुए आम सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत को स्वीकारा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून और नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का सम्मान करने के महत्व को रेखांकित किया और इन सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। दोनों पड़ोसी देशों ने संयुक्त अभ्यास और सैन्य अधिकारियों की यात्राओं सहित रक्षा सहयोग में हुई प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं और विशेषज्ञता को साझा करने के महत्व को भी नोट किया। दोनों मंत्री रक्षा व्यापार, क्षमता निर्माण और संयुक्त अभ्यास के क्षेत्रों सहित सहयोग के लिए अतिरिक्त रास्ते तलाशने पर सहमत हुए। उन्होंने दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच लोगों से लोगों के संपर्क और आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह ने मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह और विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद से शिष्टाचार मुलाकात की। राजनाथ सिंह ने मारिया दीदी और मालदीव के राष्ट्रपति सोलिह की उपस्थिति में मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बलों (एमएनडीएफ) को एक फास्ट पेट्रोल वेसल और एक लैंडिंग क्राफ्ट आक्रमण जहाज सौंपा। मालदीवियन राष्ट्रपति सोलिह की हाल की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोनों जहाज उपहार में देने की घोषणा की थी। राजनाथ सिंह ने कहा कि मालदीव को भारत की ओर से दो जहाज सौंपना हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस यात्रा के दौरान दोनों रक्षा मंत्रियों ने संयुक्त रूप से मालदीव तट रक्षक 'एकथा हार्बर' की आधारशिला रखी। कोस्ट गार्ड हार्बर का विकास और मरम्मत की सुविधा भारत की सबसे बड़ी अनुदान सहायता परियोजनाओं में से एक है। यात्रा समाप्ति पर रवाना होने से पहले राजनाथ सिंह ने गर्मजोशी पूर्ण और सौहार्दपूर्ण आतिथ्य की सराहना की। दोनों पक्षों ने अपने देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की फिर से पुष्टि करते हुए कहा कि वे भविष्य में बातचीत और सहयोग जारी रखने के लिए तत्पर हैं। इस यात्रा ने अपने-अपने देशों और क्षेत्र की सुरक्षा एवं समृद्धि को बढ़ाने के लिए दो मित्र पड़ोसियों के रिश्तों को नया आकार दिया।

सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञानीप्रधानमंत्री को कर्नाटक में कमीशन सरकार की लूट नहीं दिखी : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा प्रहार करते हुए आश्चर्य जताया कि सर्वशक्तिमान, सर्वोपरि, सर्वश्रेष्ठ और सर्वज्ञानी प्रधानमंत्री को कर्नाटक में 40 प्रतिशत कमीशन सरकार की लूट नजर क्यों नहीं आई। उन्होंने विजयपुरा जिले में एक चुनावी सभा में यह सवाल भी किया कि विकास पुरूष (मोदी) अब भी ऐसा क्यों कहते हैं कि कर्नाटक का विकास उनका सपना है? प्रियंका गांधी ने कहा, मुझे ताज्जुब हुआ कि जिन्हें दुनिया, उनके लोग सर्वशक्तिमान, सर्वोपरि, सर्वश्रेष्ठ और विकास पुरूष कह रहे हैं वह यहां आकर कहते हैं कि मेरा सपना था कि कर्नाटक का विकास हो। विकास क्यों नहीं किया? मैं पूछना चाहती हूं कि जब आपकी अपनी सरकार 40 प्रतिशत कमीशन सरकार बनकर जनता को लूट रही थी तो आप क्या कर रहे थे? उन्होंने तंज कसते हुए कहा, जब लूट हो रही थी तो आपकी आंखें बंद थीं क्योंकि अपना सपना देख रहे थे। आपने चोरी होने दी, आपने नहीं रोका। आपकी सरकार का नाम 40 प्रतिशत कमीशन सरकार है। ठेकेदार संघ ने चिट्ठी लिखी, सर्वज्ञानी जी का कोई जवाब नहीं आया। ठेकेदार आत्महत्या करते हैं, लेकिन समस्या नहीं दिखती। प्रियंका गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री और भाजपा के नेता इस चुनाव में इधर-उधर की बात करते हैं, लेकिन मुद्दे की बात नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि मुद्दा विकास करना, अस्पताल बनाना, किसानों को राहत देना, महिलाओं को महंगाई से राहत देना, युवाओं को रोजगार देना है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया, कर्नाटक में साढ़े तीन साल में मुश्किलें बढ़ती चली गई हैं क्योंकि मौजूदा सरकार गलत तरीके से बनी। शुरू से ही इनकी नीयत सत्ता पाकर लूट मचाने और जनता की मुसीबतों को नजरअंदाज करने की रही है। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक की भाजपा सरकार ने 1.5 लाख करोड़ रुपये की लूट की है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा कर्नाटक के नंदिनी ब्रांड को खत्म करना चाहती है।

कांग्रेस शाही परिवार के लिए कर्नाटक को बनाना चाहती है 'एटीएम नं वन' : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक के मुदबिदरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत भारत माता की जय और बजरंग बली की जय के साथ की। पीएम ने कहा कि आज हम जिस सबका साथ, सबका विकाश का मंत्र लेकर आगे बढ़ रहे हैं, उसमें सभी संतों की प्रेरणा है। 'कर्नाटक को नंबर एक बनाना चाहती है भाजपा' प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा, कर्नाटक को देश का नंबर एक राज्य बनाना चाहती है और इसके बुनियादी ढांचे को आधुनिक और मजबूत बनाना चाहती है ताकि कर्नाटक मैन्युफैक्चरिंग सुपर पावर बन सके। वहीं कांग्रेस लोगों के रिटायरमेंट पर वोट मांग रही है, साथ ही भाजपा ने जो विकास किया है, उसे खत्म करने के नाम पर वोट मांग रही है। बता दें कि कांग्रेस द्वारा पुरानी पेंशन लागू करने के वादे किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के ताजा बयान को कांग्रेस के उसी स्टैंड से जोड़कर देखा जा रहा है। गांधी परिवार पर बोला परोक्ष हमला प्रधानमंत्री ने गांधी परिवार पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि हम कर्नाटक को औद्योगिक विकास, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में नंबर एक बनाना चाहते हैं लेकिन कांग्रेस, कर्नाटक को दिल्ली में उनके 'शाही परिवार' का नंबर एक एटीएम बनाना चाहती है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक में शांति की दुश्मन है, विकास की दुश्मन है। कांग्रेस आतंक के आकाओं को बचाती है और तुष्टिकरण को बढ़ाती है। प्रधानमंत्री ने सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए युवाओं से अपील की कि अगर उन्हें अपना करियर बनाना है और अपने मन का काम करना है तो उन्हें भाजपा को वोट देना चाहिए। पीएम ने कहा कि कर्नाटक में अगर अस्थिरता रही तो उनका भविष्य प्रभावित होगा। कांग्रेस की नीति 'बांटों और राज करो' वाली प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश में जहां भी लोग शांति और प्रगति चाहते हैं, वो सबसे पहले कांग्रेस को बाहर कर देते हैं, अगर समाज में शांति है तो कांग्रेस शांत नहीं बैठ सकती। देश अगर प्रगति करेगा तो कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं कर पाएगी। कांग्रेस की पूरी राजनीति बांटों और राज करो की नीति पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा देश सैनिकों का आदर करता है, सम्मान करता है जबकि कांग्रेस हमारी सेना का अपमान करती है। देश जहां तरक्की कर रहा है, वहीं कांग्रेस रिवर्स गियर में दुनिया में घूम-घूमकर देश को बदनाम कर रही है। आतंक के आरोपियों को बचाया प्रधानमंत्री कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस ने बम ब्लास्ट के आरोपियों को क्लीन चिट दे दी। कांग्रेस आतंक के आकाओं को बचाती है, तुष्टिकरण को बढ़ाती है। तुष्टिकरण की यही नीति, कांग्रेस की एकमात्र पहचान है। जिन लोगों ने कर्नाटक में आतंक फैलाने की साजिश रची, कांग्रेस उनके बचाव में आ गई है। इतना ही नहीं कांग्रेस ने रिवर्स गियर भी ले लिया है और देश विरोधी लोगों के खिलाफ दर्ज मामलों को भी वापस ले लिया है और आरोपियों को रिहा कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

देश में पिछले दस वर्षों में अंग प्रत्यारोपण के मामलों में तीन गुना बढ़ोतरी

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा है कि देश में पिछले दस वर्षों में अंग प्रत्यारोपण के मामलों में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की 99वीं कड़ी में देशवासियों से अंगदान के लिए आगे आने का आह्वान किया था। इससे देश में अंगदान को एक नई गति मिली है। डॉ. मांडविया ने बुधवार को स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में अंगदान एवं प्रत्यारोपण की स्थिति की समीक्षा की। इसके साथ देश में अंगदान और प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने को लेकर नीतिगत सुधारों के लिए अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं से सीख लेने के भी निर्देश दिए। डॉ. मांडविया के मुताबिक वर्ष 2016 में 930 मृत दाताओं से 2265 अंगों का उपयोग किया गया, जबकि वर्ष 2022 में 904 मृतक दाताओं से 2765 अंगों का उपयोग किया गया।

कर्नाटक की जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक के लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की युवा शाखा बजरंग दल के खिलाफ कार्रवाई के कांग्रेस के चुनावी वादे का करारा जवाब देंगे। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि उसका यह रुख तुष्टिकरण की राजनीति से प्रेरित है। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा कर भगवान हनुमान का अपमान किया है। विपक्षी दल पर हमला बोलते हुए त्रिवेदी ने पूछा कि क्या कोई राज्य सरकार किसी संगठन पर प्रतिबंध लगा सकती है। उन्होंने याद दिलाया कि केंद्र की कांग्रेस सरकार ने बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद 1992 में आरएसएस के साथ ही बजरंग दल पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन इसे कुछ ही महीनों के भीतर हटाना पड़ा था क्योंकि सरकार इस मामले पर फैसला सुनाने वाले न्यायाधिकरण के समक्ष कोई सबूत पेश नहीं कर सकी थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार के पद छोड़ने के फैसले के बारे में पूछे जाने पर भाजपा नेता और राज्यसभा सदस्य ने कहा कि यह क्षेत्रीय पार्टी का आंतरिक मामला है लेकिन यह घटनाक्रम दशार्ता है कि महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के भीतर किस प्रकार का समन्वय है। कांग्रेस ने 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को जारी अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा कि कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच ह्वनफरत फैलानेह्व वाले बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें कहा गया है कि कार्रवाई में ऐसे संगठनों के खिलाफ प्रतिबंध भी शामिल होगा।

संक्षिप्त समाचार

कार के नदी में गिरने से अल्मोड़ा के फार्मासिस्ट की मौत

गरमपानी (नैनीताल)। भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार देर रात हल्द्वानी से अल्मोड़ा की तरफ जा रही कार जड़मिला के पास अनियंत्रित होकर 100 मीटर नीचे शिप्रा नदी में जा गिरी। हादसे में फार्मासिस्ट की मौके पर मौत हो गई। खैरना चौकी पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। सोमवार सुबह सात बजे जड़मिला के लोगों ने शिप्रा नदी में एक कार गिरने की सूचना खैरना चौकी पुलिस को दी। पुलिस और एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और कार में मौजूद शव को निकाला। खैरना चौकी प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया मृतक की पहचान कमल कुमार वर्मा (47) पुत्र वीएल वर्मा निवासी खजांची मोहल्ला अल्मोड़ा के रूप में हुई। घटना की सूचना परिजनों को दी गई। पुलिस ने बताया कि रविवार रात दस बजे तक उनकी बात कमल से हुई थी। उसके बाद उनका कमल से संपर्क नहीं हुआ। कमल गणाईगंगोली में फार्मासिस्ट थे। कमल की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

1783 इकाइयों से 14000 युवाओं को मिलेगा रोजगार

रुद्रपुर, एजेंसी। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री सृजन कार्यक्रम योजना (पीएमईजीपी) के तहत प्रदेशभर में लक्ष्य निर्धारित कर दिया है। 13 जिलों में 1783 लघु इकाइयां स्थापित होंगी। प्रदेश में 14 हजार 264 युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। पीएमईजीपी योजना उत्तराखंड खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग(केवीआईसी), जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) और खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईबी) की ओर से देशभर में वर्ष 2008 से संयुक्त रूप से संचालित की जा रही है। इसमें शिक्षित बेरोजगारों को बैंकों के माध्यम से ऋण देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाता है। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से प्रदेशभर के जिलों में पत्र भेजकर लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। इसके साथ ही 51 करोड़ 71 लाख रुपये की मार्जिन मनी दे दी गई है। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विपिन कुमार ने बताया कि यूएस नगर में सबसे अधिक 145 इकाइयां स्थापित होंगी। इसके साथ ही अन्य जिलों के अपेक्षा यूएस नगर में 1160 युवाओं को रोजगार मिलेगा।

वेतन की मांग पर अस्पताल के कर्मियों ने किया कार्यबहिष्कार

काशीपुर, एजेंसी। वेतन नहीं मिलने से आक्रोशित एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय के डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य कर्मियों ने चार घंटे का कार्य बहिष्कार किया। इस दौरान आकस्मिक सेवाएं भी बाधित रहीं। अस्पताल में सीएमएस पद पर तैनात डॉ. कैमाश राणा के लंबे समय से अनुपस्थित रहने पर स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल में तैनात वरिष्ठ चिकित्सक रेडियोलॉजिस्ट डॉ. खेमपाल को सीएमएस बना दिया था। बगैर शासन की अनुमति के सीएमएस बनाए जाने पर इस मामले में जांच बैठ गई। स्वास्थ्य विभाग ने सीएमएस डॉ. खेमपाल से सभी वित्तीय अधिकार वापस ले लिए और उनको प्रभारी सीएमएस के तौर पर कार्य करने को कहा गया। वित्तीय अधिकार वापस लेने के कारण डॉक्टरों और स्टाफ का मार्च से वेतन जारी नहीं हो पाया। इसके विरोध में अस्पताल कर्मियों ने सोमवार से चार घंटे का कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। बताया कि सुबह आठ से दोपहर 12 बजे तक तीन दिन तक रोजाना कार्य बहिष्कार किया जाएगा। इधर, कार्यबहिष्कार के चलते मरीज परेशान रहे। वहां पर डॉ. देवेश चौहान, डॉ. हरीश पंत, डॉ.अल्पना मिश्रा, डॉ. मनु पांडे, डॉ. शालिनी, डॉ. कमलजीत सिंह, डॉ.प्रियांक चौहान, रमेश चंद्र आर्य, विनोद भट्ट, दीनदयाल पांडे आदि थे। एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय में सीएमएस की नियुक्ति के लिए स्वास्थ्य निदेशालय से पत्राचार किया गया है। उम्मीद है जल्दी ही नियुक्ति कर दी जाएगी।

महिला पुलिसकर्मी को दो वर्ष की सजा, 11 लाख का जुर्माना

रुद्रपुर, एजेंसी। जिला न्यायालय ने चेक बाउंस के आरोप में महिला पुलिसकर्मी को दो वर्ष की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर 11,37,152 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पांच साल पहले कार कि किस्त देने के लिए पुलिसकर्मी ने चेक का प्रयोग किया था। फरवरी 2018 में महेंद्र एंड महेंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र कुमार ने 31वीं वाहिनी पीएसी में तैनात महिला पुलिस कर्मी पुष्पा भट्ट पर 9,37,152 रुपये का फर्जी चेक जमा करने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि पुलिसकर्मी ने उनके बैंक से लोन पर कार ली है। किश्त के लिए फर्जी चेक जमा किए थे। प्रबंधक की तहरीर पर पुष्पा के खिलाफ चेक बाउंस का मामला दर्ज हुआ था। यह मामला न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/सीनियर सिविल जज श्वेता पांडेय के न्यायालय में चल रहा था। न्यायालय ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्क को सुना था। अधिवक्ता आरएस रावत ने बताया कि सभी सबूत और गवाह को देखते हुए न्यायालय ने आरोपी पुष्पा भट्ट को दोषी करार दिया है। उन्हें दो वर्ष की कारावास और 11,37,152 रुपये का अर्थदंड की सजा सुनाई है।

देहरादून में आर्केडिया चाय बागान की 719 हेक्टेयर जमीन पर बनेगी ट्विन सिटी, सरकार देगी सुविधा

देहरादून, एजेंसी।
देहरादून के आर्केडिया चाय बागान में सरकार ट्विन सिटी बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए पहले चरण का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। चाय बागान की 719.7 हेक्टेयर जमीन को इसके लिए चुना गया है। राजधानी में बढ़ते आबादी के बोझ को देखते हुए सरकार लगातार नए शहर बसाने पर काम कर रही है। इसके तहत देहरादून के डोईवाला और सहसपुर के छरबा में दो स्थान चिह्नित किए गए हैं। इसी कड़ी में आर्केडिया स्थित चाय बागान को भी नया शहर बसाने के लिए चुना गया है। जानकारी के मुताबिक आर्केडिया में सरकार ने न्यू देहरादून ट्विन सिटी बनाने की योजना के तहत यूएस की एजेंसी मैकेंजी के माध्यम से सर्वेक्षण कराया है। यहां नए शहर की जरूरतों के हिसाब से सरकार ने संभावनाओं की तलाश की है। प्रथम चरण के सर्वे में काफी हद तक सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं। अब आगामी प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसके बाद निजी सहभागिता से यहां ट्विन सिटी बनाई जाएगी।

सरकार देगी सभी सुविधाएंत्न जिस जमीन पर निजी सहभागिता से ट्विन सिटी बनेगी, वहां सरकार सभी सुविधाएं देगी। एक अत्याधुनिक शहर के हिसाब से यहां सड़क, बिजली, पानी से लेकर सभी जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सरकार उपलब्ध कराएगी। निजी निवेशक यहां टाउनशिप विकसित करेंगे, जिसकी बिक्री का एक हिस्सा सरकार के खाते में जाएगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य की भी सुविधाएं मिलेंगी: ट्विन सिटी में

अत्याधुनिक अस्पताल, स्कूल, कॉलेज से लेकर पार्क, जॉगिंग ट्रैक, साइक्लिंग ट्रैक आदि की सुविधा भी मिलेंगी। सरकार एक पूरा ऐसा शहर बसा रही है, जिससे लोगों का आकर्षण यहां बने। वह जमीन खरीदें। घर बनाएं। अपना बिजनेस करें। इससे रोजगार भी मिलेंगे।

2016 में चाय बागान की जमीन पर हुआ था विवाद: वर्ष 2016 में तत्कालीन राज्य सरकार ने स्मार्ट सिटी के लिए चाय बागान की जमीन का विकल्प दिया था। ग्रीन फील्ड सिटी के तौर पर यहां स्मार्ट सिटी विकसित करने की सरकार की योजना पर भारी विरोध हुआ था। पर्यावरणविदों से लेकर तमाम सामाजिक संगठनों ने इस पर विरोध जताया था। उनका कहना था कि यहां नया शहर बसाने से हरियाली नष्ट हो जाएगी। यह चाय बागान देहरादून की पहचान हैं। चाय बागान मजदूरों के हितों और बागान की जमीन के संबंध में तमाम तरह के सवाल उठाए गए थे। बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन हुए थे। हालांकि, सरकार ने ग्रीन फील्ड का प्रस्ताव जमा करवाया।

जिले में दो घंटे कार्य बहिष्कार पर रहे फार्मासिस्ट

रुद्रपुर/गदरपुर , एजेंसी। फार्मासिस्ट पदों की बहाली समेत विभिन्न मांगों की अनेदखी के विरोध में सोमवार से जिले में फार्मासिस्ट ने दो घंटे का कार्य बहिष्कार शुरू किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो नौ मई को स्वास्थ्य महानिदेशालय देहरादून में क्रमिक अनशन पर बैठेंगे। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले सुबह आठ से 10 बजे तक सभी फार्मासिस्ट कार्य बहिष्कार पर रहे। उन्होंने कहा कि छह मई तक दो घंटे का कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। मानक लागू होने के बाद जिले में फार्मासिस्ट पदों की संख्या 66 से घटाकर 49 कर दी गई है। घटाए गए फार्मासिस्ट पदों की बहाली के लिए स्वास्थ्य महानिदेशक की अध्यक्षता में गठित आईपीएचएस संशोधन कमेटी गठित की रिपोर्ट भी लटका दी गई है।

मालरोड-चौबटिया सड़क झेल रही बदहाली का दंश

रानीखेत (अल्मोड़ा)। नगर के आंतरिक मोटर मार्गों की हालत खराब है। सैन्य क्षेत्र के अंतर्गत रानीखेत-चौबटिया मोटर मार्ग मालरोड से लेकर झूला देवी तक बदहाल है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। बारिश में यह गड्ढे तालाब का रूप ले लेते हैं। जिस कारण दो पहिया वाहन चालकों और राहगीरों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग को वीआईपी सड़क का दर्जा हासिल है। बड़े बड़े अधिकारी और देशी विदेशी पर्यटक इस सड़क से होते हुए चौबटिया उद्यान घूमने आते हैं। सड़क खराब होने से पर्यटक भी कड़वे अनुभव लेकर लौटते हैं। नगर के आंतरिक सड़कों की हालत भी खराब है। अंग्रेजों के समय की जरूरी बाजार मोटर मार्ग बुरी तरह से खराब हो चुकी है। डेढ़ साल पहले इस मोटर मार्ग के गड्ढे पाटने का काम हुआ था लेकिन अब हालात पहले की तरह हैं। गांधी चौक से नैनीताल बैंक शाखा मोटर मार्ग फिर गड्ढों में तब्दील हो गई है। इन मोटर मार्गों के संरक्षण की जिम्मेदारी छावनी परिषद पर है। कनौसा कान्वेंट और आर्मी पब्लिक स्कूल को जोड़ने वाली सड़क कई स्थानों पर फिर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। केंद्रीय विद्यालय के आवासीय भवनों के नीचे सड़क बदहाल है। रानीखेत से चौबटिया को जोड़ने वाला मोटर मार्ग मालरोड से लेकर झूलादेवी मंदिर तक खराब है। इस मार्ग पर बड़े-बड़े अधिकारियों के भवन हैं। प्रख्यात उद्यान गार्डन भी इसी मार्ग पर स्थित है। साल भर उद्यान देखने के लिए हजारों की संख्या में देशी विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं लेकिन सड़क की हालत खराब होने के कारण उन्हें भी दिक्कतें होती हैं। इन दिनों बारिश हो रही है और सड़कों पर बने गड्ढे तालाब का रूप ले चुके हैं। रात्रि में इधर-उधर दोपहिया लेकर जाने वाले कई लोग इन गड्ढों में गिरकर चोटिल तक हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने सड़क की हालत सुधारने की मांग की है। इधर, लोनिवि प्रांतीय खंड के सहायक अभियंता केएस बिष्ट ने बताया कि माल रोड से झूलादेवी तक मोटर मार्ग एमईएस के अंतर्गत है। लोनिवि के पास झूलादेवी से कुनेलाखेत मोटर मार्ग की जिम्मेदारी है।

डल्ला की संपत्ति की कुर्की के रास्ते में एनआईए की सील

काशीपुर, एजेंसी। आतंकी अर्श डल्ला की संपत्ति कुर्क करने की तैयारी कर रही है काशीपुर पुलिस के रास्ते में एनआईए की सील आ गई है। एनआईए ने पहले ही डल्ला की संपत्ति को कुर्क कर रखा है। अब दूसरे तरीके से डल्ला से निपटने की तैयारी की जा रही है। कनाडा में बैठे अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी भी चल रही है। काशीपुर पुलिस ने हरजीत सिंह उर्फ काला, प्रभजोत सिंह उर्फ पन्नू, रजविंदर कौर पत्नी तरसेम सिंह, गुरजीत सिंह उर्फ गुरजंट सिंह उर्फ जंटा सिंह, सुखदेव सिंह उर्फ सेबी, तनवीर सिंह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। इसी तरह मनप्रीत सिंह चहल उर्फ मणि उर्फ छुची निवासी ख्यालाकला मानसा, अर्शदीप सिंह गिल उर्फ डल्ला निवासी ग्राम डल्ला थाना मेहना जिला मोगा पंजाब, सुखदुल उर्फ सुक्खा ग्राम दुनके थाना सिटी वन मोगा पंजाब पर भी गैंगस्टर लगाया गया था। इन आरोपियों के जल्द गिरफ्तार न होने पर सभी के घरों की कुर्की की जानी है। काशीपुर पुलिस ने सबसे पहले फोन कर रंगदारी मांगने के आरोपी अर्श डल्ला के घर की कुर्की करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने इसके लिए प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी।

लोक सेवा आयोग की भर्तियों का संशोधित कैलेंडर जारी, कब होगी रद्द हुई एई भर्ती परीक्षा

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के मुताबिक, इस महीने पर्यावरण पर्यवेक्षक भर्ती, मानचित्रकार-प्रारूपकार भर्ती का विज्ञापन जारी करने की योजना है। आयोग ने सभी भर्तियों की वर्तमान स्थिति भी बताई है, जिनमें से 15 भर्तियों के प्रस्ताव (अधियाचन) शासन स्तर पर लंबित हैं। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने 32 भर्तियों का संशोधित कैलेंडर जारी कर दिया है, जिनमें से नौ भर्तियां कराई जा चुकी हैं। नए कैलेंडर में आयोग ने पेपर लीक की वजह से रद्द हुई एई भर्ती परीक्षा को भी शामिल किया है, जो कि 13 से 18 अगस्त के बीच होगी। आयोग ने सभी भर्तियों की वर्तमान स्थिति भी बताई है, जिनमें से 15 भर्तियों के प्रस्ताव (अधियाचन) शासन स्तर पर लंबित हैं। इनमें बदलाव होने के बाद ही विज्ञप्ति जारी हो सकेगी। आयोग के मुताबिक, इस महीने पर्यावरण पर्यवेक्षक भर्ती, मानचित्रकार-प्रारूपकार भर्ती का विज्ञापन जारी करने की योजना है।

वैज्ञानिक अधिकारी विधि विज्ञान प्रयोगशाला भर्ती- पूर्व में 24-26 मई थी, लेकिन अब 16-17 मई को होगी। मानचित्रकार प्रारूपकार भर्ती- पूर्व में चार जून को प्रस्तावित थी, अब विज्ञापन जारी होने के बाद तय होगी। ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक विधि विज्ञान प्रयोगशाला भर्ती- 12-15 जून। समीक्षा अधिकारी सहायक समीक्षा अधिकारी भर्ती- 18 जून।पीसीएस प्री परीक्षा- 02 जुलाई। लोवर पीसीएस प्री व सफाई निरीक्षक परीक्षा- 23 जुलाई।

समूह-ग की तीन भर्तियों में शामिल नहीं हो पाएंगे 184 अभ्यर्थी, पेपर लीक मामले में मिले थे नोटिस

देहरादून , एजेंसी।
उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) ने चार भर्तियों में पेपर लीक करने वाले जिन 184 अभ्यर्थियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, उन्हें आगामी तीनों भर्ती परीक्षाओं में शामिल होने का मौका नहीं मिलेगा। नोटिस के जवाब आने के बाद आयोग इन अभ्यर्थियों को नियमानुसार डिबार करेगा।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 10 अप्रैल को 184 अभ्यर्थियों की सूची जारी की थी, जिन्हें पेपर लीक का आरोपी बताया गया था। इन सभी को आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कहा था कि नोटिस का जवाब आने के बाद उन्हें आयोग अपनी सभी परीक्षाओं से डिबार कर देगा। अब चूंकि आयोग की पेपर लीक की वजह से रद्द हुई परीक्षाएं दोबारा इसी महीने से शुरू होने जा रही हैं, लिहाजा आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि इन परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोपियों को शामिल होने का मौका नहीं दिया जाएगा। उनके लिए परीक्षा कक्ष के दरवाजे बंद कर दिए गए हैं। आयोग के अध्यक्ष जीएस मर्तोलिया का कहना है कि निश्चित तौर पर ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा में नहीं शामिल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नोटिस का जवाब आने के बाद आयोग उन सभी को परीक्षाओं से डिबार कर देगा। आयोग के अध्यक्ष जीएस मर्तोलिया ने बताया कि जो रद्द हुई परीक्षाएं दोबारा कराई जा रही हैं, उनमें पूर्व के उम्मीदवारों को ही मौका दिया जाएगा। कोई नया आवेदन नहीं कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि केवल उन पूर्व उम्मीदवारों में से पेपर लीक के आरोपी इसमें शामिल नहीं हो सकेंगे।

दून के चाय बागान में ट्विन सिटी, पिथौरागढ़ में फिल्म सिटी, सहसपुर में बनेगी साइबर सिटी

देहरादून, एजेंसी।
शहरों पर लगातार बढ़ रहे आबादी के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने प्रदेश में नए शहर बसाने के लिए 20 स्थानों का चयन किया गया था। इनमें से 10 का चयन किया गया।

दून के चाय बागान में ट्विन सिटी तो पिथौरागढ़ के निकट नैणी-सैंणी में फिल्म सिटी बनाई जाएगी। सरकार ने प्रदेश में ऐसे आठ स्थानों का चयन किया गया है, जहां नए शहर बसाए जाने हैं। निजी सहभागिता से ये शहर बसाए जाएंगे। शहरों पर लगातार बढ़ रहे आबादी के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने प्रदेश में नए शहर बसाने के लिए 20 स्थानों का चयन किया गया था। इनमें से 10 का चयन किया गया। अब तक इनमें से आठ का चयन कर प्राथमिक सर्वेक्षण कराया जा चुका है। यूएस की एजेंसी मैकेंजी की मदद से इन स्थानों पर नए शहर की सभी संभावनाओं को तलाश किया जा रहा

है। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि पराग फार्म के सिटी के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र से 1000 करोड़ मदद की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी नए शहरों को बसाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में काम तेज कर दिया गया है।

इन दो जगहों पर दोबारा होग सर्वे: रुद्रपुर शहर के पास 1577 हेक्टेयर निजी भूमि पर टाउनशिप विकसित की जानी है। इसके अलावा काशीपुर के निकट 1062.04 हेक्टेयर भूमि पर टाउनशिप बनाने की योजना है, जिसमें 133.42 हेक्टेयर सरकारी और 928.61 हेक्टेयर निजी भूमि शामिल है। दोनों जगहों का सर्वे दोबारा किया जाएगा। सरकार ने तय किया है कि जो भी टाउनशिप चुनी जाएगी, वहां सरकार पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करके देगी। निजी सहभागिता से ये शहर व टाउनशिप विकसित किए जाएंगे।

गरीबों आवास का सपना पूरा करने की ओर बढ़े कदम

चंदन बंगारी, एजेंसी। छह सालों से कागजों में चल रही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) को धरातल पर उतारने की कसरत की जा रही है। शासन की ओर से कार्य शुरू करने की अनुमति मिलने के बाद जिला विकास प्राधिकरण ने चयनित फर्म को 15 मई से पहले कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। शासन की ओर से प्रोजेक्ट में कम पड़ रहे 18 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति के लिए प्राधिकरण को स्टीमेट बनाकर भेजने के लिए कहा गया है। प्राधिकरण जल्द ही शिविर लगाकर लाभार्थियों से आवेदन लेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत वर्ष 2017 में रुद्रपुर में गरीबों के लिए 1872 आवास बनाने की मंजूरी दी गई थी। इसके लिए मोदी मैदान में चार एकड़ जमीन चिह्नित की गई थी। इस जगह पर आवास निर्माण के लिए उडा और भारत सरकार की एजेंसी वेपकॉस के बीच करार हुआ था। आवास निर्माण के साथ ही पार्क और व्यवसायिक कॉम्पलेक्स बनाने की योजना भी थी। चार मंजिला भवन में बनने

वाले फ्लैट का आवंटन लाटरी सिस्टम से होना था लेकिन आवासों के मानचित्र सहित कई अड़ंगे लगने से योजना खिंचती चली गई। दो साल कोरोना की वजह से आवास की फाइल ठंडे बस्ते में रही।

केंद्र की ओर से योजना में देरी पर कड़े रुख के बाद वर्ष 2022 में मोदी मैदान में निर्माण शुरू करने की कवायद हुई तो शासन स्तर पर मोदी मैदान को योजना के लिए उपयुक्त नहीं माना गया। इसके बाद नए सिरे से जमीन की तलाश शुरू हुई और जिला प्रशासन ने प्राधिकरण को बागवाला गांव में 15 एकड़ जमीन दे दी लेकिन प्राधिकरण की ओर से तैयार की गई डीपीआर में लागत 130 करोड़ पहुंच गई। अनुमानित 112 करोड़ लागत में 18 करोड़ अधिक होने पर प्राधिकरण ने शासन से प्रतिपूर्ति की मांग की और मामले में पेच फंस गया था। लेकिन शासन की ओर से काफी इंतजार के बाद अब काम शुरू करने के लिए प्राधिकरण को निर्देश मिल चुके हैं।

ये है योजना: लाभार्थी को साढ़े तीन लाख रुपये का करना होगा भुगतान, सरकार की ओर से प्रोजेक्ट में ढाई लाख की दी जाएगी सब्सिडी, लाभार्थी को 5000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस के साथ करना होगा आवेदन, आवेदन जमा करने के लिए प्राधिकरण लगाएगा शिविर, एचडीएफसी बैंक के माध्यम से जमा होगा शुल्क, आवेदक का नहीं होना चाहिए खुद का आवास, वार्षिक आय तीन लाख से नीचे वाले माने जाएंगे अर्ह, आवेदक का 2015 से पहले का निवासी होना अनिवार्य, परिवार की महिला ही कर सकेगी आवेदन, जांच के बाद आवेदकों को आवंटित किए जाएंगे फ्लैट छह साल से कागजों में चल रही योजना से गरीबों को आवास का सपना लंबा हो चुका है।

राशन विक्रेताओं ने खाद्यान्न वितरण का किया बहिष्कार

रुद्रपुर/काशीपुर/जसपुर/बाजपुर, एजेंसी। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन के आह्वान पर जिलेभर के राशन विक्रेताओं ने बेमियादी खाद्यान्न वितरण का बहिष्कार शुरू कर दिया है। राशन विक्रेताओं ने उपभोक्ताओं को राशन नहीं बांटा। उन्होंने मांगें पूरी होने पर ही आंदोलन खत्म करने की चेतावनी दी है। सोमवार को तीन सूत्री मांगों के लिए विक्रेताओं ने आंदोलन शुरू कर दिया है। शासन की ओर से मांगों को लेकर बेरुखी के चलते उन्होंने एसएमआई गोदामों से खाद्यान्न नहीं उठाया। फेडेरशन के जिला अध्यक्ष राजेंद्र बांगा ने बताया कि कार्यबहिष्कार में 642 राशन विक्रेता शामिल हैं। इधर, डीएसओ विपिन कुमार ने बताया कि गल्ला विक्रेताओं की लाभांश खातों में डालने और पीएमजीएवाई का सात महीने का लाभांश खातों में जमा करने की मांग को पूरा किया गया है। इसके अलावा अतिरिक्त मानदेय का मामला शासन स्तर पर है। काशीपुर में संगठन के अध्यक्ष विनोद कुमार सारस्वत व प्रदेश उपाध्यक्ष सार्थक अग्रवाल ने बताया जब उनकी मांगों का निस्तारण नहीं होता कार्यबहिष्कार करेंगे। वहां पर माजिद अली, हरीश पांडे, अनिल सिंधवानी, संजय अग्रवाल आदि मौजूद रहे। इधर, जसपुर में आदर्श राशनिंग वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने डीएसओ को संबोधित ज्ञापन क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विनोद चंद तिवारी दिया। वहां पर देवेंद्र सिंह चौहान, अतुल कुमार सिंह, वीरेंद्र सिंह, तबारक हुसैन, मो. मुस्तकीम, शिवम विश्नोई आदि शामिल रहे। वहीं, बाजपुर में गल्ला विक्रेताओं ने कहा जब तक उनकी मांगों का निस्तारण नहीं होता कार्यबहिष्कार जारी रहेगा। यहां पर अध्यक्ष अजय कालरा, रविशंकर गोयल, मदन मोहन आजाद, अकरम आदि मौजूद रहे। 2023 के जनवरी महीने से आज तक का राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा का मासिक लाभांश शीघ्र विक्रेताओं के खातें में जमा किया जाए। पीएमजीएकेवाई का पिछले सात महीने का लाभांश का पूर्ण भुगतान बैंक खातों में शीघ्र जमा किया जाए। उत्तराखंड में भी अन्य राज्यों की तरह सरकारी गल्ला विक्रेताओं को लाभांश के अतिरिक्त मानदेय महीने में दिया

बुरी तरह फेल हुआ भाजपा का आमरण अनशन, सुबह 10:30 बजे भी खाली मिला धरनास्थल:दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आप विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि बीजेपी ने दिल्ली का बेटा अरविंद कजेरीवाल के खिलाफ आमरण अनशन का ऐलान किया था, जो बुरी तरह फेल हो गया है। सुबह 8:30 बजे हमने बीजेपी धरनास्थल की कुछ तस्वीरें खींची तो वहां एक व्यक्ति मौजूद नहीं था। 9:30 बजे और 10:30 बजे भी यही हाल मिला। भाजपा के कार्यकताओं को भी पता है कि ये झूठ और नौटंकी की रातनीति कर रहें हैं। आज शाम तक भाजपा आमरणकारियों की लिस्ट और मेडिकल रिपोर्ट जारी करे अन्यथा यह स्पष्ट हो जाएगा कि इनका धरना सिर्फ एक नौंटकी था। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राजेंद्र नगर के विधायक दुर्गेश पाठक ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय पर एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित किया। दुर्गेश पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दरअसल अब भारतीय नौटंकी पार्टी बन चुकी है। जिस प्रकार केजरीवाल सरकार दिल्ली में शानदार काम कर रही है, उसको भाजपा पचा नहीं पा रही है। इसी नफरत में हर समय एक नई नौटंकी करती रहती है। अब भाजपा ने शुरू किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो शीशमहल खड़ा कर लिया है। इसके लिए भाजपा आमरण अनशन करेगी। विशाल धरने पर बैठेगी। दुर्गेश पाठक ने कुछ तस्वीरें दिखाते हुए कहा कि भाजपा का आमरण अनशन पूरी तरह से फेल हो गया है। आज सुबह 8:30 बजे हमने वहां की कुछ तस्वीरें खींची। वहां एक व्यक्ति नहीं नजर आया। हमने सोचा, हो सकता है कि वह लोग नहाने-धोने गए होंगे इसलिए दोबारा जाकर 9:30 बजे कुछ तस्वीरें लीं। उस वक्त भी वहां एक व्यक्ति नहीं दिखाई दिया। हां, दो पुलिस वाले जरूर खड़े थे। इसके बाद 10:30 बजे फिर कुछ तस्वीरें लीं तो उस वक्त भी वहां कोई नहीं था। भाजपा का ऐसा हाल पहले कभी नहीं हुआ होगा। सिर्फ दिल्ली की जनता को ही नहीं बल्कि खुद भाजपा के कार्यकताओं को भी पता है कि ये झूठ की रातनीति कर रहें हैं। सिर्फ और सिर्फ नौटिंकी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का कहना था कि जबतक कोई अंतिम निर्णय नहीं आएगा, यह आमरण अनशन जारी रहेगा। जान दे देंगे लेकिन धरने से नहीं उठेंगे। और अभी इन तस्वीरों ने साफ कर दिया कि वहां एक व्यक्ति मौजूद नहीं था। इसका मतलब यह है कि जनता ने भाजपा को पूरी तरह रिजेक्ट कर दिया है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव बुरी तरह हारती है। इस बार एमसीडी चुनाव भी बुरी तरह हारी। कारण यह है कि दिल्लीवासी अपने बेटे अरविंद केजरीवाल जी से बहुत प्यार करते हैं। उनके कामों को पसंद करते हैं। वह जानते हैं कि एकमात्र अरविंद केजरीवाल दिल्ली के लिए दिनरात काम कर रहे हैं। इसलिए जब भाजपा इस प्रकार की कोई नौटंकी करती है तो किसी का समर्थन नहीं मिलता है। दखास बात यह है कि भाजपा के कार्यकर्ता तक धरने पर नहीं आ रहे हैं। मैंने कुछ देर पहले ही भाजपा के एक कार्यकर्ता को फोन किर पूछा कि 10:30 बज गए हैं लेकिन यहां एक व्यक्ति नहीं है। आज तो तुम्हारे जोन की ट्यूटी लगी है, तुम्हें तो पहुंचना चाहिए था। वह बोला, हमारी पार्टी वाले दिनभर झूठ बोलते रहते हैं। भविष्य में कोई मुख्यमंत्री बने, इसी आवास में रहेगा केजरीवाल ने अपने लिए घर तो बनाया नहीं है। उन्होंने तो मुख्यमंत्री आवास बनाया है। कल को कोई और मुख्यमंत्री होगा तो वह वहां रहेगा। ऊपर से 1942 में एक घर बना था जो कि गिर गया तो उसकी जगह नया घर बनाया गया है। यह घर तो सरकार ने बनाया है ना कि मुख्यमंत्री जी ने बनाया है। मैंने कहा कि आपको यह बात इतने अच्छे से समझ आ गई तो भाजपा को क्यों नहीं आ रही है। वह बोला, इसीलिए तो दिल्ली में दिन-प्रतिदिन उनका पतन हो रहा है। जितने भी ऊपर के नेता हैं, वह पूरी तरह जमीन से कट चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कहा कि हमलोग आमरण अनशन करेंगे। मुख्यमंत्री जी ने जब बिजली के लिए आनदोलन किया था तो वह 16 दिनों तक अनशन पर बैठे थे, जबतक उनकी मांग नहीं मान ली गई थी। आमरण अनशन का अर्थ है कि जबतक मांगे ना मान ली जाएं तबतक अनशन करना फिर चाहे इस दौरान मृत्यु ही क्यों ना हो जाए। इस दौरान आप पानी के सिवा कुछ और खा-पी नहीं सकते हैं। आज तीसरा दिन हो गया है, इतने दिन में किसी भी व्यक्ति का वजन कम हो जाएगा। ब्लडप्रेशर में बदलाव आएगा। मैं चाहता हूं कि भाजपा अनशन करने वालों की मेडिकल रिपोर्ट जारी करे। अगर वह कहेंगे तो हम किसी भी सरकारी अस्पताल से डॉक्टर की टीम भेज देंगे, जो मेडिकल रिपोर्ट तैयार करके लोगों के बीच जारी करेगी। अगर आज शाम तक भाजपा आमरणकारियों की लिस्ट और मेडिकल रिपोर्ट जारी नहीं करती है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि इनका धरना सिर्फ एक नौंटकी था। इन्होंने मीडिया के साथ मिलकर जो षड्यंत्र चलाया था, वह पूरी तरह फेल हो गया।

दिल्ली में हल्की बारिश, अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का अनुमान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को हल्की बारिश के बाद शहर के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। विभाग ने एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण शुक्रवार से फिर से बारिश की संभावना व्यक्त की है। आईएमडी ने बताया कि बारिश की वजह से शहर का न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस रहा और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। विभाग के मुताबिक, दिल्ली में पश्चिमी विक्षोभ के कारण अप्रैल महीने में 20 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई, जो 2017 के बाद से इस महीने में सबसे अधिक है।

वहीं, विभाग ने बताया कि मई की शुरूआत अच्छी रही। विभाग के मुताबिक सोमवार को शहर में 14.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।राष्ट्रीय राजधानी के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने लगातार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में रुक-रुक कर बारिश होने और बादल छाए रहने के कारण पिछले तीन दिन में अधिकतम तापमान सामान्य से कम से कम 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया। दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था और सोमवार को यह गिरकर 26.2 डिग्री सेल्सियस हो गया, जिससे यह 13 साल में महीने का दूसरा सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। शहर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि एक और पश्चिमी विक्षोभ के पांच मई से उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है। इसके प्रभाव के कारण राजधानी में सात मई तक आसमान में बादल छाए रह सकते हैं और छिटपुट बारिश हो सकती है।

विभाग के मुताबिक, अधिकतम तापमान नौ मई तक 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का अनुमान है। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में मई सबसे गर्म महीना होता है। इस महीने में औसत अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस रहता है। मौसम विभाग ने मई महीने में उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने और लू वाले दिनों में कमी आने का अनुमान जताया है।

दिन-ब-दिन बेनकाब हो रही है आम आदमी पार्टी: भाजपा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को दावा किया कि भ्रष्टाचार के लगातार लग रहे आरोपों के मद्देनजर दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) दिन-ब-दिन बेनकाब हो रही है। भाजपा ने आप से आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कथित संलिप्तता पर सफाई देने की मांग भी की। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में खबरों का हवाला देते हुए सवाल किया कि क्या राष्ट्रीय राजधानी में रेस्तरां के समय में बदलाव आप नेताओं से जुड़े किसी वाणिज्यिक करार के कारण किया गया था। उन्होंने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के सचिव द्वारा दिए गए उस बयान से जुड़ी खबरों का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि शराब ठेकेदारों के लिए कमीशन दो प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने का निर्णय जिस बैठक में लिया गया था उसमें कथित तौर पर केजरीवाल भी मौजूद थे। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय की आप द्वारा आलोचना किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में भाजपा नेता ने कहा कि आम आदमी पार्टी का झूठे आरोप लगाने और बाद में माफी मांगने का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि चूंकि उसके पास अपने नेता के खिलाफ लगाए गए आरोपों का कोई जवाब नहीं है, इसलिए वह ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रही है। सीबीआई ने कई दौर की पूछताछ के बाद 26 फरवरी को सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 तैयार करने और उसके कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस नीति को अब समाप्त कर दिया गया है। आरोप है कि नई आबकारी नीति के जरिए केजरीवाल सरकार ने करोड़ों रुपये का भ्रष्टाआचार किया।

दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर पुलिस की छापेमारी जारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी की पुलिस ने गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के सहयोगियों की तलाश में दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में बुधवार को सुबह 20 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई द्वारका के बिंदापुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसान मोर्चा के नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या के मामले में दो नाबालिगों को हिरासत में लिए जाने और चार अन्य को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। चंडीगढ़ से गिरफ्तार किए गए दो शूटरों में से एक कपिल सांगवान गिरोह से जुड़ा था।

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम हर्षवर्धन ने कहा कि दिल्ली और हरियाणा में 23 ठिकानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हरियाणा में पुलिस ने झज्जर, सोनीपत, बहादुरगढ़ और महेंद्रगढ़ में गैंगस्टर कपिल सांगवान और उसके सहयोगियों की तलाश में छापे मारे।

उन्होंने बताया कि छापेमारी में 20 लाख रुपये नकदी और हथियार जब्त किए गए हैं, जबकि कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, वह राष्ट्रीय राजधानी के बाहर की गई जब्ती के बारे में जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों ने बताया कि वे हरियाणा में अपने समकक्षों के साथ समन्वय कर रहे हैं और जिन क्षेत्रों में जब्ती की गई है, वहां के थानों में उचित मामले दर्ज किए जाएंगे। पुलिस के अनुसार, तलाशी अभियान अभी जारी है। पुलिस ने इससे पहले कहा था कि बिंदापुर में 14 अप्रैल को हुई मटियाला की हत्या इलाके में अपनी मौजूदगी का एहसास कराने और अपने कमजोर होते गिरोह में दोबारा जान फूंकने की संगवान की कोशिश थी। सांगवान के अभी विदेश में होने का अंदेशा है।

यह तलाशी अभियान तिहाड़ जेल में बंद कुख्यात अपराधी टिल्लू ताजपुरिया की प्रतिद्वंद्वी गोगी गुट के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर हत्या किए जाने के एक दिन बाद चलाया जा रहा है। ताजपुरिया 2021 में रोहिणी की एक अदालत में हुई गोलीबारी की घटना का आरोपी था, जिसमें गैंगस्टर जितेंद्र गोगी मारा गया था। ताजपुरिया की मंगलवार तड़के गोगी गिरोह के चार कथित सदस्यों ने तिहाड़ जेल में किसी धारदार चीज से वार कर हत्या कर दी थी।

अब तो निगम के अस्थाई कर्मचारियों को पक्का कर दो केजरीवाल जी : संजय गौड़

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल नें राजधानी दिल्ली के अस्थाई कर्मियों के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम के अस्थाई कर्मियों को अपने चुनावी वायदों में नियमित करने का वायदा किया था। लेकिन दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम के कई विभागों में हजारों कर्मचारी अस्थाई है। यह कहना है वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाबरपुर ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष संजय गौड़ का। संजय गौड़ कहते हैं अरविन्द केजरीवाल की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। चुनाव से पहले वे अनाप शनाप ऐसे वायदे करते हैं जिन्हें वे पूरा नहीं कर सकते बावजूद इसके लोगो को गुमराह करते हैं। और चुनाव जीतने के बाद अपने किये वायदों से मुहं फेर लेते है। संजय गौड़ कहते हैं अब दिल्ली सरकार के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम में भी अरविन्द केजरीवाल की पार्टी सत्ता में है लिहाजा उन्हें अपने किये वायदे पूरे करने चाहिए। संजय गौड़ कहते हैं दिल्ली नगर निगम में एक साल के लिए एक बार फिर आम आदमी पार्टी का मेयर और डिप्टी मेयर बनने पश्चात केजरीवाल को चुनाव में की गई 10 गारंटियों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा निगम का चुनाव होने के बाद पिछले महीनों में भाजपा और आम आदमी पार्टी की नूरा कुश्ती के अलावा आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता के लिए कोई काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के वादे के साथ निगम कर्मचारियों को समय पर वेतन देने का वादा किया था परंतु न तो कर्मचारियों को पक्का करने की दिशा में कोई कदम उठाया और न ही चतुर्थ श्रेणी विशेषकर सफाई कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जा रहा है। संजय गौड़ ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने निगम चुनाव में कूड़े का निस्तारण करके शहर को साफ सुथरा बनाने का वादा किया था लेकिन दिल्ली की जनता को भ्रमित करके निगम की सत्ता हथियाने वाले केजरीवाल दिल्ली की सफाई व्यवस्था को दिल्ली सरकार के अंतर्गत पीडब्लूडी विभाग को सौंपने की तैयारी कर रहे है जो दिल्ली वालों के साथ धोखा होगा। उन्होंने कहा कि कूड़े के पहाड़ों को हटाने के लिए केजरीवाल और भाजपा सिर्फ राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मेयर को दिल्ली में पार्किंग समस्या, मुख्य सड़कों को बेहतर बनाने, निगम स्कूलों और अस्पतालों की ढ़ांचागत व्यवस्था को दुरस्त करने पर ध्यान देना चाहिए ताकि दिल्ली की जनता द्वारा दिए गए समर्थन का फायदा मिल सके।

लगातार घट रही है दिल्ली की हरियाली : हाजी गुफरान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की हरियाली लगातर घटती जा रही है। जिसके चलते राजधानी का प्रदुष्ण खरनाक स्तर पर पहुंचता जा रहा है। यह कहना है जनता कालोनी ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष हाजी गुफरान का। हाजी गुफरान कहते है पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के शासनकाल में राजधानी हरी भरी थी। शीला जी हरित क्रांति लेकर आई थी। उनके कार्यकाल में दिल्ली में हरियाली को बढ़ाने के लिए कई अभियान चलाये गए। शीला जी शासन के बाद उनके द्वारा शुरू किये गए हरित अभियान लगभग थम गए और धीरे-धीरे दिल्ली से हरियाली कम होती गई। और आज हालत ये है की हरियाली के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। हाजी गुफरान कहते हैं कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा यह दावा करना कि राजधानी दिल्ली में पिछले 8 वर्षों में प्रदूषण में सुधार हुआ है और प्रदूषण में 30 प्रतिशत की कमी आई है, दिल्ली की जनता को गुमराह करने वाला बयान है। उन्होंने कहा कि पिछले मार्च महीने में आई एक रिपोर्ट अनुसार दिल्ली विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में चौथे नम्बर पर थी, जिसको मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल झुठला नही सकते। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की सबसे बड़ी विफलता यह है कि प्रदूषण मॉनिटरिंग स्टेशनों पर ए.क्यू.आई. लगातार खतरनाक स्तर पर दर्ज होता जा रहा है और कुछ दिनों से मौसम में बदलाव के कारण एक्यूआई में आई कमी की तुलना मुख्यमंत्री पिछले 8 वर्षों के खतरनाक प्रदूषण से नही कर सकते। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ग्रीन कवर बढ़ाने का बखान सत्ता में आने के बाद से ही करते आ रहे है परंतु दिल्ली में ग्रीन कवर लगातार घट रहा है, फिर 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य कैसे पूरा होगा।

50% छात्रों को लगता है किवर्चुअल टूर बेहतर छात्र आवास अनुभव प्रदान कर सकते हैं

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

यूनिवर्सिटी लिविंग केसर्वे में पता चला कि 50% छात्रों को लगता है किवर्चुअल टूर बेहतर छात्र आवास अनुभव प्रदान कर सकते हैं 1000+ प्रतिसादियों के साथ संचालित,सर्वे रिपोर्ट में दिलचस्प जानकारियों का पता चला है कि टैकनोलजीकैसे आवास के अनुभव को छात्रों के लिए अधिक सहज औरसुविधाजनक बना सकती है टैकनोलजीहमारे दैनिक जीवन में हमारे लिए एक गेम-चेंजर रही है, जो लगभग हर गतिविधि के लिए सुविधा और सहजताप्रदान करती है। लेकिन छात्र समुदाय के लिए उनकी रहने की स्थिति के संदर्भ में यहक्या कर सकती है? एक प्रमुख वैश्विक छात्र आवास प्लेटफॉर्म, यूनिवर्सिटीलिविंग ने हाल में किए गए सर्वे के आधार पर एक रिपोर्ट जारी की है। सर्वे में 1000 सेअधिक लोग शामिल हुए। रिपोर्ट में दिलचस्प जानकारी यह है कि कैसे टैकनोलजी छात्रों के लिए आवास के अनुभव को अधिक सहज औरसुविधाजनक बना सकती है। आइए जानते हैं कि रिपोर्ट में क्या कुछ कहा गया है। सर्वे में भाग लेने वाले 50% रेस्पोंडेंटस ने कहा कि छात्र आवास अनुभव को बढ़ाने के लिए वर्चुअल टूर सबसे अच्छातरीका है। यह मुख्य रूप से वर्चुअल टूर के कारण है कि छात्रों को बुकिंग करने और स्थानविशेष पर जाने से पहले आवास का उचित विचार प्रदान करता है। इसके अलावा, 39% प्रतिसादियों ने महसूस किया कि रूममेट-मैचिंगसेवाओं की पेशकश करने से उनके रहने की स्थिति में काफी सुधार होगा। आखिरकार, किसीका अपने रूममेट के साथ संबंध यह निर्धारित कर सकता है कि किसी स्थान पर रहना कितनाआसान या कठिन हो सकता है। इसके अलावा, यूनिवर्सिटी लिविंग की रिपोर्ट से पता चला कि इसकेसर्वे के 6% रेस्पोंडेंटस को लगता है कि ऑन-डिमांड मेंटेनेंस उनके छात्र आवास अनुभवको बेहतर बनाने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। अन्य 6% को लगता है कि उनके अनुभव को बेहतर और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए जनरेटिवकस्टमर सहायता आवश्यक है। यूनिवर्सिटी लिविंग के सीईओ और संस्थापक सौरभ अरोड़ा ने कहा, ह्लकॉलेज जाने के बाद हर छात्र की यात्रा का आवासअनुभव एक अभिन्न अंग होता है। यह उनके छात्र अनुभव का एक बड़ा हिस्सा है। इसलिए, यहसुनिश्चित करना कि यह निर्बाध, सुविधाजनक है और सुखद अनुभव प्रदान करता है तथाछात्रों के आवास के अनुभव को महत्वपूर्ण रूप से बेहतर बनाने में टैकनोलजी निश्चित रूप से क्रांतिकारी है। हमारी नवीनतमसर्वे रिपोर्ट कुछ प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालती है जो एक बिना किसी परेशानीका आवास अनुभव सुनिश्चित कर सकती हैं। यूनिवर्सिटी लिविंग छात्रों की उच्च शिक्षायात्रा को सुखद और परेशानी मुक्त सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारीरिपोर्ट इस बात की गहराई से जानकारी देती है कि कैसे तकनीक पूरे अनुभव को बेहतरबना सकती है। हमें अपनी उच्च शिक्षा को जारी रखने के इच्छुक छात्रों के लिए गो-टूप्लेटफॉर्म बने रहने की उम्मीद है। यूनिवर्सिटी लिविंग के विषय मेंयूनिवर्सिटीलिविंग 2015 में शुरू किया गया एक वैश्विक छात्रआवास मार्केटप्लेस है। यह दुनिया भर के छात्रों को उनके विश्वविद्यालय परिसरोंके पास उपयुक्त और सुरक्षित आवास खोजने में मदद करता है। छात्र अपने बजट, वांछितस्थान और अन्य व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के आधार पर रुपये का मूल्य देने वाले आवास ढूंढ़ने, तुलनाकरने और बुक करने के लिए आवास विशेषज्ञों की 24/7 सहायता टीम सेपरामर्श कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी लिविंग संपूर्ण छात्र यात्रा को आसान बनाने औरहमारे छात्रों के अनुभव को बेहतर बनाने वाली मूल्य-वर्धित सेवाओं केमाध्यम से इसे एक सहज अनुभव बनाने पर भी केंद्रित है। यूनिवर्सिटीलिविंग का प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम (संपत्ति प्रबंधन प्रणाली) हितधारकों के लिएसुचारू व्यवसाय संचालन को सक्षम बनाता है। उनकी 200+ सदस्यीय मजबूत टीमउपयोगकर्ता के अनुभव को बेहतर बनाने और विदेशी शिक्षा यात्रा को डिजिटल रूप सेबदलने के लिए लगातार अपनी सेवाओं में बदलाव कर रही है। यूनिवर्सिटी लिविंग 300+ लोकप्रियविदेशी अध्ययन के शहरों और गंतव्यों की जरूरतें पूरी करता है, सभीमहाद्वीपों में 1.75 मिलियन बेड की उपलब्धता है, और 110+ राष्ट्रीयताएंहैं।

चंबल की चिट्ठी को लॉन्च किया

नई दिल्ली। मैग्सेसे पुरस्कार विजेता और जलपुरुष के नाम से विश्व विख्यात राजेंद्र सिंह और फिल्म अभिनेत्री युविका चौधरी की उपस्थिति में डॉक्यूमेंट्री फिल्म ह्यचंबल की चिट्ठी को आधिकारिक तौर पर एंटरटेनमेंट पैराडाइज में 3 मई को लॉन्च किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई राजेंद्र सिंह ने, जो एक प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित शख्सियत हैं, श्री सिंह 46 साल से जल संरक्षण के लिए कार्य करते आ रहे हैं। युविका चौधरी दो दशक से अभिनय के क्षेत्र में जाना-माना चेहरा हैं और कई बॉलीवुड फिल्म्स टीवी सीरीज के लिए काम कर चुकी हैं। चंबल की चिट्ठी सामाजिक कार्यकर्ता राम निवास मीना जी का प्रयास है, जो ये बताने के लिए काफी है कि जल संकट की मार झेल रहे पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में जल आपूर्ति के लिए ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना सुनिश्चित करना ही एक मात्र विकल्प है। ईआरसीपी को लेकर राम निवास मीना जी जमीनी स्तर पर संघर्ष कर रहे हैं और लोगों को जागरुक करने का प्रयत्न भी कर रहे हैं। उनके इसी प्रयास और पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के नागरिकों की आस बनकर आई है चंबल की चिट्ठी ।रविन्द्र मीना एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो गांव-गांव जाकर लोगों को ईआरसीपी से अवगत कर रहे हैं और उसके लाभ को लेकर जागरुक भी कर रहे हैं। श्री रविंद्र मीना का संघर्ष भी ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना सुनिश्चिक करना है। चंबल की चिट्ठी आर एन प्रोडक्शन्स की निमार्ता-निर्देशक रेनू नेगी और निर्देशक सुशील मेहता के निर्देशन मेंबनी फिल्म है। इस डॉक्यूमेंट्री का मकसद सिर्फ ये सच सामने लाना है कि पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में सूखेकी समस्या को दूर करने के लिए ईआरसीपी और चंबल का पानी ही सिर्फ एक उपाय है।

क्या गलती से भी किसी का नाम चार्जशीट में डाला जाता है : केजरीवाल

नई दिल्ली । संजय सिंह का नाम ईडी की चार्जशीट में डाले जाने के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि क्या गलती से भी किसी का नाम चार्जशीट में डाला जाता है? उन्होंने दो टूक कहा कि इससे साफ है कि पूरा केस फर्जी है। अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, केवल गंदी राजनीति के तहत देश की सबसे ईमानदार और तेजी से बढ़ने वाली पार्टी को बदनाम करने व उसे रोकने के लिए प्रधानमंत्री ऐसा कर रहे हैं। आप सांसद संजय सिंह ने भी ट्वीट किया कि मोदी के इशारे पर नाचने वाली ईडी ने इतिहास में पहली बार अपनी गलती मानी। मोदी जी, अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी कि छवि खराब करना चाहते है। लाख कोशिश करलो सफल नही हो पाओगे क्योंकि ईडी की जांच मोदी की साजिश है। जबकि आप के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा, चार्जशीट में संजय सिंह का नाम गलती से डालना ईडी, सीबीआई की कार्यशैली पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है। इससे यह साफ होता है कि ये पूरा केस फर्जी है।

डीयू में पहलवानों के समर्थन में प्रदर्शन करने जुटे छात्र संगठन, पुलिस ने किया डिटेन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली यूनिवर्सिटी की आर्ट्स फैकल्टी के गेट नंबर 4 पर आइसा, एसएफआई दिल्ली के साथ युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता और अन्य यूनिवर्सिटी के छात्र संगठन पहलवानों के समर्थन में मार्च निकालने के लिए जुटे. यहां छात्र संगठनों के तय कार्यक्रम के अनुसार, बजरंग पुनिया को भी आना था। समय दोपहर 12 का तय था, लेकिन वह नहीं आए. इधर 12 बजे से छात्र आने तो लगे, लेकिन जैसे ही दोपहर एक बजे के करीब छात्रों की संख्या बढ़ी और सड़क पर बैठकर छात्र जब अपना विरोध जताने लगे तो उन्हें दिल्ली पुलिस ने डिटेन कर लिया.

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को डिटेन इसलिए किया क्योंकि, छात्रों ने प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं ली थी। इस दौरान पुलिस और छात्र संघटन में नोक झोंक भी हुई. दिल्ली पुलिस ने इस दौरान एसएफआई दिल्ली की और जेएनयूएसयू की अध्यक्ष आइशी घोष को भी डिटेन कर लिया. इस दौरान अन्य छात्र संगठन का विरोध तेज हुआ, और धीरे-धीरे सभी को दिल्ली पुलिस ने डिटेन कर लिया. एसएफआई दिल्ली की ओर से बयान दिया गया है कि हम शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन दिल्ली पुलिस ने हम पर हमला किया और अटैक किया। डिटेन हो चुके छात्रों ने इस दौरान दिल्ली पुलिस गो बैक के नारे भी लगाए. दिल्ली पुलिस ने सभी प्रदर्शन करने वाले छात्रों को एक बस में भरकर थाने ले गई। डिटेन हुए छात्रों ने कहा कि क्या अब प्रदर्शन करने के लिए इजाजत मांगे. छात्रों ने कहा कि अगर हम इजाजत मांगते तो क्या हमें प्रदर्शन करने देते. जंतर-मंतर पर 11 दिनों से देश के पहलवान, जिन्होंने भारत का नाम रौशन किया।अब तक इन्हें न्याय नहीं मिला. हम उनके समर्थन में यहां आए. दिल्ली पुलिस ने हमें प्रदर्शन करने से रोक दिया. क्या यहीं लोकतंत्र है?

पुलिसिया कार्रवाई की निंदाः एसएफआई दिल्ली और जेएनयूएसयू की अध्यक्ष आइशी घोष ने कहा कि महीनों हो गए हैं कि एक यौन उत्पीड़क बिना गिरफ्तार हुए देश में खुलेआम घूम रहा है, लेकिन दिल्ली पुलिस को हमारे पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एकजुट हुए छात्रों पर क्रूरता से हमला करने और उन्हें गिरफ्तार करने में कुछ सेकंड लगे. क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने कहा कि यह शर्मनाक है कि जिस दिल्ली पुलिस ने अब तक भाजपा सांसद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की है। वह शर्मनाक ढंग से यौन उत्पीड़न का विरोध कर रहे छात्रों को हिरासत में लेती है। साथ ही इस बात पर भी प्रकाश डालने की जरूरत है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद ही पुलिस ने भाजपा सांसद के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थी, लेकिन आरोपी भाजपा सांसद को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। केवाईएस ने मांग की है कि बीजेपी सांसद को कानून के मुताबिक तुरंत गिरफ्तार किया जाए, ताकि महिला पहलवानों को न्याय मिल सके. साथ ही, कानून के अनुसार, भविष्य में महिला पहलवानों का कोई यौन उत्पीड़न न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का तुरंत गठन किया जाना चाहिए.

इंडिया गेट पर बरसात में भीगते हुए नजर आए सैलानी, मौसम का ले रहे आनंद

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के कई राज्यों में भारी बारिश देखी जा रही है। हालांकि अमूमन मई में इस तरह की मौसम में ठंड नहीं पड़ती है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार दोपहर करीब 1 बजे के बाद आसमान में काले-काले बादल देखे गए, जिसके बाद से बूंदाबांदी शुरू हो गई। तस्वीर राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट की है, जहां पर देखा जा सकता है कि किस प्रकार से बरसात की बूंदे पड़ रही है। हालांकि, इन बारिश की बूंदों में पर्यटक भी लुफ्त उठा रहे हैं और बारिश के मौसम का आनंद ले रहे हैं। दिल्ली एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में बीते 2 दिनों से मौसम में बदलाव देखने को मिला है। दिल्ली में येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। दिल्ली एनसीआर में हो रही बारिश के बाद दिल्लीवासियों को गर्मी से राहत मिलती नजर आ रही है। 5 से 6 मई तक दिल्ली का मौसम खुशनुमा और ठंडा बना रहेगा. वहीं, आज दिल्ली में हुई बारिश के बाद इंडिया गेट के कर्तव्य पथ पर लोग बारिश का आनंद लेते हुए नजर आए. कर्तव्

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरूवार, 04 मई, 2023

दिल्ली के 360 गांवों ने खिलाड़ियों को दिया समर्थन : गोपाल राय

- इंसाफ की मांग कर रहे इन खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया है और आज इनकी जाति पूछी जा रही है- गोपाल राय
- यह लड़ाई देश के खिलाड़ियों और बहन-बेटियों के मान-सम्मान की है, दिल्ली के भाजपा सांसद भी जंतर मंतर आकर साथ दें- गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के 360 गांवों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को जंतर-मंतर पर जाकर न्याय की मांग को लेकर धरना दे रहे पहलवानों का समर्थन किया। ये प्रतिनिधि आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय के नेतृत्व में यहां पहुंचे थे। इसमें कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज, कई विधायक व पार्षद समेत गणमान्य लोग शामिल थे। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार इस गलतफहमी में है कि खिलाड़ी धरना खत्म करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। लेकिन दिल्ली के लोग इनके साथ हैं और इनकी हिम्मत नहीं टूटने देंगे। उन्होंने दिल्ली के भाजपा सांसदों को भी खिलाड़ियों का साथ देने के लिए निमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह तय किया गया है कि 7 मई को फिर गांवों के लोग जंतर-मंतर पर जुटेंगे और महापंचायत कर आंदोलन की आगे की रणनीति बनाएंगे।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने जंतर मंतर पर धरनारत खिलाड़ियों के समर्थन में आए दिल्ली के 360 गांवों से आए प्रतिनिधियों, पार्षदों व विधायकों संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में मेडल जीत कर देश का मान-सम्मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को पिछले 10 दिनों से जंतर मंतर पर आंदोलन कर रहे हैं। देश की शान हमारी बहनें गर्मी और बारिश में भी आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं, देश के प्रधानमंत्री के पास फुर्सत नहीं कि वे इन खिलाड़ियों को बुलाकर इनसे बात कर सकें। कल भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने ट्वीट किया कि आप के नेता इस आंदोलन को हाईजैक करना चाहते है। मैं उनको चुनौती देता हूं कि अगर उनके अंदर समाज और बहन-बेटियों की इज्जत को लेकर चिंता है तो वो भी आकर हमारे साथ जंतर मंतर पर बैठें और खिलाड़ियों का समर्थन करें। इन खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया में भारत का तिरंगा फहराया है और आज इन्हीं से इनकी जाति पूछी जा रही है। लेकिन हमारा तिरंगा किसी भी जाति से ऊपर है। एक खिलाडी को तैयार करने में एक परिवार अपना सबकुछ दांव पर लगा देता है। मां-बाप अपना पेट काटकर, अपना सब कुछ न्यौछावर कर अपने बच्चे को खिलाडी बनाने के लिए भेजता है और ये खिलाड़ियों की जात पूछ रहे हैं। खिलाड़ियों की एक ही जात है, ये हिंदुस्तानी हैं। जो भारत के लोगों की जाति है, वही हमारे खिलाड़ियों की जाति है। जब ये खिलाड़ी तिरंगे के सम्मान के लिए बाहर जाते है तो उसके साथ सभी जातियों की दुआएं और आशीर्वाद भी जाता है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों को समर्थन देने के लिए दिल्ली के नरेला, बवाना, मुंडका, नजफगढ़, मटियाला, छतरपुर, बिजवासन समेत 360 गांवो के प्रतिनिधि आए हैं। ये एक ही बात कहने के लिए आए हैं कि अगर भाजपा की सरकार यह सोचती है कि इन खिलाड़ियों को हम ऐसे ही सड़क पर छोड़ देंगे और एक दिन मजबूर होकर ये जंतर मंतर छोड़कर चले जाएंगे तो आप गलतफहमी में है। केंद्र सरकार को मजबूर होना पड़ेगा। जैसे किसान नहीं गए, क्योकि मजबूर केंद्र को होना पड़ा और तीनों कानून वापस लेने पड़े। सरकार जितना इन खिलाड़ियों का हौसला तोड़ने की कोशिश करेगी, उतना देश से समर्थन का जमावड़ा जंतर मंतर पर लगता रहेगा। अगर केंद्र सरकार इनकी हिम्मत तोड़ना चाहती है तो पूरी दिल्ली के गांव इनकी हिम्मत जोड़ना चाहते हैं। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने गांव के प्रतिनिधियों के सामने प्रस्ताव रखते हुए कहा कि हमारे देश की बेटियां यहां आंदोलन कर रही हैं। इनके समर्थन में दिल्ली के सभी गांवों में पंचायत बुलाई जाए। पंचायत में सभी बिरादरी के लोगों को बुलाकर खिलाड़ियों के समर्थन पर चर्चा की जाए कि क्या हमें इनका साथ देना चाहिए या नहीं? क्या हमें न्याय का साथ देना चाहिए या नहीं? दूसरा, 4, 5, और 6 मई को दिल्ली के सभी गांव अपने-अपने क्षेत्र में पंचायत करे और 7 मई को जंतर मंतर पर खिलाड़ियों के समर्थन में महापंचायत बुलाई जाए। खिलाड़ियों के समर्थन में सभी गांव के लोग, प्रतिनिधि, पार्षद व विधायक 7 मई की सुबह 11 बजे जंतर मंतर पर आएं, ताकि सभी गांवों की महापंचायत की जा सके। सरकार सभी खिलाड़ियों की मांग पर जिम्मेदारी के साथ चर्चा करे और अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो 7 मई को महापंचायत के साथ इस आंदोलन की अगली रणनीति और अगले चरण की घोषणा की जाएगी। आप दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने दिल्ली के सांसदों से पूछा कि जो हर बार जंतर मंतर पर भागकर आया करते थे वे अब इन खिलाड़ियों की गुहार सुनने क्यों नहीं आ रहे हैं। यह लड़ाई देश के खिलाड़ियों व बहन-बेटियों के मान सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। मैं भाजपा के लोगों को 7 मई की महापंचायत में आने का निमंत्रण देता हूं, ताकि सब मिलकर चर्चा कर सकें कि हमे खिलाड़ियों का साथ देना है या नहीं। 7 मई की महापंचायत किसी एक पार्टी की नहीं है, कोई भी पार्टी या संगठन इसमें शामिल हो सकता है।

वहीं, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज जंतर मंतर पर दिल्ली के करीब 360 गांवों से प्रतिनिधि आए है। मेडल जीतने वाली हमारी बेटियां इन्हीं गांवों से आती हैं। इन्हीं गांवों से बाहर निकलकर हमारी बेटियां कोचिंग और कैंप में ट्रेनिंग लेने के बाद देश के लिए मेडल लेकर आती है। हमारे इन्ही गांव के लोग अपनी बेटियों को देश का नाम ऊंचा करने के लिए भेजते है।

अंबेडकर की विरासत पर आयोजन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

अंबेडकर स्टडी सर्कल, राजधानी कॉलेज के तत्वावधान में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं कवि सम्मेलन का आयोजन दिनाँक 2 मई 2023 को किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय डॉक्टर अंबेडकर की बढ़ती हुई प्रासंगिकता रहा। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश गिरि ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि गांधी और अंबेडकर की विचारधारा को निरंतर और हर रोज समाज में फैलाए जाने की आवश्यकता है। राजधानी कॉलेज के बरसर प्रो. सुमन कुमार ने समाज के प्रत्येक परिवार में अंबेडकर को खोजने पर जोर दिया। प्रो ०गीता सहारे ने कहा बाबा साहेब की विरासत के कारण हमें आज बोल पाने का अधिकार प्राप्त है। यह बाबा साहेब का ही सपना है कि समाज को बदलने के लिए इस विरासत को वर्तमान पीढ़ी को ही आगे बढ़ाना पड़ेगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रोफेसर प्रमोद मेहरा ने दुनिया को बेहतर बनाने के लिए बाबा साहेब को शिक्षाविद के रूप में जानने की आवश्यकता पर बल दिया। शिक्षा का उद्देश्य हमेशा औरों को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। प्रो०. रवीन्द्र कुमार सहरावत ने दुनिया या समाज को बेहतर बनाने के लिए हाशिए के लोगों की सेवा करने को अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा- बाबा साहेब के विचारों को सिर्फ जानना ही काफी नहीं है बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारना भी जरुरी है। डॉ. सुनील बाबू ने बाबा साहेब को न सिर्फ राष्ट्र का बल्कि समूचे विश्व का मसीहा बताया। व्याख्यान की समाप्ति के पश्चात छात्रों के साथ प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र (कवि सम्मेलन) में रविन्द्र कुमार दास ने अपनी कविता मगध की जनता में कोई असंतोष नहीं है एवं कौन है त्रिजटा , डॉ. जसवीर त्यागी ने अपनी कविता जिनके घर नहीं होते, एक पुष्प की ताकत एवं डॉ. धीरज कुमार यादव ने अपनी कविता पुष्प के मध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। इस सत्र के अतिथि कविगणों में अनिता भारती ने रिक्शेवाली की बीवी, रुखसाना का घर, संतोष पटेल ने मैं अंबेडकर हूं, जज्बात तुम्हारे भी, मेरे सपनों में चुपके से आया करो, आलोक कुमार मिश्रा ने दिल्ली के आगे दिल्ली, सुकामना, हीरा मीणा ने कौन हैं वे, मैं बाजुकी हूँ एवं प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव नेरामदुलारी, सोन चिरइयां इत्यादि कविताओं से दर्शकों को बांधे रखा।अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते समय संयोजक महेन्द्र सिंह बेनीवाल ने अपनी कविता तस्वीर सुनाई। अंबेडकर स्टडी सर्कल द्वारा आयोजित कार्यक्रम के वैचारिक का संचालन डॉ. सस्मिता मोहंती एवं कविता सत्र का छात्र अभिषेक तिवारी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो०सुशील दत्त, प्रो०पंकज गर्ग डॉ. गिर्राज बैरवा, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, प्रो०राजेन्द्र कुमार, डॉ उमेश कुमार, डॉ बंटी कुमार, डॉ मनोहर सिंह,डॉ शैफाली राठोर, डॉ अदिति शर्मा, डॉ अरुण लाल,डॉ आनंद कुमार,डॉ संजीव शर्मा,डॉ संतोष यादव, डॉ नवल किशोर, डॉ राजवीर सिंह, डॉ देवकुमार,डॉ प्याली सेन, डॉ. चंदन भारती, डॉ. अमित कुमार , डॉ. अंकित अभिषेक, डॉ सतीश कुमार एवं डॉ. सर्वेश कुमार आदि की गरिमामय उपस्थिति के साथ-साथ भारी संख्या में छात्रों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

आरोप पत्र में संजय सिंह का नाम गलती से नहीं बल्कि जानबूझकर डाला गया: आप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को आरोप लगाया कि दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र में पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के नाम का उल्लेख किया जाना मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के नेताओं को बदनाम करने का सोचा-समझा प्रयास है।

पार्टी ने कहा कि सिंह ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखा है और उनसे आबकारी नीति मामले में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों के संबंध में प्रवर्तन विभाग (ईडी) के निदेशक संजय कुमार मिश्रा और सहायक निदेशक जोगेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दायर करने की मंजूरी मांगी है। ईडी के सूत्रों ने कहा कि आरोप पत्र में आप नेता का चार बार नाम आया है, जिसमें से एक संदर्भ गलत है और अनजाने में टाइप हो गया था। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने अभियोजन पक्ष की शिकायत (आरोप पत्र) में विसंगति को दूर करने के लिए अदालत में एक याचिका दायर की है।

दिल्ली के कैबिनेट मंत्री तथा आप के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी उत्पीड़न का पर्याय, भय, अत्याचार, धमकी और किसी को बदनाम करने का पर्याय बन गई हैं। उन्होंने कहा, आप सांसद संजय सिंह ने कहा है कि वह ईडी अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे क्योंकि उन्होंने आरोप पत्र में उनका नाम शामिल किया और बाद में मीडिया को बताया कि संजय सिंह भी इस मनगढ़ंत घोटाले में शामिल थे।

भारद्वाज ने कहा कि ईडी विपक्षी दलों से डरी हुई है। उन्होंने दावा किया कि ईडी ने संजय सिंह से माफी मांगी है। भारद्वाज ने कहा, ऐसा पहली बार हुआ जब ईडी के निदेशक को किसी से माफी मांगनी पड़ी। एक तरह से केंद्र सरकार को संजय सिंह और आप से माफी मांगनी पड़ी है। उन्होंने पूछा कि यहगलत कैसे हुई।भारद्वाज ने कहा, उन्होंने कहा कि गलती से नाम का उल्लेख हो गया। ऐसा कैसे हो सकता है? भाजपा के किसी सांसद का नाम तो गलती से नहीं आया। प्रधानमंत्री कार्यालय के इशारे पर यह डाला गया। पूरा कथित घोटाला फर्जी है और पूरा मामला झूठा है।

पति ने पत्नी की गला रेतकर की हत्या

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

द्वारका जिले के बाबा हरिदास नगर में बुधवार सुबह एक व्यक्ति ने पत्नी की गला रेतकर कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपित ने खुद के पेट में चाकू मारकर आत्महत्या की कोशिश की। इस दौरान शोर-शराबा सुनकर पड़ोसियों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दंपती को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने पत्नी नेता (32) को मृत घोषित कर दिया। जबकि आरोपित पति विक्की की हालत नाजुक बनी हुई है। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम ने मौके से कई साक्ष्य जुटाए हैं और हत्या का मामला दर्ज कर आगे की छानबीन कर रही है।

पुलिस के मुताबिक बिहार की रहने वाली नेहा अपने परिवार के साथ नजफगढ़ के गोपाल नगर स्थित किराए के मकान में रहती थी। इसके परिवार में पति विक्की के अलावा दो बेटियां हैं। विक्की पिछले तीन-चार महीने बेरोजगार था। वहीं नेहा घरेलू सहायिका का काम कर परिवार को चला रही थी। घर की आर्थिक परिस्थिति को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा हो जाया करता था। बुधवार सुबह करीब 9.00 बजे किसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। इस दौरान गुस्से में आरोपित ने घर में रखे बड़े चाकू से पत्नी का गला रेत दिया। इसके बाद भी पत्नी के पेट पर चाकू के कई वार किए। इसके बाद आरोपित ने अपने पेट में भी चाकू घोंप लिया। वारदात के समय नेहा की पांच साल की बेटी स्कूल गई थी। वहीं बड़ी बेटी घर पर ही मौजूद थी। आरोपित ने बेटी के सामने ही नेहा की हत्या की। घटना के बाद से बेटी दहशत में है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल हुए चाकू को बरामद कर लिया है। नेहा के परिवार को खबर देने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि परिवार इसी सप्ताह इस मकान में आया था। इससे पूर्व कुछ दूरी पर दूसरे मकान में रहता था।

अदालत ने केंद्र को दिल्ली वक्फ बोर्ड की 123 गैर-सूचीबद्ध संपत्तियों के निरीक्षण की अनुमति दी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र को दिल्ली वक्फ बोर्ड से ली गई 123 गैर-सूचीबद्ध संपत्तियों का निरीक्षण करने की अनुमति दे दी है। इस साल की शुरूआत में, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय (एलएंडडीओ) ने दो सदस्यीय समिति की रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड से 123 संपत्तियों का नियंत्रण अपने हाथों में लेने का फैसला लिया था, जिसमें मस्जिदें, दरगाह और कब्रिस्तान शामिल हैं।भूमि एवं विकास कार्यालय के उप-अधिकारी ने आठ फरवरी को बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्लाह खान को लिखे एक पत्र में समिति की रिपोर्ट के आधार पर दिल्ली वक्फ बोर्ड को 123 संपत्तियों से संबंधित सभी मामलों से अलग करने के निर्णय की जानकारी दी थी।हाल के एक आदेश में, न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने इन 123 संपत्तियों को गैर-सूचीबद्ध करने के केंद्र के कदम के खिलाफ बोर्ड की याचिका पर नोटिस जारी किया और कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा रोक लगाने की अंतरिम राहत के लिए दायर आवेदनों को दलीलें पूरा होने के बाद निपटान के लिए लंबित रखा जाएगा। केंद्र ने कहा कि फिलहाल वह केवल संपत्तियों के भौतिक निरीक्षण का ही अनुरोध कर रहा है, जिसके बाद सभी संबंधित सामग्री को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखा जाएगा। अदालत ने अपने हालिया आदेश में कहा, इसके मद्देनजर, मौजूदा याचिका में एक अंतिम निर्णय लंबित होने के कारण, प्रतिवादी अपने आठ फरवरी के पत्र के तहत याचिकाकर्ताओं द्वारा निर्दिष्ट संपत्तियों के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करते हुए निरीक्षण की कार्रवाई कर सकता है। अदालत ने कहा कि यह मुद्दा 1911 से जुड़ा है और इस मामले को थोड़े विस्तार से सुना गया है। अदालत ने कहा कि ऐसे में केंद्र से एक विस्तृत जवाबी हलफनामा मांगना और साथ ही याचिकाकर्ता बोर्ड के पक्ष को सुनना उचित होगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई दो नवंबर के लिए सूचीबद्ध की।

संजय सिंह ने केंद्रीय वित्त सचिव से ईडी निदेशक, सहायक निदेशक पर अभियोजन की मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने केंद्रीय वित्त सचिव को पत्र लिखकर दिल्ली आबकारी नीति मामले में अपने खिलाफ लगाये गये आरोपों के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक संजय कुमार मिश्रा तथा सहायक निदेशक जोगेंद्र सिंह पर अभियोजन की मंजूरी देने का अनुरोध किया है। आम आदमी पार्टी के नेता ने 22 अप्रैल को जांच एजेंसी को कानूनी नोटिस भेजकर कहा था कि वह दिल्ली आबकारी नीति मामले में उनके खिलाफ कथित रूप से झूठे और अपमानजनक दावे करने के लिए माफी मांगे या दीवानी और आपराधिक मुकदमे का सामना करने को तैयार रहे। सिंह के वकील की ओर से जारी कानूनी नोटिस ईडी के निदेशक मिश्रा और सहायक निदेशक सिंह को संबोधित था। आप ने बुधवार को एक बयान में कहा, वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने केंद्रीय वित्त सचिव को पत्र लिखकर ईडी निदेशक संजय कुमार मिश्रा और सहायक निदेशक जोगेंद्र पर अभियोजन की मंजूरी मांगी है।पार्टी ने कहा, संजय सिंह के बारे में अपमानजनक और असत्य बयानों के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के साथ धारा 499 के तहत अधिकारियों पर अभियोजन के लिए अनुरोध किया गया है। ईडी के सूत्रों ने कहा कि आप नेता का नाम आरोप पत्र में चार बार आया है जिसमें से एक उल्लेख गलत है और वह भूलवश टाइप हो गया। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने अभियोजन पक्ष की शिकायत (आरोप पत्र) में विसंगति को सुधारने के लिए अदालत में याचिका दायर की है।

गर्लफ्रेंड को खुश रखने के लिए करते थे वारदात दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

चौकी चर्च मिशन गेट पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मो. मुनीर निवासी श्री राम कॉलोनी, खजूरी खास और आरिफ निवासी श्री राम कॉलोनी, खजूरी खास, है। पुलिस ने इनके पास से थाना फर्श बाजार क्षेत्र से चोरी हुई बाइक, एक देशी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

उत्तरी जिला डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि 01 मई को रात के समय चांदनी चौक, कच्चा घासी राम में पेट्रोलिंग स्टाफ थाना अध्यक्ष विजेंद्र राणा और चौकी इंचार्ज एसआई रणविजय की देखरेख में एएसआई देवेंद्र, एचसी अनिल व एचसी धर्मेंद्र वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। कुछ समय बाद, यह देखा कि बाइक चालक की गतिविधियां संदिग्ध है। उसे रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उन्होंने यू-टर्न लेकर भागने की कोशिश की। कुछ पीछा करने के बाद, दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया गया और तलाशी लेने पर बाइक चालक मो. मुनीर के कब्जे से एक जिंदा कारतूस के साथ एक देसी पिस्तौल बरामद किया गया और एक अन्य जिंदा कारतूस अन्य के कब्जे से बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी कच्ची घासी राम में कारोबारियों पर नजर रखते थे और मौका पाकर रास्ते में लूट, छिनतई और पैसे लूट लेते थे और अपनी गर्लफ्रेंड पर पैसे भी खर्च करते हैं।

एनडीएमसी के 4400 कर्मचारियों को मिला नियमितीकरण का पत्र, अमित शाह बोले- कर्मियों को मिला सुरक्षित भविष्य

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में एनडीएमसी के 4400 कर्मचारियों को नियमितीकरण का पत्र बांटा। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि 4400 कर्मियों के जीवन में नई आशा का सूरज निकला है। सालों तक काम करते रहो, उसकी पहचान न हो। इसकी पीड़ा क्या होगी। यह मैं जानता हूं। उन्होंने कहा कि मोदी जी जब से देश के पीएम बने, न केवल एनडीएमसी, बल्कि देश में विभिन्न अनिश्चितताओं को पूरा किया है। इसलिए सब कहते हैं मोदी है तो मुमकिन है। आप सभी को नियुक्ति पत्र मिले। अब पहचान बन गई है आपकी। 20-30 सालों तक आरएमआर के तौर पर काम करना आज रेगुलर होना यह आनंद का विषय है। अमित शाह ने आगे कहा कि आज सभी के लिए गौरव का समय है। मुझे भरोसा है कि जब भारत जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है तो सितंबर में होने वाली बैठक में यह उत्साह और काम आएगा। आरआर नहीं थे जिसकी वजह यह रेगुलर नहीं हो रहे थे। लेखी और सतीश व कुलजीत चहल की वजह से यह कर्मी पक्के हुए। मोदी जी ने नाम के साथ सम्मान और सुरक्षा दी है। इस कार्य में मैं भी शामिल हो रहा हूं यह मेरे लिए गर्व की बात है। 900 पद सृजित किए गए तब जाकर सब रेगुलर हुए। 32 का वेतन मिलेगा। हकदार तो थे लेकिन आज से हक मिल रहा है। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि 4400 आरएमआर कर्मियों को बधाई। मुझे खुशी हुई, 2015 में मेरे पास कर्मी आए। उस समय मैंने एनडीएमसी चेयरमैन को पक्का करने के निर्देश दिए थे। इसमें किसी को श्रेय लेने की जरूरत नहीं है। केवल अमित शाह जी के चलते यह कर्मी पक्के हुए हैं। वहीं दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना आज पीएम के सपने और दिशा निर्देशों को पूरा करने की दिशा में यह काम किया है। आज 4400 कर्मियों को पक्का कर रहे हैं। 13 हजार पदों पर पिछले दस महीनों में स्थायी नियुक्ति की है। एनडीएमसी ने 27000 युवाओं को कौशल विकास के लिए प्रशिक्षित किया है। अगले साल हम एनडीएमसी इलाके में पांच लाख ट्यूलिप लगाएंगे।

देश के सामने केंद्र सरकार और ईडी हुई एक्सपोज, एक फर्जी घोटाले की चार्जशीट में संजय सिंह का नाम डालने पर ईडी ने मांगी माफी: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्र सरकार और उसकी ईडी बुधवार को पूरी तरह एक्सपोज हो गई। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को बदनाम करने के लिए उनका नाम एक फर्जी घोटाले की चार्जशीट में डालने पर ईडी को पूरे देश के सामने माफी मांगनी पड़ी है। ईडी द्वारा माफी मांगने पर आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आश्चर्य जताया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी का नाम चार्जशीट में गलती से भी डाला जाता है? इससे साफ है कि पूरा केस फर्जी है। यह केवल गंदी राजनीति के तहत देश की सबसे ईमानदार पार्टी को बदनाम करने और सबसे तेजी से बढ़ने वाली पार्टी को रोकने के लिए प्रधानमंत्री ऐसा कर रहे हैं। उन्हें यह शोभा नहीं देता है। वहीं, वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ईडी ने कोर्ट में आवेदन देकर माफी मांगी है कि गलती से चार्जशीट में सांसद संजय सिंह का नाम आ गया है। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है।

सीबीआई-ईडी डराने-धमकाने, उत्पीड़न, परेशान और छवि खराब करने का पर्याय बन चुकी हैं- सौरभ भारद्वाज आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि आज हमारे देश में दो एजेंसियां -ईडी और सीबीआई डराने-धमकाने, किसी को परेशान करने, टॉर्चर व उत्पीड़ित करने और किसी की इज्जत को पूरी तरह से नीलाम करने की पर्यायवाची बन गई हैं। कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने घोषणा की थी कि वे केंद्र सरकार की एजेंसी ईडी के निदेशक संजय कुमार मिश्रा और सहायक निदेशक जोगेंद्र सिंह के खिलाफ क्रिमिनल डिफेमेशन का मुकदमा दायर करेंगे। क्योंकि ईडी ने गलत व झूठे तरीके से संजय सिंह का नाम बदनाम करने के लिए चार्जशीट में डाला है और मीडिया में बताया कि संजय सिंह भी इस तथाकथित घोटाले में शामिल है। उसके कुछ दिनों बाद इस संबंध में सांसद संजय सिंह ने एक कानूनी नोटिस भी उन्हें दिया।

आज ईडी को नहीं, बल्कि केंद्र सरकार को आप और संजय सिंह से माफी मांगनी पड़ी है- सौरभ भारद्वाज उन्होंने कहा कि देश में पहली बार है कि पूरे हिंदुस्तान में विपक्ष को डराने-धमकाने का काम करने वाली ईडी ने सांसद संजय सिंह से माफी मांगी है। ईडी के वकील जोएब हुसैन ने अपने अधिकारियों की तरफ से संजय सिंह को पत्र लिखा है। मुझे लगता है कि हिंदुस्तान में पहली बार है कि ईडी के निदेशक और सहायक निदेशक को माफी मांगनी पड़ी है। एक तरह से कह सकते है कि आज देश की केंद्र सरकार को आम आदमी पार्टी और संजय सिंह से माफी मांगनी पड़ी है। कहा गया है कि गलती से संजय सिंह का नाम आ गया। आखिर यह कैसी गलती हो सकती है? गलती से कभी बीजेपी के सासंद का नाम तो नहीं आया? ये नाम प्रधानमंत्री कार्यालय से दबाव डालकर डलवाए गए। इसी वजह से चार्जशीट में उनका नाम आया। आप नेताओं को किसी भी तरह फंसाने के लिए ईडी को मिला है निर्देश- सौरभ भारद्वाज

आज का दिन केंद्र सरकार और ईडी के लिए बहुत शर्मसार करने वाला- सौरभ भारद्वाज

आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज केंद्र सरकार और ईडी के लिए बहुत शर्मसार करने वाला दिन है कि ईडी ने लिखित में माफी मांगकर अपनी गलती सुधारी है। जिस चार्जशीट में संजय सिंह का नाम डाला था, उसके लिए उन्होंने ईडी को लीगल नोटिस डालकर धमकी दी। आज उस कोर्ट में ईडी ने एप्लीकेशन डालकर कहा कि गलती हो गई और संजय सिंह का नाम हटा दीजिए। यह एक बहुत बड़ा सबक है। यह इस षड्यंत्र का पदार्फाश करता है कि इनके दिमाग में भी सिर्फ आम आदमी पार्टी के नेताओं के नाम घूमते रहते हैं कि किस नेता को कैसे फर्जी मामले में फंसाया जाए। अरविंद केजरीवाल को कैसे बदनाम किया जाए। आज पूरी केंद्र सरकार पूरे देश के सामने एक्सपोज हो गई है। प्रधानमंत्री जिस तरीके से षड्यंत्र करके आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को झूठे और फर्जी मामले में फंसाने की कोशिश कर रहे है, उसका सच पूरे देश के सामने आ गया है, यह बहुत शर्म की बात है। वहीं, सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, क्या किसी का नाम चार्जशीट में गलती से भी डाला जाता है? इससे साफ है कि पूरा केस फर्जी है। केवल गंदी राजनीति के तहत देश की सबसे ईमानदार पार्टी को बदनाम करने और सबसे तेजी से बढ़ने वाली पार्टी को रोकने के लिए प्रधानमंत्री जी ऐसा कर रहे हैं। उन्हें ये शोभा नहीं देता।

आबकारी नीति मामला: उच्च न्यायालय ने सिसोदिया की अंतरिम जमानत पर सीबीआई से रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पत्नी की बीमारी के आधार पर अंतरिम जमानत का अनुरोध करने वाली, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की याचिका पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया गया है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने सीबीआई से बृहस्पतिवार को रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इसी दिन अदालत में सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर भी सुनवाई होनी है। सिसोदिया के वकील ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता की पत्नी की चिकित्सकीय स्थिति पर तत्काल ध्यान दिए जाने की जरूरत है। साथ ही वकील ने अदालत से उन्हें अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया। सीबीआई के वकील ने कहा कि बृहस्पतिवार को रिपोर्ट पेश करना संभव नहीं होगा। इसपर अदालत ने सीबीआई के वकील से कोशिश करने और बृहस्पतिवार तक रिपोर्ट पेश करने को कहा ताकि अर्जी पर नियमित जमानत याचिका के साथ ही सुनवाई की जा सके। सीबीआई ने अब रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में कई दौर की पूछताछ के बाद 26 फरवरी को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 31 मार्च को निचली अदालत ने इस मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि सिसोदिया प्रथम दृष्टया इस मामले में आपराधिक साजिश के सूत्रधार थे और उन्होंने दिल्ली सरकार में अपने और अपने सहयोगियों के लिए लगभग 90-100 करोड़ रुपये की अग्रिम रिश्वत के कथित भुगतान से संबंधित आपराधिक साजिश में सबसे महत्वपूर्ण और प्रमुख भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

सिधवलिया थाने में नए थानाध्यक्ष ने किया योगदान

गोपालगंज। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर सिधवलिया थाना में थानाध्यक्ष के पद पर हरेराम कुमार ने योगदान कर लिया। उल्लेखनीय है कि कार्य में लापरवाही को लेकर एसपी स्वर्ण प्रभात के द्वारा सिधवलिया थानाध्यक्ष धनंजय कुमार निलंबित कर दिया गया था और कटेया थाने में पदस्थापित अवर निरीक्षक हरेराम कुमार को सिधवलिया थानाध्यक्ष के पद पर पदस्थापित किया गया था। पदस्थापना के बाद बुधवार को हरेराम कुमार ने सिधवलिया थाने में थानाध्यक्ष के पद पर योगदान दिया। योगदान के बाद थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में क्राइम कंट्रोल उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि शराब माफियाओं पर शिकंजा कसा जाएगा। पब्लिक की हर समस्या का ससमय निदान करना पहली प्राथमिकता होगी।

विजयीपुर के अधेड़ की सड़क दुर्घटना में मौत

गोपालगंज। जिले के विजयीपुर थाने के पगरा पंचायत के एक 60 वर्षीय अधेड़ की मौत कटेया थाना क्षेत्र के पानन महुअवा गांव के समीप सड़क हादसे में हो गयी। मृतक चैनपुर टोला गांव का रामाज्ञा राम बताया गया है। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि रामाज्ञा राम काम क तालाश में बुधवार की सुबह कटेया थाना क्षेत्र में पानन महुअवा जा रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची कटेया थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक रामाज्ञा राम की केवल चार पुत्रिया है जो उसके अंतिम संस्कार में जुट गयी है।

15 बोतल शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के भोरे थाने की पुलिस ने हुस्सेपुर बाजार में कार्रवाई कर 15 बोतल शराब जब्त करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को गिरफ्तार तस्कर को न्यायिक हिरासत में गोपालगंज भेज दिया गया। बताया जाता है कि थाने के अवर निरीक्षक संजीत कुमार सिंह पुलिस बल के साथ गश्ती पर थे, तभी सूचना मिली कि हुस्सेपुर बाजार में एक व्यक्ति अवैध शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर एक व्यक्ति हाथ में झोला लिए भागने लगा। जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। झोले की तलाशी लेने पर उसमें से 15 बोतल देसी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार धंधेबाज की पहचान थाना क्षेत्र के हुस्सेपुर बाजार के उमर अली के रूप में की गई है।

मारपीट की घटनाओं में चार लोग घायल

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में चार लोग घायल हो गए। घायलों में फैजुल्लाहपुर गांव की पूजा देवी, सिरसा पुराना टोला के राजू कुमार, महुआ गांव की कमलावती देवी व बामों गांव के राकेश कुमार शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

सर्पदंश की घटना में मासूम पीड़ित

गोपालगंज। जिले के महम्मदपुर थाने के बांसघाट मसूरिया गांव में मंगलवार की रात हुई सर्पदंश की घटना में 6 माह का मासूम बच्चा पीड़ित हो गया। पीड़ित दिपनेश कुमार को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने बच्चे की हालत खतरे से बाहर बतायी है।

ओवरलोडिंग के आरोप में ट्रक जब्त

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर प्रखंड के सत्तरघाट में खनन निरीक्षक अमित राज ने ओवरलोडिंग के आरोप में बालू लदी एक ट्रक पकड़ लिया। ट्रक पर सवार सीमावर्ती सारण जिले के कर्ण कुदरिया गांव के चंद्रशेखर कुमार को गिरफ्तार किया गया। खनन निरीक्षक ने थाने में ओवरलोडिंग के मामले में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कैंप में पांच महिलाओं का किया गया ऑपरेशन

गोपालगंज प्रातः किरण संवाददाता जिले के बैकुंठपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार की रात परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत आयोजित बंध्याकरण शिविर में पांच महिलाओं का ऑपरेशन किया गया। सीएचसी प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि सभी ऑपरेशन सर्जन डॉ पीयूष रंजन ने किया।

कल से शुरू होगा गोमतीनगर एक्सप्रेस का परिचालन

गोपालगंज। पूर्वोत्तर रेलवे थावे-मसरक रेलखंड पर गोमतीनगर एक्सप्रेस का परिचालन शुक्रवार से शुरू होगा। उक्त ट्रेन का परिचालन 14 अप्रैल से गोरखपुर जंक्शन के समीप चल रहे इंटरलॉकिंग कार्य को लेकर स्थगित किया गया था। परिचालन स्थगित होने से छपरा कचहरी से गोमतीनगर तक यात्रा करने वाले लोगों को परेशानी हो रही थी।

थावे में मुखिया पद के तीन प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव की नामांकन प्रक्रिया बुधवार को शुरू हो गयी। नामांकन के पहले दिन थावे प्रखंड के फुलुगनी पंचायत से मुखिया पद के तीन प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जिसमें लोहरपट्टी गांव के अरशद अली, अजय कुमार मांझी व फुलुगनी गांव के अतुल कुमार सिंह ने अपना नामांकन दाखिल किया। प्रत्याशियों ने थावे के निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ मनीष कुमार सिंह के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बता दे कि थावे प्रखंड में मुखिया के दो, वार्ड सदस्य के एक और ग्राम कचहरी सरपंच के दो पदों पर चुनाव होना है। जिसको लेकर नामांकन का कार्य चल रहा है।

पंचायत उप चुनाव के नामांकन का कार्य आगामी नौ मई तक चलेगा। पंचायत उप चुनाव में पंचायत प्रतिनिधियों के रिक्त 125 पदों पर चुनाव होना है। चुनाव को लेकर सभी 14 प्रखंडों में नामांकन चल रहा है। पहले दिन थावे प्रखंड मुख्यालय को छोड़कर अन्य किसी भी प्रखंड में नामांकन दाखिल नहीं हुआ। 13 प्रखंडों में निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ नामांकन करने वाले प्रत्याशियों का इंतजार करते रहे, लेकिन एक भी प्रत्याशी नामांकन करने नहीं पहुचे। नामांकन के इंतजार में निवार्ची पदाधिकारी शाम चार बजे तक अपने कार्यालय कक्ष में ही जमें रहे। जिला पंचायत राज पदाधिकारी अनंत कुमार ने बताया कि जिन पंचायतों में पंचायत प्रतिनिधियों के पद रिक्त हुआ है, उन पंचायतों में उप चुनाव कराये जायेगे। गोपालगंज के 230 पंचायतों में पंचायत प्रतिनिधियों की हत्या, निधन, त्याग पत्र सहित विभिन्न कारणों से पद रिक्त हुआ है, उन पदों पर आगामी 25 मई को मतदान होगा। जिसमें ग्राम पंचायत के मुखिया, ग्राम कचहरी के सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य और ग्राम कचहरी पंच भी शामिल है।

कुचायकोट में सर्वाधिक 24 पदों पर होना है मतदानः प्रखंड में त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के 24 पदों पर मतदान होना है। जिसमें बीडीसी सदस्य से लेकर ग्राम कचहरी सरपंच, वार्ड सदस्य एवं कचहरी पंच तक के पद शामिल है। नामांकन को लेकर सहायक निवार्ची पदाधिकारी ब्रजेश कुमार मौर्य, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी मुन्ना कुमार सहित युगल किशोर पांडेय, बाल्मिकी प्रसाद, सुमित कुमार, विजय शंकर प्रधान आदि कर्मी जमे रहे, लेकिन एक भी प्रत्याशी नामांकन करने नहीं पहुंचे।

125 पदों पर होगा चुनावः पंचायत उप चुनाव में गोपालगंज के 14 प्रखंडों में 125 पंचायत प्रतिनिधियों के पदों पर चुनाव होगा। जिसमें मुखिया के तीन, बीडीसी के तीन, सरपंच के तीन, वार्ड सदस्य के 19, ग्राम कचहरी पंच के 98 सहित कुल 125 पद शामिल है।

मौजूदा हालात को लेकर ग्रामीण चिकित्सकों ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के भोरे प्रखंड के निजी कार्यालय में जदयू चिकित्सा प्रकोष्ठ की मासिक बैठक आयोजित हुई। जिसमें जिले के सभी प्रखंडों से ग्रामीण चिकित्सकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर चिकित्सकों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ उपेंद्र सिंह एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विनोद श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार से अपनी मांगें पूरी करवाने के लिए संगठन को मजबूत करना होगा। साथ ही ग्रामीण चिकित्सकों को आपसी मतभेद मिटाकर सामंजस्य स्थापित करना होगा। दोनों पदाधिकारियों को चिकित्सकों को आश्वासन दिया कि सरकार से वार्ता हो रही है। बहुत जल्द ही ग्रामीण चिकित्सकों के मौजूदा हालात और भविष्य की राजनीति को लेकर प्रदेश कोर कमेटी प्रदेश स्तरीय बैठक में सेवा नियोजन प्रशिक्षण जैसे ज्वलंत मुद्दों को चिकित्सकों ने गर्मजोशी से चर्चा की।

26 अप्रैल को पटना में ग्रामीण चिकित्सा सेवा समिति की बैठक में जदयू चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर एलबी सिंह एवं ग्रामीण चिकित्सा सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर श्रीनिवास सिंह ने संयुक्त रूप से प्रदेश के चिकित्सकों को खुशखबरी देते हुए घोषणा कर कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस के अवसर पर एक जुलाई को पटना के बापू सभागार में स्वास्थ्य समागम का आयोजन होगा। यह सुखद पल ग्रामीण चिकित्सकों के लिए ऐतिहासिक होगा। दोनों नेताओं ने आश्वस्त किया कि सरकार आप सबके साथ है। आप सभी के रुके हुए कार्यों को मुक्त किया जाएगा। मौके पर डॉ प्रमोद मिश्रा, राकेश मिश्रा, डॉ अरुण द्विवेदी, डॉ एके श्रीवास्तवा आदि मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह में एक दूजे के हुए नौ जोड़े, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न करायी गयी शादी

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के भोरे थाना क्षेत्र के लामीचैर बाजार में समाज सेवा संस्थान से संबद्ध जीवन ज्योति वैवाहिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में बुधवार को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नौ जोड़ों की शादी संपन्न करायी गयी। जहां बिहार के गोपालगंज और सीवान जिलों के अलावे यूपी के देवरिया से शादी के बंधन में बंधने के लिये वर-वधू परिजनों के साथ पहुंचे थे। इस कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची थीं।

क्षेत्र के गणमान्य लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए। पांच हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की गयी थी। नौ दूल्हे बरात लेकर पहुंचे थे। बरात में हाथी घोड़े, गाजे बाजे के साथ वहां पहुंचे बरातियों का स्वागत किया गया। सबसे पहले तिलक का कार्यक्रम हुआ। उसके बाद महिलाओं के मंगल गीत के बीच द्वार पूजा की रस्म अदा की गयी। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी नौ जोड़े वैवाहिक बंधन में बंध गये। विवाह को देखने आये लोगों ने जो उपहार दिये उसे वर वधू को दिया गया। कार्यक्रम में गोपालगंज जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के खलवा टोला के पवन कुमार राम की देवरिया के पिपरा दक्षिण पट्टी की काजल कुमारी के साथ, देवरिया के रहीमपुर के बबलू कुमार राजभर की गोपालगंज के डुमरौना गांव की रिता कुमारी से, देवरिया के परसिया छितनी सिंह के विजय कुमार यादव की सिवान के कबीरपुर की कुसुम कुमारी से, सिवान की मोहिउद्दीनपुर के मंटू कुमार राम की देवरिया के भोपतपुरा की प्रीति से, देवरिया के जंगल भुसऊल के धीरज राजभर की देवरिया के बभनौली खुर्द की पूजा कुमारी से, गोपालगंज के रामनगर के राजकुमार राम की गोपालगंज की सुल्तानपुर के सीता कुमारी से, सिवान के फरहुआ बिशुनपुरा के अर्जुन चैहान की सिवान की इमलौली के सांसा कुमारी से, भोरे के बनिया छापर के लक्ष्मण राम की गोपालगंज के बनकटिया की गुड़िया कुमारी से, गोपालगंज के साहेबलाल चैहान की हथुआ के सेमराव की नीतू कुमारी के साथ शादी संपन्न हुई। इस विवाह में आचार्य की भूमिका पं। प्रदीप कुमार तिवारी, जगदीश मिश्र और राजेश उपाध्याय ने निभाई। मंच का संचालन बीके सिंह ने किया। मौके पर बीडीओ डॉ संजय कुमार राय, सीओ चंद्रभानु कुमार, सत्येंद्र सिंह, संजय सिंह लारा, लामीचैर के पूर्व मुखिया ऋषिदेव पांडेय, मोहन कुमार सिंह, अवध बिहारी सिंह, रविंद्र पटेल, शिवनाथ भगत, अजय कुमार सिंह, मेघनाथ चैरसिया, ब्रांच मैनेजर धनंजय कुमार आदि लोग मौजूद थे।

आपसी विवाद में चाकूबाजी 3 गंभीर रूप से घायल

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के बरौली थाना क्षेत्र के बलुआ टोला गांव में बुधवार को आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुयी चाकूबाजी में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगो की मदद से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया जहां तीनों का इलाज डॉक्टरों के देखरेख में चल रहा है। घायलों में नौशाद अहमद, राजा हुसैन और अली इमाम बताये गये हैं। बताया जाता है कि बलुआ टोला गांव में दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। इस बीच तीसरा पक्ष बीच बचाव करने पहुंचा, लेकिन राज हुसैन और नौशाद आपस में भिड़ गए और तू तू मैं मैं होने लगी। देखते ही देखते राजा हुसैन और नौसाद अहमद में मारपीट होने लगी। इसी बीच एक दूसरे पर चाकू से वार कर दिया गया चाकूबाजी की घटना में एक पक्ष से राजा हुसैन और अली इमाम तो दूसरे पक्ष से नौशाद आलम गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को तत्काल इलाज के लिए बरौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां तीनों का इमरजेंसी वार्ड में इलाज चल रहा है।

डीपीओ ने अनाधिकृत रूप से किया प्रतिनियोजन, डीइओ ने किया रद्द

डीइओ की जांच में हुआ खुलासा, अब चल रही कार्रवाई की तैयारी

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

शिक्षा विभाग के डीपीओ योजना एवं लेखा के द्वारा 20 शिक्षकों का प्रतिनियोजन अनाधिकृत रुप से किया गया है। इसका खुलासा तब हुआ, जब डीइओ राज कुमार शर्मा ने डीपीओ योजना एवं लेखा कार्यालय के निर्गत पंजी की जांच की। उन्होने जांच के क्रम में पाया कि गत दो माह के अंदर डीपीओ योजना एवं लेखा के द्वारा अनाधिकृत रूप से प्रतिनियोजन किया गया है। उन्होने सभी प्रतिनियोजन को तत्काल प्रभाव से समाप्त करते हुए सभी शिक्षको को मूल विद्यालय में योगदान देने का निर्देश दिया है। शिक्षको का प्रतिनियोजन शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कार्यो में किया गया है। जो डीपीओ के कार्य एवं दायित्व के प्रतिकूल है। मूल विद्यालय में योगदान नहीं करने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की जायेगी। इतना ही नहीं उन्होने डीपीओ योजना एवं लेखा को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी प्रतिनियोजित शिक्षकों की संचिका चार मई 23 को 11 बजे पूर्वाहन तक डीइओ के समक्ष उपस्थापित करें, ताकि इस अनाधिकृत प्रतिनियोजन को लेकर निर्णय लिया जा सके। डीइओ के इस सख्त आदेश से शिक्षा विभाग में हडकंप मचा हुआ है। अधिकारिक सूत्रों की माने तो ऐसे अनाधिकृत प्रतिनियोजन का खेल अन्य संभाग में भी है, जहां से प्रतिनियोजन कराकर शिक्षक फरार रहते है। उन संभागों की जांच से भी हकिकत खुलकर सामने आयेगा।

इन शिक्षकों का हुआ था प्रतिनियोजनः यूएमएस सुपौली की शिक्षिका कुमारी ममता, श्वेता कुमारी, यूएमएस कहला बरौली के शिक्षक प्रशांत कुमार, विनीता कुमारी, प्रतिभा, प्रिया कुमारी, यूएमएस चमनपुरा अशोक कुमार, मध्य विद्यालय कोन्हवां विनीता कुमारी, कुमारी प्रतिमा, रुखसाना खातुन, यूएमएस मटियारी ललित कुमार, यूएमएस गंधुआ रीता कुमारी, नीलू राय,जागृत चैधरी, यूएमएस बरवां पंचदेवरी की शिक्षिका शीला पांडेय का प्रतिनियोजन हुआ था। जिसे डीइओ के द्वारा रद्द कर दिया गया है।

दिघवा दुबौली रेल परिसर में अतिक्रमणकारियों पर चला बुलडोजर

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

पूर्वोत्तर रेलवे के थावे-मसरक रेलखंड के दिघवा दुबौली रेल परिसर से बुधवार को अतिक्रमण हटाया गया। रेल परिसर की जमीन पर अनाधिकृत रूप से कब्जा करने वाले लोगों को रेल प्रशासन ने सूचना देते हुए एक सप्ताह के अंदर अतिक्रमण हटाने के लिए समय सीमा निर्धारित किया था। निर्धारित अवधि के अंदर अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर रेल प्रशासन ने बल पूर्वक अतिक्रमण हटाया। अभियान के तहत 65 दुकानें व झुग्गी-झोपड़ी हटायी गयी। फुटपाथ की दुकान होटल चाय-पान सहित अन्य दुकानें रेल प्रशासन ने हटायी। अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर कई दुकानें मलबे में तब्दील हो गयी। अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार, रेलखंड के पीडब्लुआई राकेश राव, आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर एएस खान, जीआरपी के सब इंस्पेक्टर विनय कुमार पांडेय व थानाध्यक्ष धनंजय राय के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। अतिक्रमण के विरुद्ध चलाए गए अभियान से दिघवा दुबौली बाजार के स्टेशन रोड, ब्लॉक रोड व खादी भंडार रोड में पूरे दिन अफरा-तफरी मची रही। रेल प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर यह कार्रवाई की गयी है। अभियान के तहत जेसीबी सहित अन्य उपकरण का भी सहयोग लिया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बैकुंठपुर थाने पर वज्रवाहन व एडिशनल फोर्स भी तैनात किए गए थे। अतिक्रमण हटने के बाद कई परिवारों के समक्ष रोजी-रोटी की समस्या गंभीर हो गयी है। लगन के समय में इन दिनों दो-चार पैसे कमाने का समय था।

कारोबारियों के समक्ष अब दो रोटी को लाले पड़ने लगी है

युवक की मौत मामले में 10 लोगों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के बैकुंठपुर थाने के कतालपुर गांव में संदिग्ध स्थिति में 30 वर्षीय युवक सुरेश पुरी की हुई मौत के मामले में बुधवार को बैकुंठपुर थाने में हत्या की प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। प्राथमिकी मृत युवक की पत्नी पुनीता देवी ने दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में पुनीता देवी ने कहा है कि वह तीन लाख रुपये अपनी ननद के पास जमा करने के लिए दी थी। ननद शिला देवी अपने मायके आयी थी। दौरान पुनीता ने अपने रुपए वापस करने के लिए कहा। इसी बात को लेकर घर में विवाद शुरू हो गया। पुनीता को एक कमरे में बंद कर दिया गया। उसके बाद उसके गायब होने की अफवाह फैला दी गयी। पुनीता के पिता ने 29 अप्रैल को थाने में अपनी बेटी के गायब होने से संबंधित सूचना दी गयी थी। उसके बाद पुनीता अपने पिता के साथ मायके चली गयी। इस बीच ससुराल वालों ने एकराय होकर साजिश के तहत उसके पति सुरेश पुरी की हत्या कर दी। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को जला दिया। पुनीता को जब इस घटना के बारे में जानकारी मिली तो उसने थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में 10 लोगों को नामजद किया गया है। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार राय ने बताया कि दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी गयी है।

पेड़ पर चढ़े युवक की करंट लगने से मौत

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के मांझागढ़ थाना क्षेत्र के देवापुर भटवा टोला गांव में बुधवार को पेड़ पर चढ़ कर सहजन तोड़ रहे एक युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक थावे थाना क्षेत्र के कविलासपुर गांव का मुन्ना राम बताया गया है। बताया जाता है कि मृतक मुन्ना राम बुधवार को माझा थाना क्षेत्र के देवापुर भटवा टोला गांव में सहजन के पेड़ पर सहजन तोड़ने की कोशिश कर रहा था। इसी बीच सहजन के पेड़ से गुजर रहे हाई वोल्टेज ताकर की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंच गए। इस दौरान आक्रोशित परिजनों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक दो बच्चों का पिता था। युवक की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

छपरा में आभूषण व्यवसायी की हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । छपरा के रिविलगंज गंज थाना क्षेत्र के रिविलगंज गांव में अपराधियों ने आभूषण व्यवसायी की धारदार हथियार से हत्या करने का मामल प्रकाश में आया है । मृतक रिविलगंज गंज थाना क्षेत्र के रिवीलगंज बाजार निवासी स्वर्गीय रामसकल प्रसाद के 55 वर्षीय पुत्र जयप्रकाश प्रसाद बताए जाते है।

घटना के संबंध मै बताया जता है कि एक शादी समारोह में शमिल होने के लिए गांव से बाहर गाए हुए थे। घर के बाहरी हिस्से में जे पी ज्वेलर्स के नाम से ज्वेलरी दुकान का संचालन करते थे। घर के सभी लोगों के जानें के मृतक घर पर अकेले थे इसी दौरान अपराधियो ने तेज धारदार हथियार से आभुषण व्यावसाई की हत्या कर दी। बुध की सुबह मै समारोह से वापस आने पर घर में कदम रखते ही सभी लोगो के पैर तले से जमीन खिसक गई। घर के अंदर मृतक का शव खून से लत पथ पड़ा हुआ था। हत्या की सूचना मिलते हैं मौके पर रिविलगंज थाना अध्यक्ष दल बल के साथ पहुंचे और छानबीन प्रारंभ किया. वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा गया है। इस घटना के संबंध में बताया जाता है कि जयप्रकाश के रिश्तेदारी में शादी थी. जिसको लेकर परिवार के सभी सदस्य बीते दिन हाजीपुर शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे।आज कुछ देर पहले जैसे ही वे लोग घर लौटे और घर के अंदर कदम रखा तो देखा कि जयप्रकाश लहुलुहान मृत पड़े हुए हैं।

जिला पुलिस ने विशेष अभियान चलाया

छपरा ।अप्रैल माह में विशेष अभियान चलाकर जिला पुलिस ने हत्या ,डकैती ,लूट ,रेप जैसे संगीन कांडों में संलिप्त 1000से अधिक अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी एसपी डा .गौरव कुमार मंगला ने दी। उन्होंने बताया कि पूरे जिला में पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर संगीन कांडों में संलिप्त और फरार चल रहे 1000से अधिक अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का रिकार्ड बनाया है। उन्होंने बताया कि पूरे जिले से 1241अभियुक्त गिरफ्तार किये जा चुके हैं। जिसमें से हत्या कांड में 17,हत्या के प्रयास में 84,रेप कांड में 04,डकैती एवं लूट कांड में शामिल 37,२/२३ कांड में 33,शराब कांड में 550,वारंट में 233सहित विभिन्न कांडों में शामिल 283अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अप्रैल माह में लगभग 1100लीटर देशी एवं विदेशी शराब को जब्त किया गया है। 2359 वारंट का निष्पादन किया गया तथा वाहन चेकिंग अभियान में 294500रुपये की वसूली की गई।

समस्याओं को किया जा रहा है अध्ययन, प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा निपटारा ;नगर आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । नव पदस्थापित नगर आयुक्त सुमित कुमार ने बुधवार को मीडिया कर्मियों से मुखातिब होते हुए शहर के बारे में जानकारी हासिल कर प्राथमिकता के आधार पर उन्हें निष्पादन करने का आश्वासन दिया। बता दे कि नगर आयुक्त का हाल ही पदस्थापन हुआ है, नगर आयुक्त ने पहली बार नगर निगम के सभागार मेंआयोजित मीडिया से संवाद में उनसे परिचय जाना और शहर की ज्वलंत समस्याओं के विषय में जानकारी हासिल किया। संवाद कार्यक्रम में मीडिया कर्मियों ने नगर आयुक्त सुमित कुमार को शहर की ज्वलंत समस्याओं से उन्हें विस्तार से समझाया और कहा कि शहर में अतिक्रमण,वाहन पार्किंग, जलजमाव की समस्या, नियमित कचरा उठाओ की समस्या सहित दर्जनों से अधिक मुद्दे को सामने रखा और कहा कि जनहित के आलोक में इसे निपटारा करना अति आवश्यक है। पत्रकार मोहम्मद अयूब ने नगर आयुक्त के समक्ष वार्ड संख्या 39, 40 और 41 तीन वार्ड को जोड़ने वाला मार्ग लाला टोली मोहल्ला में कई वर्षो जूझ रहे जलजमाव की समस्या को रखा। पत्रकारों ने संवाद कार्यक्रम में शहर में बड़े पैमाने पर हो रहे अतिक्रमण, पार्किंग की समस्या, खुले में यूरिनल की समस्या तथा शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने की दिशा में नगर आयुक्त को सुझाव भी दिया।

पत्रकार शमशीर आलम ने किनारा निचली रोड पर जलजमाव और नाला अतिक्रमण की समस्या को रखा । जबकी पत्रकार का राजू जायसवाल ने शहर में संध्या में हो रहे सफाई व्यवस्था को समय में परिवर्तन करने का मामला उठाया, पत्रकार सुनील गुप्ता, सुमित कुमार, गोलू, संतोष गुप्ता सहित अन्य पत्रकारों ने भी शहर की समस्याओं से अवगत कराते हुए निष्पादन के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। नगर आयुक्त ने संवाद कार्यक्रम में पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने का आश्वासन दिया । उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि शहर में समस्याओं का अंबार है,समस्याओं का अध्ययन किया जा रहा है, एक बार में सभी समस्याओं का निपटारा करना संभव नहीं है। लेकिन ज्वलंत समस्याओं को निपटारा करना पहली प्राथमिकता होगी। परिचय सह संवाद कार्यक्रम में सिटी मैनेजर नीरज कुमार झा, निगम कर्मी सुधीर कुमार सहित अन्य कर्मी के अलावा बड़ी संख्या में प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और वेब पोर्टल के पत्रकार शामिल थे।

वार्ड समिति गठित अंकुर बने अध्यक्ष,भास्कर को मिली सचिव पद की जिम्मेवारी

छपरा ।श्री चित्रगुप्त समिति द्वारा वार्ड के गठन को लेकर गठित उपसमिति के संयोजक कमल किशोर सहाय एवं उप समिति के सदस्य डॉ विद्या भूषण श्रीवास्तव एवं प्रिंस राज की उपस्थिति में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 15 के समस्त चित्रांश बंधुओं की बैठक सुनील वर्मा के आवास(कोट देवी मंदिर के नजदीक,भगवान बाजार)पर हुई जिसकी अध्यक्षता अरुण कुमार श्रीवास्तव ने की। जिसमें विचारोपरांत श्री चित्रगुप्त समिति के वार्ड 15 के वार्ड समिति का गठन किया गया। संयोजक कमल किशोर सहाय ने बताया कि अंकुर श्रीवास्तव को अध्यक्ष, सुभाष चंद्र भास्कर को सचिव अनिल कुमार को कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गई वहीं समिति के सदस्य के रूप गणेश शंकर अस्थाना, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव अधिवक्ता, पवन किशोर,सौरभ कुमार श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव,अमित कुमार श्रीवास्तव,विकास कुमार को रखा गया है।

इस बैठक में वार्ड के चित्रांश बंधुओं अनिल कुमार वर्मा ,विकास कुमार वर्मा ,संजीव कुमार ,रविश कुमार श्रीवास्तव ,अरुण कुमार श्रीवास्तव ,राजेश श्रीवास्तव , राजीव श्रीवास्तव ,गुंजन वर्मा ,प्रेम कुमार वर्मा इत्यादि उपस्थित थे तथा सभी ने अपने अपने विचार को साझा किया। उप समिति के सदस्य प्रिंस राज ने बताया कि यह गठित वार्ड समिति सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यो के प्रति संकल्पित होकर अपने दायित्व का निर्वहन करेगी। जिसका परिणाम शीघ्र धरातल पर दिखने लगेगा। बताते चले कि श्री चित्रगुप्त समिति की आम सभा की बैठक में वार्ड गठन करने का निर्णय लिया गया था जिसके आलोक में गठित उपसमिति वार्ड समिति कार्यान्वयन कर रही है। इस बैठक में संयोजक कमल किशोर सहाय ने इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला जबकि कार्य समिति सदस्य ड़ॉ विद्या भूषण श्रीवास्तव ने श्री चित्रहुप्य समिति के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए चित्रांश बंधुओ के एकजुटता पर बल दिया तथा कहा कि हम किसी भी दृष्टिकोण से कम नही है।सामाजिक सरोकार इतनी मजबूत है कि हम सभी से आगे है।

जांच शिविर आयोजित

छपरा । इनरव्हील क्लब, छपरा ने जयप्रकाश विश्वविद्यालय में आयोजित रेड रिबन प्रतियोगिता सह जांच शिविर में डॉ राजीव रंजन के द्वारा एचआईवी का जांच 200 से अधिक छात्र-छात्राओं तथा अधिकारियों की गई । इस मौके पर कार्यक्रम का उद्घाटन जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया। वहीं इस नेक कार्य के लिए कुलपति ने इनरव्हील क्लब छपरा की अध्यक्ष अनीमा सिंह तथा डॉ राजीव रंजन को सम्मानित किया।

साथ ही, इस तरह के सामाजिक गतिविधि में जयप्रकाश विश्वविद्यालय को सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया।इनर व्हील क्लब ,छपरा के द्वारा जयप्रकाश विश्वविध्यालय के सीनेट हॉल में एचआईवी और एड्स के जागरूकता अभियान किया गया. जिसमें डॉ राजीव रंजन के द्वारा एचआईवी और एड्स के रोकथाम पर पी पी टी द्वारा लेक्चर दिया गया। इस कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब के तरफ से एच आई वी का फ्री में जाँच भी किया गया।इसमें 100 स्टूडेंट्स एवं विश्वविद्यालय के कुलपति , कुलसचिव के साथ और कर्मी मौजूद थे । इस कार्यक्रम में ऑनलाइनभी पूरे बिहार के विश्वविद्यालय के फैकल्टीज तथा स्टूडेण्ट्स जुड़े हुए थे। इस कार्यक्रम में इनर व्हील की अध्यक्ष अनिमा सिंह तथा डॉ राजीव रंजन को विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा प्रशस्

सम्पादकीय

पुराने एजेंडे का घोषणापत्र

जनसंघ के दौर से तीन बुनियादी मुद्दे रहे हैं-अयोध्या में राम मंदिर, अनुच्छेद 370 को समाप्त करना और समान नागरिक संहिता। पार्टी का रूपांतरण भाजपा के तौर पर हुआ, तो यह पुराना एजेंडा बरकरार रखा गया। अयोध्या में प्रभु राम का भव्य मंदिर आकार ले रहा है और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 संसद के जरिए समाप्त किया जा चुका है। हालांकि यह मामला अभी सर्वोच्च अदालत में विचाराधीन है। अब भाजपा समान नागरिक संहिता को लागू करने पर आमादा है। यानी एक देश, एक कानून। कर्नाटक के चुनाव घोषणा पत्र में भी इसे रखा गया है। भाजपा ने उत्तराखंड, हिमाचल, उप्र, मप्र, गुजरात और असम आदि राज्यों में समान नागरिक संहिता के संदर्भ में या तो कमेटी का गठन किया गया है अथवा कोई प्रस्ताव विचाराधीन है। हिमाचल को छोड़ कर शेष राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने भी इस मुद्दे पर आश्वासन दिया है, तो महाराष्ट्र के एक भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को, इसी संदर्भ में मांग करते हुए, पत्र लिखा है। दरअसल जब-जब चुनाव आते हैं, तो समान नागरिक संहिता का आश्वासन गरमाने लगता है।

अलबत्ता केंद्र में बीते 9 साल से भाजपा की मोदी सरकार कार्यरत है, लेकिन न तो विधि आयोग से यह मुद्दा पारित कराया गया, न आयोग की कोई अनुशंसा है और न ही राज्य सरकारों से परामर्श किया गया है। वैसे यह मामला समवर्ती सूची में है। केंद्र और राज्य सरकारें अपने स्तर पर इसे लागू कर सकती हैं। सर्वोच्च अदालत भी इसे लागू करने की बात कह चुकी है। अब एक टीवी साक्षात्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ कहा है कि हम बिल ला सकते हैं। बहरहाल उसके लिए संसद सत्र का इंतजार करना पड़ेगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव तक समान नागरिक संहिता को गरमाए रखेगी। फिर चुनाव के बाद देखा जाएगा। कर्नाटक में समान नागरिक संहिता के साथ-साथ भाजपा ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की भी घोषणा की है।

आश्चर्य है कि दक्षिण के किसी भी राज्य का अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर नहीं है, तो अवैध घुसपैठियों या प्रवासियों की पहचान के लिए कर्नाटक में एनआरसी लागू करने की घोषणा क्यों की गई है? यह बेहद विवादास्पद और मुसलमानों में भय पैदा करने वाली घोषणा है। असम के स्तर पर इसका प्रयोग किया जा चुका है। उसमें कई विरोधाभास और विसंगतियां सामने आई थीं। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा। समान नागरिक संहिता और एनआरसी के जरिए और अन्य घोषणाओं के तहत भाजपा ने कर्नाटक में भी हिन्दुत्व पर फोकस रखा है। पार्टी ने 2500 करोड़ रुपए से 5 सर्किट बनाने का वायदा किया है-परशुराम के 3 सर्किट, गंगापुरा सर्किट और कावेरी सर्किट। इनके अलावा, गोवध प्रतिबंध कानून और जबरन धर्मांतरण कानून को अधिक सख्त बनाने की भी घोषणा की गई है। भाजपा ने मंदिर अर्थव्यवस्था की सोच के तहत मंदिरवादी लोगों की अपेक्षाओं और मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है। मंदिर परिसरों में या उनके बाहर मुसलमानों के कारोबार और त्योहारों के दौरान दुकानें स्थापित करने पर पाबंदी लगाई जाए, कर्नाटक के मंदिरवादी हिन्दुओं की यह मांग तो पूरी तरह ह्यअसंवैधानिकह्ल है। अभी हमने मुफ्तखोरी की रेवड़ियों पर टिप्पणी नहीं की है, क्योंकि उस ह्यहम्मामह्ल में सभी दल नंगे हैं। भाजपा, कांग्रेस और जद-एस सभी ने चुनाव में रेवड़ियां बांटने की घोषणाएं की हैं। बेशक वे जन-कल्याण का दावा करें, लेकिन वे रेवड़ियां ही हैं। दक्षिण के राज्यों की तुलना में कर्नाटक में मानव विकास सूचकांक-स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण आदि-पिछड़ा हुआ है। उसके बावजूद रेवड़ियों की राजनीति की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी चुनावी जनसभाओं में या अन्य मंचों पर इस मुद्दे पर चिंता लगातार व्यक्त करते रहे हैं। उनका आकलन है कि राज्यों पर जिस तरह कर्ज के बोझ बढ़ रहे हैं, उससे देश की समूची अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। लेकिन रेवड़ियां बांटी जा रही हैं अथवा हिन्दुत्व, मुस्लिम आरक्षण, निजी क्षेत्र में भी आरक्षण, स्कूटी, साईकिल, नकदी, किसानों के लिए 30, 000 करोड़ रुपए का फंड आदि के सुनहरी जुमले परोसे जा रहे हैं। यह कैसी है सियासतह्व? सभी दल मुफ्त की रेवड़ियों के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं। विकास का यह कोई उचित मॉडल नहीं है।

बजरंगी पालटिक्स के अक्श

राकेश अचल

मुझे नहीं पता कि हमारे रामसेवक बजरंगबली ने कभी कोई संगठन या दल बनाया था। उनके जमाने में दलों के पंजीयन की कोई व्यवस्था थी या नहीं ये भी कोई नहीं जानता, लेकिन कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने बजरंगबली और बजरंग दल को एक कर दिया है। कांग्रेस ने बजरंगदल पर पाबंदी का वादा कर भाजपा को ऐसा करने के लिए मजबूर किया है, क्योंकि भाजपा की सारी राजनीति का आधार ये हवा-हवाई संगत ही हैं। देश का दुर्भाग्य है कि यहां की राजनीति लगातार प्रगतिशील होने के बजाय प्रतिगामी होती जा रही है। देश की राजनीति में 1980 में जन्मी भाजपा ने पहले भगवान राम को राजनीति के लिए औजार बनाया और आज जब राम के नाम पर वोट मिलना बंद होने वाले हैं तब उनके सेवक हनुमान को अपना औजार बना लिया है। देश के प्रधानमंत्री जी तक कह रहे हैं कि कांग्रेस ने हनुमान जी को जेल में बंद कर दिया है। माननीय प्रधानमंत्री जी का मै दिल से सम्मान करता हूँ क्योंकि जितने विनोद की बातें वे करते हैं अब तक के किसी प्रधानमंत्री के मुंह से मैंने नहीं सुनी। लेकिन प्रधानमंत्री जी जब खुद इस विनोद को महाविनोद में बदलते हैं तो मुझे हैरानी होती है। बकौल कांग्रेस इस देश की महाभ्रष्ट और देशद्रोही पार्टी है, इसलिए इसे देश से समूल नष्ट कर देना चाहिए। अगर आप कर सकते हैं तो जरूर ऐसा कीजिये। लेकिन ऐसा करने के लिए राम या हनुमान का इस्तेमाल बिल्कुल मत कीजिये। ये इन दोनों महान प्रतीकों के साथ अन्याय है। राम लोगों के दिलों में हैं और हनुमान भी। वे न भाजपाई हैं और न कांग्रेसी। वामपंथियों और समाजवादियों ने भी उन्हें अपनी पार्टी में शामिल नहीं किया है। बसपा, सपा और अन्य दलित-आदिवासी राजनीतिक दलों के लिए भी राम और हनुमान राजनीतिक हथियार नहीं हैं। इन दोनों का पेटेंट केवल और केवल भाजपा के पास है, क्योंकि भाजपा ही है जो राम के लिए मंदिर और शिव के लिए कॉरिडोर या लोक बनाने का अहसान करती है। आपको याद ही है कि कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनावकि लिए मतदान होना है। सोमवार को भाजपा ने अपना घोषणापत्र जारी किया, उसके एक दिन बाद मंगलवार को बेंगलुरु में कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में सत्ता में आने के एक साल के भीतर भाजपा सरकार द्वारा पारित सभी अन्यायपूर्ण कानूनों और जनविरोधी कानूनों को निरस्त करने का वादा किया और बजरंग दल और पीएफआई समेत नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया है।

भाजपा भी चाहे तो अपने घोषणा पात्र में कह सकती है कि कांग्रेस को वो ऐसा करने नहीं देगी, लेकिन भाजपा ने ऐसा नहीं कहा। भाजपा ने इस पूरे मसले को हनुमानजी से जोड़कर कांग्रेस पर हमला बोल दिया है। मंगलवार को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा में निशाना साधा और और कहा कि ये दुर्भाग्य है कि कांग्रेस ने हनुमानजी को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया था। प्रधानमंत्री चुनावों में अपनी सरकार की उपलब्धियों को लेकर बोलने से कतराते हैं किन्तु उन्हें राम और हनुमान कि बहाने भाषण देने में बहुत मजा आता है, क्योंकि उनके लिए राजनीति जनसेवा का नहीं मजा लेने का माध्यम है शायद। कर्नाटक में सत्ता का नया टीपू सुलतान कौन होगा, ये कहना अभी से उचित नहीं किन्तु हमारे सामने उदाहरण है कि भाजपा ने बीते सालों में बंगाल कि चुनाव कि दौरान राम और हनुमान को अपनी चुनावी रैलियों में पैदल चलवाने की जुर्रत कर दिखाई थी, लेकिन वहां न राम ने भाजपा की मदद की और न हनुमान ने। ये दोनों इंसान को इंसान बनाने में तो मदद कर सकते हैं। मयार्दा और सेवा का सबक तो सिखा सकते हैं किन्तु सियासत कि लिए अपने इस्तेमाल से कभी खुश नहीं हो सकते। नहीं हुए भी। ये अलग बात है कि अयोध्या में राम मंदिर कि नाम पर भाजपा सत्ता कि साथ बहुत कुछ हासिल करने में कामयाब हुई। बात प्रधानमंत्री जी की हो रही है। प्रधानमंत्री जी ठीक वैसे ही कभी गलत नहीं हो सकते जैसे की राजा कभी गलत नहीं होता। भारतीय संस्कृति में राजा और लोकतंत्र में प्रधानमंत्री भगवान विष्णु का अवतार होते हैं। इस बात को कोई खुलकर कहता है और कोई नहीं कहता। भाजपा में प्रधानमंत्री जी को अवतार कहने में कभी कोई संकोच नहीं बरता जाता। बरतना भी नहीं चाहिए। सबकी अपनी-अपनी मान्यताएं हैं। उनका सम्मान किया जाना चाहिए लेकिन सबको अपने राम और हनुमान को राजनीति में इस्तेमाल का विरोध भी करना चाहिए। क्योंकि ये काम जिसका है वो इसे कर नहीं सकता। चुनावोने में किसी देवी-देवता के नाम का इस्तेमाल कानूनन वर्जित है। ये वर्जना केंद्रीय चुनाव आयोग की और से है।

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस: एक बहुमूल्य रत्न !

इसके माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकारों, विभिन्न आधिकारिक एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सहकारी समितियों ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख ऑनलाइन लेनदेन के जरिए दो लाख करोड़ रुपये (24 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकारों, विभिन्न आधिकारिक एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सहकारी समितियों ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख ऑनलाइन लेनदेन के जरिए दो लाख करोड़ रुपये (24 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद की। यह समावेशी विकास, पारदर्शिता, दक्षता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की वचनबद्धता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है। जीईएम सही अर्थों में एक रत्न है। इसने पुराने पड़ चुके आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय (डीजीएसएंडडी) का स्थान लिया है। उचित रूप से, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के नए कार्यालय भवन, वाणिज्य भवन, का निर्माण उस भूमि पर किया गया है जहां कभी डीजीएसएंडडी हुआ करता था।

पीयूष गोयल
स्वतंत्र लेखक

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। इसके माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकारों, विभिन्न आधिकारिक एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सहकारी समितियों ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख ऑनलाइन लेनदेन के जरिए दो लाख करोड़ रुपये (24 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद की। यह समावेशी विकास, पारदर्शिता, दक्षता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की वचनबद्धता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है।

जीईएम सही अर्थों में एक रत्न है। इसने पुराने पड़ चुके आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय (डीजीएसएंडडी) का स्थान लिया है। उचित रूप से, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के नए कार्यालय भवन, वाणिज्य भवन, का निर्माण उस भूमि पर किया गया है जहां कभी डीजीएसएंडडी हुआ करता था। इस भवन के शिलान्यास समारोह में, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सही ही कहा थाः अब 100 साल से अधिक पुराने इस संगठन को बंद कर दिया गया है और इसके स्थान पर डिजिटल तकनीक पर आधारित एक नए निकाय - गवर्नमेंट-ई-मार्केटप्लेस झ्र को लाया गया है। जीईएम ने सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुओं की खरीद के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है।

अगस्त 2016 में स्थापित होने के बाद से, जीईएम के कामकाज में असाधारण प्रगति हुई है। इस पोर्टल पर होने वाले लेनदेन का कुल मूल्य 2022-23 में लगभग दोगुना होकर पिछले वित्तीय वर्ष में 1.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय वर्ष 2016-17 में 422 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ इसकी अनूठी यात्रा शुरू हुई थी। इस पोर्टल का शुभारंभ वस्तुओं एवं सेवाओं की सार्वजनिक खरीद को प्रधानमंत्री के न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के मिशन और सरकारी प्रणालियों को ईमानदार, प्रभावी और सभी के लिए सुलभ बनाने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की उनकी रणनीति के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से किया गया था।

जीईएम की प्रतिस्पर्धी बोली जैसी पारदर्शी कार्यप्रणालियों ने सरकारी विभागों एवं उपक्रमों को करदाताओं के लगभग 40,000 करोड़ रुपये बचाने में मदद की है। इस तरह की पहलों ने मोदी सरकार को राजकोषीय स्थिति से समझौता किए बिना कल्याणकारी कार्यों पर होने वाले व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि करने में मदद की है। कई अर्थों में, जीईएम लोगों द्वारा प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पक्ष में जबरदस्त मतदान किए जाने के बाद से शासन-प्रशासन में लाए गए बदलावों का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। लोग पिछली सरकार से तंग आ चुके थे, जो हमेशा भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रहती थी। उस सरकार के कई मंत्रियों के लिए तो विभिन्न अखबारों के मुख्य पृष्ठों पर छपने वाली शर्म और लांछन की रोज की खुराक ही उनकी जीवनशैली का एक आधार थी। इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व वृद्धि से कहीं अधिक है और यह अपने-आप में ई-कॉमर्स की किसी भी बड़ी कंपनी को ईर्ष्या से भर देने के लिए काफी है। इस नई प्रणाली ने सदियों पुरानी उन प्रक्रियाओं की जगह ली है जो अक्षमताओं और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थीं। सरकारी खरीद अपारदर्शी, काफी समय लेने वाली, बोझिल और भ्रष्टाचार एवं निमार्ताओं की गुटबंदी (काटेर्लाइजेशन) में लिप्त हुआ करती थी। केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोग ही प्रवेश संबंधी विशाल बाधाओं को पार कर पाते थे। खरीदारों के पास विशेषाधिकार प्राप्त और अक्सर बेईमान आपूर्तिकताओं से ऊंची एवं बिना मोल-भाव वाली कीमतों पर घटिया सामान खरीदने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। जबकि संभावित विक्रेताओं को सूचीबद्ध होने और फिर समय पर भुगतान पाने के लिए पूरी तरह से सुविधा प्रदान करने वाली एजेंसी की दया पर निर्भर रहना होता था और दर-दर भटकना पड़ता था। इसके उलट, इस प्रौद्योगिकी-संचालित प्लेटफॉर्म के जरिए विक्रेता पंजीकरण, ऑर्डर देने और भुगतान की प्रकिया में शायद ही कोई मानवीय हस्तक्षेप शामिल होता है। हर कदम पर खरीदार, उसके संगठन के प्रमुख, भुगतान करने वाले अधिकारियों और विक्रेताओं को एसएमएस और ई-मेल के जरिए सूचनाएं दीं जाती हैं।

कागजरहित, नकदरहित और फेसलेस जीईएम की यह प्रणाली खरीदारों को असंख्य विक्रेताओं से सीधे प्रतिस्पर्धी दरों पर वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद करने की आजादी देता है। यह नई प्रतिस्पर्धी प्रणाली प्रधानमंत्री श्री मोदी की डिजिटल इंडिया की पहल पर आधारित क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला एक और कदम है। इसने सार्वजनिक खरीद के तौर-तरीकों को बदल दिया है और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और छोटे व्यापारियों के लिए लोकप्रिय सरकारी आर्डर हासिल करना संभव बनाया है।

ठोस आंकड़े और तीसरे-पक्ष द्वारा किए गए व्यावहारिक विश्लेषण जीईएम की सफलता की पुष्टि करते हैं। विश्व बैंक और आईआईएम लखनऊ द्वारा किए गए एक स्वतंत्र अध्ययन में औसत मूल्य से औसतन 10 प्रतिशत की बचत का अनुमान लगाया गया है। विश्व बैंक का कहना है कि प्रत्येक नए बोलीदाता के जुड़ने से बचत में 0.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के एक अध्ययन से यह पता चला है कि 2021-22 में वार्षिक लागत बचत 8 प्रतिशत -11 प्रतिशत के दायरे में थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सही ही जीईएम के उद्देश्य को न्यूनतम मूल्य और अधिकतम आसानी, दक्षता व पारदर्शिता के रूप में अभिव्यक्त किया है। इस पोर्टल पर 32 लाख से अधिक सूचीबद्ध उत्पादों के साथ 11,500 से अधिक उत्पाद श्रेणियां उपलब्ध हैं। इनमें 280 से अधिक श्रेणियां सेवा क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं और ये 2.8 लाख से अधिक सेवा संबंधी पेशकश करती हैं। जीईएम 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संस्थानों की खरीद संबंधी विविध जरूरतों को पूरा कर रहा है। इन संस्थानों ने सभी खरीदारों और विक्रेताओं को समान अवसर देने वाले जीईएम की मदद से लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बचत की है। मूल्य की दृष्टि से अगर देखें, तो विभिन्न राज्यों की ओर से लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर सूक्ष्म और लघु उद्यमों को दिए गए हैं। विभिन्न राज्यों ने दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले व्यवसायियों सहित अपेक्षाकृत कम सुविधा पाने वाले व्यवसायियों के लिए पहुंच में आसानी को दशार्ते हुए विभिन्न स्टार्ट-अप को भी 1,109 करोड़ रुपये के ऑर्डर दिए हैं। पुरानी और गहरी जड़ें जमा चुकी खरीद प्रक्रियाओं को पुनर्व्यवस्थित करने में पेश आने वाली व्यापक जटिलताओं को देखते हुए, जीईएम वैश्विक स्तर पर शुरू की गई बदलाव-प्रबंधन की सबसे बड़े कवायदों में से एक है और प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार की कार्यशैली के अनुरूप है। टीकाकरण, मुफ्त भोजन के वितरण, एलईडी बल्बों को अपनाने, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के निर्माण और डिजिटल भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि आदि जैसे मामलों में दुनिया में अग्रणी होना इस कार्यशैली के कुछ उदहारण हैं।

प्रचार के उत्कर्ष व संवेदनहीनता के बीच मन की बात का शतक

2014 में सत्ता में आने के बाद 3 अक्टूबर 2014 को इस रेडिओ कार्यक्रम का पहला एपिसोड प्रसारित किया गया था। 30 अप्रैल को, प्रसारित किये गये इस शतकीय एपिसोड को देश विदेश में अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिये युद्धस्तरीय तैयारियां की गयी थीं। देशभर के करीब 4 लाख केंद्रों में सामूहिक रूप से सुने गये इस कार्यक्रम को देश की अधिक से अधिक जनता तक पहुँचाने के लिये देश भर की भाजपाई सरकारों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, राज्यपालों, सांसदों, विधायकों आदि सभी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। इस प्रसारण के कई दिन पहले से ही देश भर के सैकड़ों भाजपाई मंत्रियों, नेताओं व सत्ता समर्थक अनेक लेखकों ने कार्यक्रम की तारीफ संबंधी आलेख देश भर के समाचार पत्रों में प्रकाशित करवा कर कार्यक्रम की तारीफ के पुल बाँधने शुरू कर दिये थे।

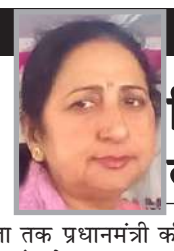

निर्मल रानी
लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

देश की जनता तक प्रधानमंत्री की अपनी बात पहुँचाने का इकतरफा संवाद कार्यक्रम मन की बात का सौवां एपिसोड गत 30 अप्रैल (रविवार) को अभूतपूर्व प्रचार के बीच पूरे उत्सव के रूप में प्रसारित किया गया। 2014 में सत्ता में आने के बाद 3 अक्टूबर 2014 को इस रेडिओ कार्यक्रम का पहला एपिसोड प्रसारित किया गया था। 30 अप्रैल को, प्रसारित किये गये इस शतकीय एपिसोड को देश विदेश में अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिये युद्धस्तरीय तैयारियां की गयी थीं। देशभर के करीब 4 लाख केंद्रों में सामूहिक रूप से सुने गये इस कार्यक्रम को देश की अधिक से अधिक जनता तक पहुँचाने के लिये देश भर की भाजपाई सरकारों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, राज्यपालों, सांसदों, विधायकों आदि सभी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। इस प्रसारण के कई दिन पहले से ही देश भर के सैकड़ों भाजपाई मंत्रियों, नेताओं व सत्ता समर्थक अनेक लेखकों ने कार्यक्रम की तारीफ संबंधी आलेख देश भर के समाचार पत्रों में प्रकाशित करवा कर कार्यक्रम की तारीफ के पुल बाँधने शुरू कर दिये थे। देश भर के रेलवे स्टेशंस, एयर पोर्ट्स, बस स्टैंड्स, पोस्ट ऑफिस सहित लगभग सभी केंद्रीय कार्यालयों में लाखों की तादाद में तरह तरह के बैनर्स लगाकर जनता को मन की बात का सौवां एपिसोड सुनने के लिये प्रेरित किया जा रहा था। अकेले उत्तर प्रदेश में ही मन की बात को सुनने के लिए अति विशेष प्रबंध किए गए थे जहाँ राज्य में 55 हजार ऐसे केंद्र बनाए गए थे जहां लोग इस कार्यक्रम को सुन रहे थे। भाजपा के लगभग सभी सांसद, विधायक, मंत्री सब अपने अपने क्षेत्रों में जनता के साथ मन की बात कार्यक्रम सुन रहे थे। मन की बात के सौवें एपिसोड प्रसारण समारोह पर आधारित एक स्मारक डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया गया। सरकार की पूरी कोशिश थी कि इस कार्यक्रम को युद्धस्तर पर अति प्रचारित कर किसी तरह पूरे देश की जनता के साथ संवाद स्थापित किया जा सके। बहरहाल प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात सौवां एपिसोड पेश कर कर दिया। इसमें उन्होंने कहा कि -ये मेरे लिए सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूजा और व्रत की तरह है। मन की बात मेरे लिए दूसरों के गुणों की पूजा करने के जैसा ही रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात करोड़ों भारतीयों के मन की बात है। यह उनकी भावनाओं का प्रकटीकरण है। उन्होंने कार्यक्रम में पूर्व के सेल्फी विद डॉटर अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि ये सेल्फी का मुद्दा नहीं था बल्कि ये बेटियों से जुड़ा था जिसमें लोगों ने बहुत शानदार तरीके से भाग लिया। इस अभियान का मकसद लोगों को जीवन में बेटी के महत्व को समझाना था। जिस समय प्रधानमंत्री बेटियों संबंधी अपने मन के उदगार पेश कर रहे थे ठीक उसी समय जंतर मंतर पर धरने पर बैठी वे बेटियां भी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को बड़े गौर से सुन रही थीं जो देश के लिये विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर लाई हैं और विश्व में देश और राष्ट्रीय ध्वज का मान बढ़ाया है। कथित तौर पर एक भाजपाई सांसद के यौन उत्पीड़न की शिकार देश की गौरव यह बेटियां जानना चाह रही थीं कि जो प्रधानमंत्री मन की बात के माध्यम से लोगों को जीवन में बेटी के महत्व को समझाना चाह रहे हैं उनकी नजरों में इन प्रतिभाशाली परन्तु पीड़ित लड़कियों के बारे में क्या विचार हैं।

कितना अच्छा होता यदि ह्यबेटी के महत्व को समझाने ह्य वाले प्रधानमंत्री जी महीनों से चली आ रही इन बेटियों की फरियाद को भी सुनते और आरोपी के विरुद्ध एफ आई कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती। परन्तु अफसोस की बात है कि देश की बेटियों की फिक्र करने का स्वांग रचने वाली सरकार पुलिस एफ आई आर तक नहीं करवा सकी। और धरने पर बैठी इन बेटियों की फरियाद सर्वोच्च न्यायालय ने सुनी उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद दिल्ली पुलिस द्वारा एफ आई आर दर्ज की गयी? इतना ही नहीं बल्कि एफ आई आर दर्ज होने के बावजूद आरोपी की गिरफ़्तारी को लेकर आना कानी जारी रही? हाँ, आरोपी सांसद अपने दल बल के साथ प्रधानमंत्री की ह्यमन की बातह्ल जरूर सुनता रहा। केवल महिला पहलवानों का अपमान ही नहीं बल्कि चीन की बढ़ती घुसपैठ, अडानी से जुड़ा देश का सबसे बड़ा आर्थिक घोटाला, बढ़ती आर्थिक असमानता, दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा बढ़ती महंगाई, पेट्रोल डीजल व गैस के रिकार्ड मूल्य, किसान संगठनों से किए गए वादों को पूरा करने व भ्रष्टाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कोई चर्चा इस कार्यक्रम में नहीं की गयी। जोकि वास्तव में सीधे तौर पर देश की जनता से जुड़े विषय हैं।

इन दिनों एक और एक और अत्यंत गंभीर व महत्वपूर्ण विषय भाजपा नेता व पूर्व राज्यपाल सतपाल मालिक ने छेड़ रखा है। वे पुलवामा में सी आर पी जवानों पर हुए हमले के लिये सरकार की लापरवाही को ही जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेकर कह रहे हैं कि मोदी ने उनसे इस हमले पर चुप रहने के लिये कहा जिसमें चालीस जवान शहीद हुये थे। सतपाल मालिक के अति गंभीर आरोपों को हालांकि ह्यगोदी मीडियाह्ल ने ब्लैक आउट कर रखा है उसके बावजूद सोशल मीडिया पर बार बार पुलवामा में सी आर पी जवानों पर हुए हमले का जिक्र कर वे सीधे तौर पर प्रधानमंत्री को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। देश को उम्मीद थी कि मन की बात के सौवें एपिसोड में प्रधानमंत्री बतायेंगे कि जिन पुलवामा शहीदों की जवाबी कार्रवाही के रूप में बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक की गयी उसके बाद इन्हीं मुद्दों को चुनावी लाभ के लिये इस्तेमाल किया गया, वास्तव में इस पूरे प्रकरण की वास्तविकता क्या है? परन्तु मन की बात के श्रोताओं को इस विषय पर भी मायूसी ही हाथ लगी। इसी प्रकार सतपाल मालिक का एक और अति गंभीर आरोप कश्मीर में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से जुड़ा है। उन्होंने आर एस एस के एक वरिष्ठ नेता का नाम लेकर कुछ तथ्य उजागर किये। देश में घूम घूम कर भ्रष्टाचार समाप्त करने का दावा करने वाले प्रधानमंत्री आखिर सतपाल मलिक के इतने बड़े रहस्योदघाटन पर भी खामोश क्यों रहे? इसतरह के गंभीर विषयों को मन की बात में शामिल न करना निश्चित रूप से इसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये विवश करता है कि प्रचार के उत्कर्ष व संवेदनहीनता के बीच पूरे उत्सव की तरह मन की बात का शतकीय एपिसोड प्रसारित किया गया।

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण ने अप्रेल 2023 माह में छुआ उच्चतम स्तर

प्रहलाद सबनानी

भारत में वित्तीय वर्ष 2023-24 की शुरूआत ही अप्रेल 2023 माह से हुई है एवं नए वित्तीय वर्ष के प्रथम माह में ही अर्थात अप्रेल 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 187, 035 करोड़ रुपए का रहा है और यह एक नए रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। पूर्व में अप्रेल 2022 माह में यह 167, 540 करोड़ रुपए का रहा था, जो उस समय पर एक नया रिकार्ड स्तर बना था। अप्रेल 2023 माह में यह अप्रेल 2022 माह की तुलना में 19, 495 करोड़ रुपए अधिक रहा है एवं 11.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 160, 172 करोड़ रुपए का रहा था एवं वर्ष 2022-23 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण का मासिक औसत 1.51 लाख करोड़ रुपए रहा था। इसी प्रकार, अप्रेल 2023 माह में ही यूपीआई व्यवहारों ने भी अभी तक के एक नए रिकार्ड स्तर को छुआ है, जो 14.07 लाख करोड़ रुपए के 890 करोड़ व्यवहारों के साथ अभी तक के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। साथ ही, फास्टटैग व्यवहार भी अप्रेल 2023 माह में 5149 करोड़ रुपए के 30, 50, 000 व्यवहारों के साथ अभी तक के अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गए है। फास्टटैग व्यवहारों में अप्रेल 2023 माह में 15 प्रतिशत एवं राशि के संग्रहण में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे भारत में उत्पादों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने ले जाने को अत्यधिक तेज गति मिलती दिखाई दे रही है। इन व्यवहारों में वृद्धि देश में आर्थिक विकास की दर को और आगे ले जाने में मदद करेगी।

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में लगातार हो रही वृद्धि में कुछ राज्यों का योगदान निश्चित रूप से बहुत सराहनीय है एवं भारत में यह सहकारी संघवाद के उत्कृष्ट नमूने के रूप में दिखाई दे रहा है। अधिकतम कर राशि संग्रहण के मामले में प्रथम दस बड़े राज्यों में शामिल हैं, महाराष्ट्र (33,196 करोड़ रुपए), कर्नाटक (14, 593 करोड़ रुपए), गुजरात (11,721), तमिलनाडु (11,559), उत्तर प्रदेश (10,320), हरियाणा (10, 035), पश्चिम बंगाल (6,447), दिल्ली (6, 320), तेलंगाना (5,622) एवं ओड़िसा (5,036)। उक्त राज्यों में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात एवं तमिलनाडु ने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं को आगे आने वाले कुछ वर्षों में एक लाख करोड़ रुपए के सकल घरेलू उत्पाद के स्तर पर ले जाने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में हो रही वृद्धि के चलते इन राज्यों को उक्त लक्ष्य हासिल करने में निश्चित ही आसानी होगी।

उक्त दस बड़े राज्यों में से कुछ राज्यों सहित कुछ अन्य राज्यों ने अप्रेल 2022 की तुलना में अप्रेल 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल की है। अर्थात, इन राज्यों में आर्थिक विकास की गति तेज होती दिखाई दे रही है। ये राज्य हैं, उत्तर प्रदेश (21 प्रतिशत), हरियाणा (22 प्रतिशत), जम्मू एवं काश्मीर (44 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (28 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21 प्रतिशत), कर्नाटक (23 प्रतिशत), गोवा (32 प्रतिशत) एवं लद्दाख (43 प्रतिशत)।

विशेष रूप से पिछले 9 वर्षों से भारत सरकार द्वारा उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है

संक्षिप्त खबरें

एक लाख से अधिक मतदाता पहली बार निकाय चुनाव में डालेंगे वोट

अमरोहा। नगर निकाय चुनाव कराने के लिए बुधवार को पोलिंग पार्टियां रवाना हुई।कल यानी आज सुबह 7 बजे से जिले के 196 वार्डों के 464 बूथों पर मतदान होगा। सभी नौ निकायों में एक लाख से अधिक मतदाता पहली बार शहर की सरकार चुनने में अपनी भागीदारी निभाएंगे। इनमें अधिकांश युवा मतदाता बने हैं।इससे साफ है कि प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला लिखने में इन मतदाताओं की भी अहम भूमिका रहेगी।वर्ष 2017 के नगर निकाय के आंकड़ों की बात करें तो 341994 मतदाता थे। इसके बाद अमरोहा नगर पालिका का सीमा विस्तार हुआ जबकि सैदनगली नगर पंचायत का गठन हुआ है।जिले में एक नगर पंचायत बढ़ने के साथ 102555 लोग नए मतदाता बने हैं।आंकड़ों की बात करें तो अमरोहा नगर पालिका में 54593 मतदाता पहली बार अध्यक्ष पद के लिए वोट करेंगे। ऐसे ही हसनपुर में 7535, मंडी धनौरा में 4129, बछरायूं में 3464, गजरौला में 7955, मतदाता बढ़े हैं। जोया नगर पंचायत में 2474, उझारी नगर पंचायत में 1525, नौगावां सादात में 3514 और सैदनलगी नगर पंचायत में 17186 मतदाता पहली बार अपना अध्यक्ष चुनेंगे।

मतदान आज, पोलिंग पार्टियों की रवाना

अमरोहा। जिले के नौ निकायों में आज होने वाले निकाय चुनाव के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। बुधवार को सभी मतदान केंद्रों के लिए निर्धारित स्थानों से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया ।रवानगी स्थल पर सुबह से ही पुलिस प्रशासनिक अफसर पहुंच गए। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। रवानगी स्थलों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। शाम पांच बजे तक सभी पोलिंग पार्टियां बूथों पर पहुच गयी। अमरोहा नगर पालिका व जोया नगर पंचायत में मतदान कराने के लिए अमरोहा के राजकीय इंटर कॉलेज से पोलिंग पार्टियों की रवानगी हुई। डीएम-एसपी सहित जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट पूरी प्रक्रिया पर नजर रखे हैं। इसके पहले सुबह सात बजे से मतदान कार्मिक रवानगी स्थल पर पहुंचना शुरू हो गए। पोलिग पार्टियों की फाइनल रिहर्सल के बाद बूथों के लिए चुनाव सामग्री वितरित की जा रही है। गौरतलब है कि निकाय चुनाव के मतदान के लिए जिले में 464 बूथ बनाए गए हैं। जहां गुरुवार की सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। सभी बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। मतदान कराने के लिए 464 पोलिंग पार्टियां लगाई गई हैं। शाम पांच बजे तक सभी पोलिंग पार्टियां बूथों पर पहुंच गई।सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा अध्यक्ष सहित कई नेताओं ने मुख्यमंत्री गहलोत को जन्मदिन की बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, और राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी समेत कई अन्य नेताओं ने राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत को बुधवार को जन्मदिन की बधाई दी। गहलोत बुधवार को 72 वर्ष के हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, राज्य कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा, विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड, विपक्ष के उप नेता सतीश पूनिया, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और कई अन्य नेताओं ने गहलोत को बधाई दी। इस अवसर पर राज्य में उनके समर्थकों और शुभचिंतकों द्वारा विभिन्न रक्तदान शिविरों और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट के जरिये अपने बधाई संदेश में कहा ह्यराजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें दीघार्यु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। कई अन्य सांसदों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री को बधाई दी।

नगर निकायों में अच्छेय लोगों का चुना जाना जरूरी : योगी

कानपुर, एजेंसी

उत्तयर प्रदेश के मुख्यनमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रदेश के तमाम नगरों को स्मामर्ट और सुरक्षित बनाने के लिए नगर निकायों में अच्छेप लोगों का चुना जाना जरूरी है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्योशियों के जीतने से डबल इंजन की सरकार के साथ तीसरा इंजन भी जुड़ेगा और विकास पांच गुनी रफ्तार से हो सकेगा। मुख्य।मंत्री ने संत कबीर नगर में नगर निकाय चुनावों के लिए भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, हमारे शहर सेफ सिटी बन सकें, स्मार्ट सिटी और नॉलेज सिटी बन सकें, इसके लिए नगर निकायों में भी अच्छे लोगों का निर्वाचित होना आवश्यक है। (इन निकायों में) पूर्ण बहुमत से डबल इंजन की सरकार के साथ तीसरा इंजन भी जुड़ेगा जो विकास को दोगुना नहीं, बल्कि तीन गुना और पांच गुना आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, विकास के लिए कभी पैसे की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। अब किसी व्यापारी की सम्प त्ति पर कब्जा करने का कोई भी दुस्साहस नहीं करेगा, इसलिए नगर निकाय चुनाव में भी भाजपा के सभी प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाएं। आदित्यपनाथ ने कहा, हमने विकास को खांचों में बांटकर नहीं देखा। हमने गरीब कल्याण की योजनाओं को बिना किसी भेदभाव के हर व्यबक्ति तक पहुंचाया है। ऐसा करने से पहले हमने उसकी जाति और मजहब नहीं देखा। अगर वह प्रदेश का नागरिक है तो उसे शासन की योजनाओं का लाभ मिलना ही चाहिए। आज किसी गुंडे के हाथ में तमंचा नहीं है। आज युवाओं के हाथ में टैबलेट है। राज्यच सरकार प्रदेश के दो करोड़ युवाओं को टैबलेट दे रही है। अब तक 20 लाख युवाओं को (यह) दिया जा चुका है, बाकी के लिए लगातार प्रयास जारी है। मुख्यंमंत्री ने दावा किया, पहले हमारे नगरों में कूड़े का ढेर लगता था, मगर आज नगरीय व्यवस्था स्वच्छ और सुंदर दिखाई देती है। जल निकासी के लिए आरसीसी के नाले बनाये जा रहे हैं। सड़कों को चौड़ा किया जा रहा है। एलईडी स्ट्रीट लाइट चमकती है, लगता है कि अब नगर कूड़े के ढेर नहीं, बल्कि स्मार्ट सिटी हैं। नगरीय क्षेत्रों में शोहदों का आतंक नहीं, बल्कि अब ये सेफ सिटी बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंफने संत कबीर की परिनिर्वाण स्थंली का जिक्र करते हुए कहा, ह्वपहले यह माना जाता था कि मगहर में मृत्यु का मतलब सीधे-सीधे नरक जाना होता है, लेकिन उस धारणा को संत कबीर ने बदला और आज भी मगहर में उनकी महापरिनिर्वाण स्थली है। डबल इंजन की सरकार ने कबीर एकेडमी बनाकर संत कबीर के मूल्यों और आदर्शों के बारे में शोध को बढ़ावा देने के एक बड़े कार्यक्रम को वहां प्रोत्साहित किया है। जो मगहर मध्यकाल में साक्षात नरक का प्रतीक माना जाता था, आज वही मगहर डबल इंजन सरकार में स्वर्ग जैसा प्रतीत हो रहा है।

निकाय चुनाव:दिग्गजों का तय होगा कद,दांव पर लगी प्रतिष्ठा

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। परिसीमन के बाद बदले माहौल में हो रहा निकाय चुनाव अमरोहा नगर पालिका बोर्ड में तीन-चार बार से लगातार कुर्सी पर काबिज कुछ सभासदों का कद भी तय करेगा। वार्डो के बिगड़े समीकरण के बीच अबकी बार चुनाव में इन सभासदों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। शहर में पांच सभासद ऐसे हैं जिनके सामने अपने पुराने किले को बचाने की चुनौती खड़ी है। वार्ड 23 (बाजार रज्जाक) से चार बार के सभासद मुमताज खां सिल्वर जुबली की उम्मीद लेकर चुनाव मैदान में कूदे हैं। वहीं, शहर के वार्ड 33 (दरबारे कलां) से कमर नकवी व वार्ड 39 (मजापोता) से सिराज अहमद चौथी बार जीत की आस लेकर मतदाताओं के बीच है। वार्ड 26 (मुल्लाना) से फहीम शाहनवाज व वार्ड 22 (गाश्तियान) से विक्की टंडन हैट्रिक की तैयारी में जोर आजमाइश कर रहे हैं।

मंगलवार को थमे चुनावी शोर के बीच अपने-अपने वार्डो में इन दिग्गज सभासदों की अग्निपरीक्षा भी शुरू हो गई है। परिसीमन के बाद वार्डो में हुए बदलाव से बनी चुनोती शहर की सीमा में हुए विस्तार के बाद बाहों के समीकरण बदल गए हैं। पहले 34 वार्ड थे अब नए परिसीमन में 21 ग्राम पंचायत शामिल होने से वाहों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है। आबादी का आंकड़ा बढ़ने के साथ सभी वाहों के क्षेत्र में भी बदलाव आया है। ऐसे में मौजूदा सभासदों के सामने अपनी कुर्सी बचाने की चुनौती होगी। वहीं, इस बदलाव से कुछ वार्डो में जातिगत आंकड़ों के बीच चुनाव जीत रहे सभासदों की परेशानी बढ़ी है।शहर के बाजार रज्जाक (वार्ड 23) से मुमताज खां लगातार पांचवीं बार चुनाव मैदान में हैं। लगातार 20 साल से उनका इस सीट पर कब्जा है। इस अंतराल में एक बार सीट महिला के लिए आरक्षित हुई थी तब उनकी पत्नी ने भी इस सीट से बड़ी जीत दर्ज की थी।

जबकि, मुमताज खां खुद इस सीट पर तीन बार निर्वाचित हो चुके हैं। विपक्षी खेमा 20 साल से उनकी जीत का मिथक नहीं तोड़ सका है। शहर के मोहल्ला मुल्लाना (वार्ड 26) से फहीम शाहनवाज व मोहल्ला गश्तियान (वार्ड 22) से विक्की टंडन तीसरी बार चुनावी रण में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। दोनों जीत की हैट्रिक लगाने की उम्मीद है।विक्की टंडन दो बार से इस वार्ड से सभासद हैं। वहीं, 2012 में हुए चुनाव में फहीम शाहनवाज के हाथ से कुर्सी छिटक गई थी, लेकिन 2017 में हुए चुनाव में उन्होंने फिर वापसी करते हुए इस सीट पर बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

खड़े ट्रक से टकरायी तेज रफ्तार बस : चालक की मौत, 29 यात्री जख्मीप

कानपुर, एजेंसी

बाराबंकी जिले के सुबेहा क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार रोडवेज बस के सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराने से उसके चालक की मौत हो गयी तथा 29 यात्री घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि सुबेहा थाना क्षेत्र के शुकुलपर गांव के पास लखनऊ से आजमगढ़ जा रही रोडवेज बस अनियंत्रित होकर एक खड़े ट्रक से जा टकरायी। इससे बस का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्तट हो गया और उसमें फंसकर बस चालक अमरजीत (41) की मौत हो गयी। पुलिस ने काफी मशक्कतत के बाद उसका शव बाहर निकलवाया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में बस सवार 29 यात्री घायल हो गए। उन्हेंस शुकुल बाजार स्थित सामुदायिक स्वांस्थ इ केन्द्र9 में भर्ती कराया गया। उनमें से छह को हालत बिगड़ने पर लखनऊ स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। बस में कुल 38 लोग सवार थे। माना जा रहा है कि यह घटना बस चालक को झपकी आ जाने के कारण हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टरमार्टम के लिये भेज दिया है।

विकास के पथ पर अग्रसर आजमगढ़ को मिली नई पहचान : योगी

कानपुर, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि कुछ वर्ष पहले तक अपराधिक तत्वों के कारण बदनाम आजमगढ़ विकास के पथ पर अग्रसर है। जिले में चहुंमखी विकास हो रहा है। आजमगढ़ शहर की एसकेपी इंटर कॉलेज के मैदान में श्री योगी ने जिले की तीन नगर पालिका और 13 नगर पंचायतों के अध्यक्षों व सभी सभासदों के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होने कहा कि जिन लोगों के हाथों में सत्ता की बागडोर आई, उन लोगों ने आजमगढ़ का दोहन किया। कुछ लोगों ने यहां कक्षा देने का प्रयास किया, कुछ लोगों ने तमंचे बनाने का काम किया। जिस आजमगढ़ 2017 की पहले पहचान का संकट था। होटल धर्मशाला और किराए का मकान बाहर नहीं मिलता था। आज वह आजमगढ पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के साथ के साथ जुड़ चुका है। अब यहां कक्षा नहीं शिक्षा का विस्तार हो रहा है और विश्वविद्यालय बन रहा है। प्रभानमंत्री नरेन्द्र के 2014 में सत्ता में संभालने के बाद पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है। लोगों की भावनाएं बदली हैं। दुनिया के अंदर मोदी जी संकटमोचक के रूप में जाने जाने लगे हैं। सूडान में उत्पन्न हालात के बाद आजमगढड्ढ के लोग भी सुरक्षित पहुंच गये। उन्होने कहा कि डबल इंजन सरकार का करिश्मा है कि आज आजमगढ़ को जोड़ने के लिए लखनऊ गोरखपुर इलाहाबाद प्रयागराज बलिया सभी सड़कें जुड़ गई है। डबल इंजन के साथ अब तीसरा इंजन जुड़ेगा तो तो विकास की गति तीन से पांच गुना हो जाएगी विकास के लिए पैसे की कमी नहीं है लेकिन उस पैसे का सही उपयोग हो। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में उद्योग लग रहे हैं शैक्षणिक संस्थाओं का विस्तार हो रहा है. इससे युवा तरक्की कर रहा है,लोगों के मन में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ा है प्रत्येक भारतवासी अपने देश के नेतृत्व पर गौरव की अनुभूति कर रहा है।

तेज हवा के साथ बारिश और ओलावृष्टि, कई स्थानों पर जलभराव

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। कई इलाकों में बुधवार को मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के साथ कई इलाकों में ओलावृष्टि भी सामने आई जिसके बाद किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें देखी जा रही है। क्योंकि इस तेज बारिश से आम की फसल को भारी नुकसान की संभावनाएं हैं। इसलिए आम व्यापारियों के चेहरे पर चिंता की लकीरें हैं। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद लगातार अमरोहा में मौसम का मिजाज दो दिन से बिगड़ा हुआ था। तेज मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि से किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खड़ी कर दी हैं। दोपहर करीब डेढ़ बजे तेज हवाओं के साथ हुई बरसात और ओलावृष्टि ने मौसम का मिजाज बदल दिया। तेज हवाओं ने इलाके में ठंड कर दी। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस राहत की बारिश ने किसान और आमजन को परेशान कर दिया। जगह-जगह जलभराव हो गया। जिससे राहगीरों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन के द्वारा जो तैयारियां की गई थी। उसमें भी काफी दिक्कतें सामने आ रहीं हैं। पोलिंग पार्टियों की रवानगी से लेकर मतदान स्थलों पर पानी भर जाने के बाद से कल होने वाले मतदान पर भी प्रभाव पड़ने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि प्रशासन निकाय चुनाव की तैयारियों को समय से पूर्व पूरा करने का दावा कर रहा है।

अमर्त्य सेन भूमि विवाद: ममता बनर्जी ने विधायकों से कहा धरना देने को

शांतिनिकेतन, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को विश्व भारती से निकाले जाने को लेकर जारी नोटिस के विरोध में अपने विधायकों से प्रातिची के बाहर धरना देने को कहा है। विश्वभारती विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने श्री सेन को 06 मई तक या 19 अप्रैल को अपने अंतिम आदेश के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर 13 डेसीमल भूमि खाली करने का नोटिस दिया है। विश्वविद्यालय ने श्री सेन को जमीन खाली नहीं करने पर बल प्रयोग की धमकी भी दी। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर शहर के शांति निकेतन में रहने के दौरान श्री सेन अपने पैतृक घर प्रातिची में रहते हैं। प्रातिची परिसर में 13 डेसीमल का हिस्सा हाल के दिनों में सेन और विश्वविद्यालय के बीच विवाद का कारण रहा है। उधर विश्वभारती ने दावा किया है कि श्री सेन ने अवैध रूप से भूमि पर कब्जा कर लिया है, जबकि विश्व प्रसिद्ध शिक्षाविद ने बार-बार कहा है कि वह सही मालिक हैं। नोटिस में कहा गया ह्लश्री सेन और सभी संबंधित व्यक्तियों को उक्त परिसर से बेदखल करने के लिए उत्तरदायी हैं, यदि आवश्यक हो तो बल का उपयोग किया जा सकता है। नोटिस में कहा गया ह्लयह निश्चित किया गया है कि अनुसूचित परिसर के उत्तर-पश्चिम कोने में 50 फीट गुणा 111 फीट के डाइमेंशन वाली 13 डेसीमल भूमि उनसे वसूल की जानी है। इस प्रकार वह अनुसूचित परिसर में 1.25 एकड़ भूमि पर कानूनी रूप से पट्टे की शेष अवधि के लिए कब्जा कर सकता है। उसके पास अनुसूचित परिसर में 1.38 एकड़ भूमि पर कब्जा करने का अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में, विधायकों को निर्देश दिया कि वे सेन के घर के सामने शांति से बैठें और विश्व भारती के अधिकारियों द्वारा जबरन बेदखली की कोशिश करने पर एक इंच भी न हिलें। भूमि विवाद की शुरूआत से ही सुश्री बनर्जी नोबेल पुरस्कार विजेता के साथ हैं और उन्होंने इस मामले में श्री सेन से भी बात की थी। सुश्री बनर्जी ने एमएसएमई मंत्री और स्थानीय विधायक चंद्रनाथ सिन्हा को विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए भी कहा है, जिसमें अन्य मंत्री भी शामिल होंगे। उन्होंने विधायकों को निर्देश दिया कि यदि विश्व भारती के अधिकारी बेदखली को लागू करने के लिए बुलडोजर भी इस्तेमाल करें तो भी वे हिलें नहीं।

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश विफल, दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादी सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये। श्रीनगर स्थित रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीमांत जिले के माछिल सेक्टर में घुसपैठ को नाकाम कर दिया गया और मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि कुपवाड़ा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से घुसपैठ की खुफिया सूचना मिलने के बाद एक मई को नियंत्रण रेखा पर सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। उन्होंने कहा कि बीहड़ और अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में एक अच्छी तरह से समन्वित ह्यघुसपैठ रोधी ग्रिडह्ल स्थापित किया गया है। प्रवक्ता ने कहा, ह्लसेना और एसओजी (जम्मू-कश्मीर पुलिस की एलीट काउंटर इंसर्जेंसी यूनिट) सहित कई अतिरिक्त टीमें एंबुश घुसपैठ के संभावित मार्गों के साथ लगाए गए थे। जवानों ने खराब मौसम का परवाह किये बगैर लगातार दो रातों तक मोर्चा संभाले रखा। आज सुबह लगभग साढ़े आठ बजे नियंत्रण रेखा के भारतीय सीमा में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को पहले चेतावनी दी गई। घुसपैठियों ने सेना की चेतावनी को नजरअंदाज किया। इसके बाद आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसी दौरान जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। प्रवक्ता ने कहा कि दो एके सीरीज की दो राइफलों, मैगजीन और भारी मात्रा में युद्ध जैसी सामग्री के साथ दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और समूह संबद्धता का पता लगाया जा रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि इलाके की और सघन तलाशी चल रही है। उन्होंने कहा, सुरक्षा बल क्षेत्र की शांति और सद्भाव को भंग करने को रोकने और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को विफल करने के लिए दृढ़ एवं कृतसंकल्प हैं।

रुहेलखंड यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं 20 मई से, 5 मई परीक्षा फार्म भरने की आखिरी तारीख

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने स्नातक और परास्नातक की मुख्य परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के अनुसार परीक्षाएं इसी महीने 20 मई से शुरू होने जा रही हैं। परीक्षाएं अलग अलग दिनों में तीन शिफ्ट में आयोजित की जाएंगी। वहीं मुख्य परीक्षा के फार्म भरे जाने की आखिरी तारीख 5 मई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. राजीव कुमार और सभी मेंबरों की बैठक भी हो चुकी है। जिसमें कुलपति ने निर्देश दिए हैं की नया सत्र भी समय से शुरू कराया जाना है। परीक्षाएं 20 मई से शुरू होंगी। स्नातक की परीक्षा 20 मई से प्रस्तावित हैं। इनमें तीन शिफ्ट रहेंगी। इनमें सुबह 7 बजे से 10 बजे, दोपहर 11 बजे से 2 बजे, और 3 बजे से 6 बजे का शेड्यूल जारी किया गया है। अलग अलग विषय और क्लासें इनमें शामिल की गईं है। 11 जुलाई स्नताक की परीक्षा समाप्त होने की तारीख जारी की गई है।यानी 52 दिन तक परीक्षाएं चलेंगी। हीं परास्नताक की परीक्षाएं भी 20 मई से शुरू हो रही हैं, जो 7 जून तक चलेंगी। विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म भरने के बाद परीक्षा केंद्र निर्धारित करेगा। रेग्यूलर छात्रों के पहले ही 46 परीक्षा केंद्र निर्धारित कर दिए गए हैं, जिनमें बरेली में 9 केंद्र बनाए गए

कस्तूरबा गांधी विद्यालय से दिया इस्तीफा, तीन महीने से वेतन नहीं मिला

प्रात: किरण, संवाददाता

गजरौला। भानपुर में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में काम कर रही रसोईया ने वार्डन पर शोषण करने का आरोप लगाया है। अधिकारियों को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा कि 12 की जगह वार्डन उसे 14 घंटे काम करवाती है। इसके बाद बुधवार की सुबह उसने अधिकारियों को पत्र भेजकर इस्तीफा स्वीकार करने की मांग की। वहीं एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए कहा कि जिस तरह से मुझे परेशान किया जा रहा है, इस तरह से मैं नौकरी नहीं कर सकती। शहर के भानपुर में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में रसोईया सोनी सक्सेना ने वार्डन पर शोषण करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि तीन माह से मुझे वेतन नहीं मिला है नौकरी छोड़ने के लिए वार्डन को इस्तीफा दिया। तो लेने से उन्होंने इनकार कर दिया जिसके बाद पीड़िता परेशान हो गई। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन मीनाक्षी ने रसोईया द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। कहा है कि मैं किसी का शोषण नहीं कर रही हूं। कस्तूरबा गांधी की रसोइया ने इस्तीफा शिकायती पत्र भी सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए वार्डन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मुझे बेवजह परेशान किया जाता है। तीन माह तक का वेतन अब तक नहीं मिला है जिसकी वजह से मैं परेशान हूं। वार्डन द्वारा 12 की जगह 14 घंटे काम कराया जाता है इसलिए मैं इस्तीफा दे रही हूं जिसकी जिम्मेदार मीनाक्षी वार्डन होगी।

नरोदा गाम दंगा मामला : अदालत ने एसआईटी की आलोचना की, बयानों को विरोधाभास वाला बताया

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात में गोधरा कांड के बाद घटी नरोदा गाम हिंसा की घटना के सभी 67 आरोपियों को बरी करने वाली विशेष अदालत ने इस मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच की आलोचना की और कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयान विरोधाभासों से भरे हैं और उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। गोधरा में 27 फरवरी, 2002 को साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगाये जाने की घटना के विरोध में दक्षिणपंथी संगठनों ने अगले दिन बंद का आह्वान दिया था और इसी दिन अहमदाबाद जिले के नरोदा गाम इलाके में 11 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। विशेष न्यायाधीश एस. के. बख्शी की अदालत ने 20 अप्रैल को सभी 67 आरोपियों को बरी कर दिया जिनमें प्रदेश की पूर्व मंत्री माया कोडनानी, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व नेता जयदीप पटेल और बजरंग दल के पूर्व नेता बाबू बजरंगी शामिल हैं। अदालत के आदेश की एक प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गयी। अदालत ने कहा कि जब मामले की जांच एसआईटी को सौंपी गयी तो इसके जांच अधिकारी की जिम्मेदारी विशेष हो गयी और जांच वैसी ही अपेक्षित थी। उसने कहा कि 28 फरवरी, 2002 की घटना के सिलसिले में साक्ष्य किसी भी तरह इस ओर इशारा नहीं करते कि किसी आरोपी ने आपराधिक षड्यंत्र के लिए समान मंशा और मकसद से कोई गैरकानूनी समूह बनाया। उसने कहा कि घटना के साढ़े छह साल बाद गवाहों ने आपराधिक साजिश का दावा किया था और एसआईटी ने उनके बयानों को सत्यापित करने की जहमत नहीं उठाई, जो 2008 से पहले गुजरात पुलिस अधिकारियों को दिए गए बयानों के विरोधाभासी थे। एसआईटी ने 2008 में पुलिस से मामले में जांच अपने हाथ में ली थी। अदालत ने आगे कहा कि इलाके में भीड़ के हमले में अल्पसंख्यक समुदाय का जान-माल का नुकसान हुआ था, लेकिन अभियोजन पक्ष अपने दावे के बावजूद यह स्थापित नहीं कर पाया कि आरोपी इसे अंजाम देने के लिए गैरकानूनी तरके से एकत्र हुए, आपराधिक साजिश रची और यह किया।

यूपीएससी ने भर्ती परीक्षा कराने का अरुणाचल सरकार का अनुरोध ठुकराया

ईटानगर, एजेंसी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने अरुणाचल प्रदेश में ग्रुप ए और बी के पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करने का राज्य सरकार का अनुरोध खारिज कर दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने यूपीएससी से अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) के पुनर्गठन और कार्यात्मक होने तक ग्रुप ए और बी के खाली पदों के लिए राज्य की भर्ती नीति के अनुरूप परीक्षा आयोजित करने का अनुरोध किया था। राज्य सरकार के अनुरोध का जवाब देते हुए यूपीएससी ने हाल ही में राज्य के मुख्य सचिव को एक पत्र लिखकर कहा है कि नियमों के मुताबकि जब राज्य में एक विधिवत गठित लोक सेवा आयोग काम कर रहा हो तो ऐसा करने (यूपीएससी द्वारा परीक्षा आयोजित करने) की अनुमति नहीं है। एपीपीएससी की ओर से आयोजित सहायक अभियंता (सिविल) परीक्षा में प्रश्न-पत्र लीक घोटाले के मद्देनजर आयोग के एक सदस्य को छोड़कर इसके अध्यक्ष निपो नबाम एवं अन्य सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया है। यूपीएससी ने पत्र में उल्लेख किया है कि एपीपीएससी अभी भी आयोग के एक सदस्य के साथ काम कर रहा है। यह कानून का एक स्थापित सिद्धांत है कि संवैधानिक/वैधानिक प्रावधान के तहत एक मनोनीत प्राधिकार को प्रदत्त जिम्मेदारी का निर्वहन केवल उसी प्राधिकार द्वारा किया जाना चाहिए, न कि किसी अन्य द्वारा। राज्य प्रशासनिक सुधार सचिव अजय चगती ने कहा कि चूंकि यूपीएससी ने परीक्षा आयोजित करने से इनकार कर दिया, इसलिए एपीपीएससी के अध्यक्ष और तीन सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक विज्ञापन जारी किया गया है। राज्य सरकार ने ऑल न्यिशी स्टूडेंट्स यूनियन (एएनएसयू) और पैन अरुणाचल ज्वाइंट स्टीयरिंग कमेटी (पीएजेएससी) की मांग पर भर्ती परीक्षा कराने के लिए यूपीएससी को पत्र लिखा था। उल्लेखनीय है कि कथित प्रश्न-पत्र लीक होने का मामला तब सामने आया जब एक उम्मीदवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पिछले साल 26 और 27 अगस्त को हुई परीक्षा में 400 से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे। राज्य सरकार ने अक्टूबर में मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया था। मामले की जांच पहले राज्य पुलिस और उसके विशेष जांच प्रकोष्ठ द्वारा की गई थी। चगती ने कहा कि कथित तौर पर कदाचार में शामिल 41 कर्मचारियों में से 19 की नौकरी समाप्त कर दी गई और 22 कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

जम्मू-कश्मीर में तापमान में गिरावट, वर्षा के आसार

श्रीनगर, एजेंसी

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में तापमान में गिरावट के बीच बुधवार को हल्की से मध्यम वर्षा के आसार हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के हाल ही में हुई बारिश और हिमपात की वजह से अधिकांश स्थानों के तापमान में गिरावट देखी गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुछ स्थानों पर बारिश जारी है, जबकि अधिकांश स्थानों पर आमतौर पर बादल छाये हुए हैं। मौसम एजेंसी के अनुसार, प्रदेश में चार-छह मई के बीच गरज के साथ वर्षा होने या आंशिक रुप से बादल छाये रहने के अनुमान हैं। इसके अलावा, सात-आठ मई के बीच भी यहां कई जगहों पर बारिश होने के आसार हैं। प्रदेश में बदलते मौसम के मिजाज को देखते हुए, मौसम अधिकारियों ने पर्यटकों को अपने साथ में गर्म कपड़े रखने की सलाह दी है, क्योंकि आठ मई तक मौसम ठंडा रहने के आसार हैं। इसके अलावा, किसानों को तीन से छह मई तक सेब के पेड़ों पर छिड़काव और फसलों की कटाई से बचने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में पिछली रात के 10.6 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक है जबकि यहां का आज अधिकतम तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस कम 22.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, काजीगुंड में न्यूनतम तापमान एक दिन पहले के 9.0 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा जबकि पहलगाम में पिछली रात के 6.5 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 5.2 डिग्री सेल्सियस कम तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम एजेंसी के अनुसार, कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान पिछली रात के 8.3 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 7.4

संक्षिप्त खबरें

जाम की समस्या से लोग हैं त्राहिमाम

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज के मुख्य बाजार स्थित स्थानीय लोगों व राहगीरों को जाम की समस्या लगातार बनी हुई है। वही जाम को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि बाईपास रोड में पाईपलाइन कार्य युद्ध स्तर से किया जा रहा है, जिसके कारण सुलतानगंज बाजार में चार दिनों से भीषण जाम की समस्या बनी हुई है। जिसके चलते लोगों को इस तपती गर्मी में और भी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, सड़क जाम होने से एम्बुलेंस में मरीजों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए स्थानीय ग्रामीणों ने वाहनों के परिचालन रुट मार्ग को बदलने की गुहार लगाई है, और कहा कि अकबरनगर एंव अब्जुगंज से रुट चेंज कर देवघर एंव मुंगेर जाने के लिए कर दिये जायं तो सडक पर जाम कि समस्याओं से लोगों को कुछ हद तक राहत मिलेगी, और जाम समस्या से निदान मिल पायगा।

भारतीय जनता पार्टी उल्टी गिनती शुरू कर दे : विधायक

भागलपुर। विधायक सह कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता अजीत शर्मा लगातार एक से बढ़कर एक बयान देते दिख रहे हैं, पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार चुनाव जीतने के लिए फौजियों का इस्तेमाल करती है और उसे मौत के घाट उतारवाने के काम करती है, अब आगामी 2024 के चुनाव में भी ऐसा ही करने वाली है, यह मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि फिर से विधायक शर्मा ने एक बड़ा बयान दे डाला है। चुनाव को लेकर उन्होंने कहा है कि कर्नाटक में चुनाव होने वाले हैं। जिसके प्रचार के लिए कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वहां पहुंची हुई है, और कांग्रेस दो-तिहाई मतों से जीतेगी। वहीं भारतीय जनता पार्टी को वहां एक भी सीट मिलने वाला नहीं है, अब वह उल्टी गिनती शुरू कर दे। कर्नाटक के ही चुनाव से भारतीय जनता पार्टी का पतन शुरू हो जाएगा, और वह दिन दूर नहीं कि कांग्रेस और महागठबंधन की सरकार पूरे देश में राज करेगी।

श्रम दिवस पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी किए गए सम्मानित

मुंगेर। बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड पटना द्वारा श्रम दिवस पर पटना में आयोजित कार्यक्रम में मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इसमें जिले के हवेली खड़गपुर के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रूपेश कुमार गौतम को वर्ष 2022-2023 में बिहार भवन एवं अन्य संन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत भवन निर्माण श्रमिकों के निबंधन में उत्कृष्ट उपलब्धि को लेकर बिहार राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में श्रम संसाधन मंत्री द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस सम्मान के मिलने पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी प्रधान सचिव श्रम संसाधन विभाग जिला पदाधिकारी मुंगेर उप श्रमायुक्त मुंगेर, सहायक उप श्रम आयुक्त मुंगेर श्रम अधीक्षक मुंगेर अनुमंडल पदाधिकारी खड़गपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खड़गपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी का आभार प्रकट किया है।

लोजपा के दिवंगत नेता की पुण्यतिथि पर दिया श्रद्धांजलि

पूर्णिया। लोजपा आदिवासी प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बेला रिकाबगंज के पूर्व मुखिया एवं मनिहारी विधानसभा क्षेत्र कटिहार के पूर्व लोजपा प्रत्याशी अनिल कुमार उरांव के द्वितीय पुण्यतिथि पर उनके निवास जेपी नगर पूर्णिया कोर्ट में राष्ट्रीय लोजपा के वरिष्ठ नेता माधव सिंह ने उनके तैलचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। रालोजपा नेता माधव सिंह ने कहा कि स्वर्गीय अनिल कुमार उरांव मृदुभाषी, मिलनसार एवं कर्मठ जुझारू युवा नेता थे। वे मनिहारी विधानसभा के भावी विधायक एवं कोशी-सिमांचल के लोजपा के उभरते युवा नेता थे। उन्होंने हमेशा गरीबों, दलितों, शोषितों की मदद की। कोरोना काल में उनके द्वारा किए गए योगदान को क्षेत्रवासी नहीं भुला पाएंगे। उनके निधन से समाज को अपूर्णिय क्षति हुई है। भगवान उनके आत्मा को शांति प्रदान करें। ज्ञात हो कि 29 अप्रैल 2021 को स्वर्गीय अनिल कुमार का अपहरण कर निर्मम हत्या कर दी गई थी। लोजपा बिहार सरकार से हत्यारे को फांसी की सजा एवं परिजनों की सुरक्षा एवं सरकारी नौकरी देने की मांग करती है। कार्यक्रम में सीमा देवी पूर्व सदस्य राज्य महिला आयोग, वीरेंद्र कुमार उरांव, उमेलाल उरांव, मनीत, बालेश्वर मुर्मू, कैलाश गुप्ता, संजय, संतोष पासवान, डीके उंराव सहित बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।

नयी नवेली दुल्हन के शादी के अभी मेहंदी भी नहीं उतरी, उजड़ गयी मांग का सिंदूर

न्याय की मांग को लेकर घटना से आहत हुए परिजनों व स्थानीय लोगों ने जमकर कांटा बवाल

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में लगातार अपराधी सक्रिय रूप से अपने मंसूबों को अंजाम देने में लगे हुए हैं। वही एक और मामला सामने आया है जहां अपराधी ने एक दुल्हन की शादी की मेहंदी अभी अच्छे से उतरी भी नहीं थी कि उसके मांग के सिंदूर को मिटा दिया। घटना को लेकर बताया जा रहा है नयी नवेली दुल्हन बनी लड़की के जीवन साथी बने युवक को अपराधियों ने गोलियों से छलनी कर मौत के घाट उतार दिया। युवती के शादी हुए महज 14 दिन ही बीते थे लेकिन अपराधी ने उसके मांग के सिंदूर को ही उजाड़ दिया। युवती की शादी विगत 17 अप्रैल को हुई थी और उसके दूल्हे की अपराधियों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। गोलियों की तर तराहट से लोदीपुर थाना क्षेत्र के सरमसपुर इलाका गूंज उठा है। घटना को लेकर मिली जानकारी के तहत लोदीपुर थाना क्षेत्र के समरसपुर गांव के पास विगत देर शाम तकरीबन 6:45 बजे अपराधियों ने प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर काम कर रहे मनीष घोष को गोली मार मौत के घाट उतार दिया। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों और परिजनों के द्वारा आनन फानन में त्वरित इलाज के लिए

घायल अकाउंटेंट को मायागंज अस्पताल लेजाया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गौरतलब हो कि पिछले 17 तारीख को युवक की शादी हुई थी और देर शाम में वह अपने ऑफिस जीरोमाइल से अपने घर लालूचक जा रहा था। इसी क्रम में रास्ते में पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने उसे गोली मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्राइवेट कंपनी में काम कर रहे अकाउंटेंट मनीष घोष की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई, जिससे उनके चाहने वाले लोगों की भीड़ मायागंज अस्पताल परिसर में उमड़ पड़ी जहां शुभचिंतक व परिवार के लोगों ने न्याय की मांग को लेकर घंटो बवाल काटा है। वही लोदीपुर थाना अध्यक्ष व उनकी पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

वही पुलिस घटना की जांच को लेकर आसपास के सीसीटीवी कैमरे को खंगालने में जुट गयी है, साथ ही पुलिस घटना के कारण का भी पता लगाने में जुट गई है। वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही परिजन और आम लोग पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े कर रहे हैं। परिजनों व आम जनों का साफ तौर पर कहना है कि लोदीपुर थाना क्षेत्र में आए दिन गोलीबारी लूट कांड जैसी घटनाएं होती रहती हैं। वही सुबह में भी एक लूट की घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया है, फिर अपराधियों ने देर शाम गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है, कहीं न कहीं पुलिस प्रशासन के उदासीन रवैया और कार्यशैली पर एक सवाल खड़ा कर रही है। वही आसपास के लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द पुलिसिया कार्रवाई दुरुस्त की जाए और मृत युवक मनीष घोष को न्याय दिलाया जाय। जिससे उनके हत्यारे को ढूंढ कर जल्द से जल्द सजा मिल सकें। वही घटना से आहत हुए मृतक मनीष घोष के ममेरे भाई राम नारायण दास ने बताया कि मेरे भाई की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, वह रोज की तरह अपने काम से जीरोमाइल स्थित ऑफिस से अपने घर वापस आ रहे थे, इसी दरमियान कुछ अपराधियों ने उन्हें गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। वही ममेरे भाई रामनारायण ने बताया कि मनीष शांत स्वभाव का था, उसकी किसी से भी कोई दुश्मनी नहीं थी। वही जिस प्राइवेट कंपनी के ऑनर कौशल सिंह घटना को लेकर बताया कि मेरे साथ मृतक मनीष विगत 8 साल से काम कर रहा था, वह बहुत ही शांत स्वभाव का था, साथ ही उन्होंने घटनास्थल पर से एसएसपी को भी कॉल लगाया पहले तो एसएसपी ने कॉल रिसीव नहीं किया उसके कुछ देर बाद एसएसपी ने जब कॉल उठाया तो इस पर जल्द से जल्द संज्ञान लेने की बात कही। वहीं घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। नई नवेली दुल्हन के अभी हांथ की मेहंदी के रंग भी नहीं उतरे थे, जिसके समझ बिरान जिंदगी का दृश्य देखने को मिल गया। वही घटना से आहत हो युवती का अपने जीवनसाथी के मृत शव को देखकर चीत्कार के माहौल में तब्दील हो गया। जहां उसका रो-रो कर बुरा हाल है साथी ही उसके जितने भी चाहने वाले लोगों के बीच इसकी हुई मौत से आहत होकर सदमे में है।

अब हर बच्चों को मिलेगा अधिकार- रोटी खेल पढ़ाई और प्यार : एसएसपी

भागलपुर प्रमंडल के पुलिस ने बाल श्रम के विरुद्ध कसी कमर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। हर बच्चे का है अधिकार रोटी, खेल, पढ़ाई और प्यार इस स्लोगन को लेकर मानव दुर्व्यवहार पर हित धारकों के लिए समाहरणालय स्थित समीक्षा भवन में भागलपुर, बांका और नवगछिया श्रम विभाग एवं पुलिस विभाग का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार, बांका एसपी व नवगछिया एसपी के अलावे कई वरीय पदाधिकारी इस एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित थे। वही एसएसपी आनंद कुमार ने कार्यक्रम को लेकर बताया कि बच्चों पर हो रहे अन्याय व उनके बचपन को छीन कर लोग उसे व्यवसाय में लगा देते हैं, न तो उन्हें उचित खाना मिल पाता है, ना ही बच्चे खेल पाते हैं, ना ही वह पढ़ाई कर पाते हैं और ना ही उसे बचपन का प्यार मिल पाता है, जो भी बाल श्रम के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उस पर नकेल कसी जाएगी, और पढ़ने लिखने वाले उम्र में काम करने वाले बच्चों को वैसे दुकानों कारखानों और होटलों से मुक्त कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भागलपुर बांका और नवगछिया के श्रम विभाग एवं पुलिस विभाग के दर्जनों पदाधिकारी व कमचारी मौजूद थे।

जगह जगह मिलती है शराब 'यह मैं नहीं कर रही तस्वीर बयां

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। पूरे सूबे सहित भागलपुर के हर गली मोहल्ले में मिलते हैं शराब यह मैं नहीं कह रहा, यह सीधी तस्वीर बयां कर रही है, जब नशे में धुत एक शराबी से पूछा गया कि आखिर बिहार में शराबबंदी होने के बावजूद आपने शराब कहां से पी तो उनका जवाब ही अनोखा था उसने साफ तौर पर कहा कि शराब हर जगह मिलती है।शराबबंदी वाले बिहार में शराब पीकर सड़कों पर लगातार बेसुध पड़े लोग आपको मिल जाएंगे, ऐसा ही कुछ मामला इशाकचक थाना क्षेत्र स्थित मुंदीचक हनुमान मंदिर के पास से सामने आया है। शाम के वक्त हनुमान मंदिर के पास बेशुध नशे में धुत एक शराबी घंटों सड़क के किनारे गिरा हुआ देखा गया, आसपास के लोगों के द्वारा बेशुद्ध पढ़ें शराबी को उठाया गया और जब पूछा गया कि उसने शराब कहां से पी है, तब उसने बड़ा ही आश्चर्यजनक जवाब देते हुए कहा कि शराब तो हर जगह मिलती है। वहीं आम लोगों द्वारा उस व्यक्ति को ई रिक्शा पर बिठाकर घर भेज दिया गया। अब सवाल यह उठता है कि जहां मुख्यमंत्री नशा मुक्त बिहार बनाने के लिए एक से बढ़कर एक वायदे करते दिख रहे हैं तो वही पूरे सूबे में हर गली मोहल्ले में शराब की बिक्री अवैध रूप से हो रही है, और आए दिन लोग सड़कों के किनारे नशे में धुत गिरे मिलते हैं, इसके जिम्मेदार आखिर कौन हैं, जबकि पुलिस अवैध रूप से शराब तस्करी करने वालों पर नकेल भी कस रही है, फिर भी नशे के व्यापारी बाज नहीं आ रहे, शायद यह तस्वीर यह बयां कर रही है कि बिहार में पूर्णरूपेण शराबबंदी नहीं है।अगर पूर्णरूपेण शराबबंदी रहती तो शायद शराब पीकर लोगों की मौत नहीं होती।

नीरा बेचने बिक्रय हेतू जारी नहीं की लाइसेंस

भागलपुर। बिहार सरकार एक तरफ पूरे सूबे में शराब बंदी पर पूर्णतः रोक लगा दी है तो वहीं दूसरी तरफ बिहार सरकार ने पासी समाज के लोगो के लिए नीरा बेचने के लिए लाइसेंस जारी कराने की दिशा में नीरा विक्रेता काउंटर खोलने की घोषणा कर दी थी, लेकिन अब सरकार पासी समाज के लोगो के लिए नीरा बेचने पर भी प्रतिबंध लगा दी है। वही मामले को लेकर पासी समाज के लोगो ने बताया की नीरा बेच कर हमलोग जीवन यापन करते थे, लेकिन सरकार के द्वारा नीरा बेचने के लिए पिछले वर्ष लाइसेंस दिया गया था। इस बार नीरा बेचने के लिए लाइसेंस नहीं दिया गया है। इसके लिए पासी समाज के लोग अपने व्यवसाय के लिए प्रखंड से अनुमंडल अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर लगा रहे है। वही पासी समाज के लोगों ने कहा की एक तो हमलोगो को लाइसेंस नहीं दिया जा रहा है तो दूसरी ओर पुलिस प्रशासन हमलोगों को नीरा व्यवसाय करने पर गिरफ्तार कर जेल भेज रही है, ऐसे में हमलोगों का परिवार भूखे मरने के कगार पर है। वही पासी समाज के लोगों की बिहार सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द नीरा बेचने के लिए लाइसेंस दिया जाय। जिससे परिवार जीविका उपार्जन की दिशा में आर्थिक रूप से मददगार साबित हो।

शिक्षकों ने सरकार के विरुद्ध शुरू हुआ आंदोलन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। शिक्षक नियमावली 2023 के लागू होते ही पूरे बिहार के शिक्षक काफी आक्रोशित है, शिक्षकों का साफ तौर पर कहना है कि सरकार जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं करेगी, तब तक हम लोग आंदोलन जारी रखेंगे।

यह प्रदर्शन पूरे सूबे में एकसाथ हर जिले में चल रहा है, मामले को लेकर जिले भर में भी शिक्षकों का गुस्सा फूट पड़ा और सभी शिक्षक सरकार के विरुद्ध रोड पर उतर आए है, माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों के द्वारा घंटाघर चौक से अपनी मांगों को लेकर विरोध मार्च निकाला गया, जो समाहरणालय के समीप पहुंच कर समाप्त हुआ। इस दौरान शिक्षकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सहित बिहार के शिक्षा मंत्री के विरोध में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों की मांग है कि 2023 शिक्षाक नियमावली को सरकार वापस ले। वहीं राज्य कर्मी का दर्जा शिक्षकों को दिया जाए, पुरानी पेंशन नीति लागू की जाए, और ऐच्छिक ट्रांसफर लागू किया जाए। जिसको लेकर शिक्षकों के द्वारा जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इन लोगों का कहना है कि अगर सरकार इनकी बात नहीं मानती है, तो विधानसभा घेराव किया जाएगा, और मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

प्रशासन की अनदेखी से घटित हो सकता है बड़ा हादसा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। रेलवे प्रशासन जहां यात्रियों को सुविधा देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा का दावा करती है। वही दूसरी तरफ भागलपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे प्रशासन और रेलवे पुलिस की सबसे बड़ी लापरवाही बढ़तने का मामला सामने आया है।प्रशासन की अनदेखी से कभी भी बड़ा हादसा

घटित हो सकता है। जो तस्वीर अब हम आपको दिखा रहे हैं उसमें कुछ कहने की जरूरत नहीं है। तस्वीर खुद बता रही है कि आम लोगों की लापरवाही और रेल पुलिस की अनदेखी के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है। स्टेशन के दो नंबर प्लेटफार्म पर जमालपुर रामपुरहाट पैसेंजर ट्रेन आने वाली है, और पटरी पर लोग दूसरी ओर खड़े होकर जान जोखिम में डालकर ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं। वही इस ट्रेन के खुलने के बाद प्लेटफार्म संख्या एक पर क्यूल मालदा ट्रेन आ रही है और इसमें भी आप वही हाल देख रहे हैं।

राजद नेताओं पर कार्यवाही की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। बागेश्वर धाम के संत पंडित धीरेंद्र शास्त्री और ब्राह्मणों के खिलाफ बोलने वाले राजद नेताओं पर कार्रवाई करने की मांग करते हुए हिंदुत्ववादी भाजपा नेता शैलेन्द्र चौधरी ने कहा है कि हिम्मत है तो इस्लाम, ईसाई धर्म प्रचारकों पर टिप्पणी करके राजद वाले दिखाए।देश को कर्बला बनाने की धमकी देने वालों पर राजद चुप क्यों है? पहले राजद को नफरती बयानों के सूरमा जगदानंद और प्रोफेसर चंद्रशेखर के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद ने जब राम मंदिर को "नफरत की जमीन पर बनने वाला" धर्मस्थल कहा, तब क्या वह करोड़ों राम-भक्तों के प्रति नफरत और द्वेष से भरा बयान नहीं था? लालू प्रसाद ने मौन रह कर इस बयान का समर्थन किनका वोट पाने के लिए किया था।

उन्होंने कहा कि सत्ता में लौटते ही राजद एक तरफ हिंदू संस्कृति, राम मंदिर, रामचरित मानस,पंडित धीरेंद्र शास्त्री जैसे संतों और ब्राह्मणों पर अमर्यादित टिप्पणी कर रहा है, तो दूसरी तरफ एम-वाई समीकरण के दुर्दांत अपराधियों तक को जेल से रिहा करवा रहा है।

राजद के मंत्रियों और पदाधिकारियों में यदि हिम्मत है, तो वे इस्लाम और ईसाई पंथ के प्रचारकों पर भी टिप्पणी करे।जब महागठबंधन के एक एमएलसी ने पूरे देश को कर्बला (युद्ध भूमि) बना देने की धमकी दी, तब क्या यह नफरती बयान नहीं था? राजद ने उस बयान की निंदा करने का भी साहस नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि जब भ्रष्टाचार के कारण राजद सत्ता से बाहर होता है, तब इन्हें हवन-पूजन, मंदिर, काशी-वृन्दावन और ब्राह्मणों की याद आती है, लेकिन सत्ता मिलते ही ये लोग अहंकार में आकर ब्राह्मणों को विदेशी बताने लगते हैं। इनको ये समझने की जरुरत है ब्राह्मण को शास्त्र के साथ साथ शस्त्र का भी ज्ञान हैं। ये राजद के नेता उसी अधर्मी क्षत्रिय के तरह हैं जिस अधर्मी का विनाश भगवान परशुराम ने किया। क्योंकि ब्राह्मण कुंडली बनाना भी जानता है और कुंडली बिगाड़ना भी।

लोजपा(आर) के महिला प्रकोष्ठ की हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर सदर। बुधवार को नौवागढी में लोकपाल (आर)के महिला प्रकोष्ठ की संगठन की संगठनात्मक कार्य की समीक्षा बैठक लोजपा (आर) कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता लोजपा(आर)के महिला प्रकोष्ठ के महिला अध्यक्ष निशी शर्मा ने किया बैठक। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष

स जिला प्रभारी पिंकी वर्मा एवं जिला अध्यक्ष विनय कुमार गुड्डू उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव सुनीता देवी एवं प्रदेश सचिव कलावती देवी उपस्थित थी। मुख्य अतिथि पिंकी वर्मा ने कहा कि आधी आबादी की हिस्सेदारी को लेकर लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान कटिबद्ध है! वर्तमान बिहार सरकार के गलत नीति के कारण जहरीली शराब के कारण कई महिलाओं की घर उजड़ गया !ऐसा प्रतीत होता है की बिहार सरकार महिला विरोधी एवं गरीबों का शुभचिंतक नहीं हो सकता। जिला अध्यक्ष विनय कुमार गुड्डू ने कहा कि बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के मिशन को आगे बढ़ाना है ' एवं संगठन का विस्तार पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक करें ' आगामी लोकसभा और विधानसभा को देखते हुए सभी कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाते रहे। बैठक में मुख्य रूप से गायत्री देवी ,कंचन देवी ,ज्योत्सना देवी ,सुषमा सिन्हा ,संसदीय बोर्ड के जिला अध्यक्ष पवन मंडल, अनीता देवी ,ललिता दास ,नर्मदा राज ,ललिता देवी ,संजू देवी आदि मौजूद थे।

रामानंद प्रसाद के नाम पर पूर्णिया में शीघ्र बनेगा सामुदायिक भवन : खेमका

पूर्णिया। जिला भाजपा के भीष्म पितामह रामानंद प्रसाद के नाम पर एक सामुदायिक भवन का निर्माण जल्द ही विधायक निधि से किया जाएगा। यह बातें पूर्णिया विधायक विजय खेमका ने स्वर्गीय रामानंद प्रसाद की पांचवी पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हीं के निवास स्थान पर आयोजित पुण्यतिथि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जनसंघ एवं भाजपा में उनके योगदान को कभी भी नकारा नहीं जा सकता। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वर्गीय रामानंद प्रसाद के राजनीतिक शिष्य अधिवक्ता दिलीप कुमार दीपक ने किया। मंच संचालन अधिवक्ता गौतम वर्मा ने किया। समाजसेवी विजय श्रीवास्तव ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि भाजपा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले रामानंद प्रसाद की जन्म तिथि एवं पुण्यतिथि भाजपा संगठन के द्वारा आयोजित नहीं की जाती है। किसान नेता अनिरुद्ध प्रसाद मेहता ने कहा कि रामानंद प्रसाद की प्रेरणा से किसान और मजदूर के क्षेत्र में कार्य करने के लिए अग्रसर हुए। वे हमारे गुरु थे तथा समय-समय पर मुझे आगे बढ़ाकर कार्य करने के लिए लिए हमेशा प्रेरित किया करते थे। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल रंजन वर्मा ने कहा कि रामानंद प्रसाद, दिलीप कुमार एवं जनक लाल यादव हमारे मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने रामानंद जी से संबंधित कुछ संस्करण भी सुनाएं। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रामनारायण मेहता ने कहा वे हमारे भी गुरु थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाद जनसंघ और भाजपा में उनका मार्गदर्शन हमेशा मिलता रहा। अध्यक्षीय भाषण में अधिवक्ता दिलीप कुमार दीपक ने कहा उनके तीन राजनीतिक गुरु थे जिसमें रामानंद प्रसाद, सुधीर प्रसाद चौधरी एवं हीरानंद जिठानी रहे। इन्हीं तीनों की बदौलत आज मेरी पहचान है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय नेता नानाजी देशमुख एवं कैलाशपति मिश्रा के आग्रह पर उन्होंने केंद्रीय सरकार की नौकरी पोस्ट मास्टर का पद का परित्याग कर राष्ट्र की सेवा में अपने आप को समर्पित कर दिया था।

एनीमिया मुक्त कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन कार्यक्रम आयोजित

पूर्णिया। जिला एवं प्रखंड स्तर पर एनमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन कार्यक्रम लगातार केयर इंडिया के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। ऐनामिया मुक्त भारत कार्यक्रम में देशस्तर पर प्रखंड अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र में कक्षा वर्ग 1 से लेकर कक्षा 5 तक के बच्चे को आयरन की गुलाबी गोली खिलाया जाता है। कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के बच्चे में आयरन की नीली गोली वितरण किया जाता है। समाज के सभी वर्गी की माताएं गर्भवती महिलाएं धात्री माताएं 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को स्वास्थ्य विभाग के तरफ से आयरन की गोली कफसिरफ प्रदान किया जाता है। गर्भवती माहिलाओं को लाल रंग की गोली 180 दिनों तक प्रतिदिन एक गोली खाना है। धात्री माताओं को 180 दिनों तक प्रस्रव से छःमाह तक एक गोली खाना है। 65 वर्ष लेकर 10 वर्ष तक के बच्चों को एक गोली गुलाबी रंग की प्रति बुधवार 10 वर्ष से 19 वर्ष के बच्चे को एक नीली गोली प्रति बुधवार 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चे को 1 मिली ग्राम कफसिरफ बुधवार एवं शनिवार को खिलाया जाता है।

'स्कूल चले हम' अभियान के तहत एक भी बच्चा छूटे नहीं : जिलाधिकारी

पूर्णिया। जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में संबंधित विभागीय पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक बैठक का आयोजन समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आहूत की गई। इस बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन, जिला परिवहन पदाधिकारी जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर पूर्णिया एवं धमदाहा, निर्देशक डीआरडीए जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी जिला नीलाम पत्र वाद, अग्रणी बैंक प्रबंधक, मैनेजर डीआरसीसी कार्यपालक अभियंता पीएचईडी एवं बाढ़ निस्सरण प्रमंडल पूर्णिया, डीपीओ आईसीडीएस तथा अनुमंडल एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष तथा तथा प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।जिलाधिकारी द्वारा विभाग वार संचालित योजनाओं की प्रगति एवं उपलब्धि की गहन समीक्षा की गई। जाति आधारित गणना, मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट योजना, अस्पताल एवं विद्यालय के लिए भूमि की उपलब्धता, प्रधानमंत्री आवास योजना, मोटेशन, लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, मुख्यमंत्री के जनता दरबार से प्राप्त आवेदनों के निष्पादन, न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग से प्राप्त पत्रों का निष्पादन,लोक सेवाओं के अधिकार अधिनियम, शिक्षा विभाग, आईसीडीएस, आपूर्ति विभाग, जिला भू अर्जन, कल्याण, आपदा, मनरेगा, पीएचईडी बाढ़ नियंत्रण एवं संबंधित विभागों की समीक्षा के क्रम में उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जाति आधारित गणना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सभी चार्ज पदाधिकारी के कार्यों की समीक्षा के दौरान विभागीय पोर्टल पर डाटा की प्रविष्टि गुणवत्तापूर्ण ऑफलाइन एवं ऑनलाइन सत प्रतिशत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी डीसीएलआर एवं संबंधित सीओ को निर्देश दिया गया कि स्वास्थ्य केंद्र एवं भूमिहीन विद्यालयों के लिए भूमि की उपलब्धता निर्धारित समय सीमा के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया की खाद्यान्न उठाव के कारण 5 विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन बाधित है। इसे गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी द्वारा डीएम एसएफसी से स्पष्टीकरण की पृच्छा की गई। साथ ही साथ हिदायत दी गई कि एक भी विद्यालय में मध्याह्न भोजन बाधित नहीं हो इसे सुनिश्चित करें। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 208 विद्यालय पंचायतों में हाई स्कूल के रूप में संचालित हैं। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि उक्त विद्यालयों में उन्नयन क्लासेस का संचालन करें जहां पर शिक्षकों की कमी है। अच्छे शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण छात्रों को शिक्षा देने की व्यवस्था करें। छात्र अपना प्रश्न भी शिक्षकों से कर सकते हैं। क्लासेज कोर्स के माध्यम से बच्चों को नोट्स क्रास कोर्स कराया जाएगा। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि शिक्षा के स्तर की प्रगति में सुधार लाना है।

खुली एवं स्वच्छ हवा में अधिक समय व्यतीत करना चाहिए: एसीएमओ

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। पूरे विश्व के लोगों तक अस्थमा से जुड़ी हुई जानकारियों को पहुंचाने एवं बीमारियों से संबंधित बचाव एवं सुरक्षित रहने को लेकर उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष मई महीने के प्रथम मंगलवार को विश्व अस्थमा दिवस मनाया जाता है। दरअसल अस्थमा बीमारी को ठीक तो नहीं किया जा सकता, बल्कि अस्थमा के दौरे को उपचार के माध्यम से काफी हद तक कम किया जा सकता है। विश्व अस्थमा दिवस के दिन हीं नहीं बल्कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों के ओपीडी में इलाज कराने के लिए आए लोगों को सांस की बीमारी को लेकर जागरूक करने की आवश्यकता होती है। क्योंकि आए दिन शहर में प्रदूषण की समस्याओं से जूझना पड़ता है। लिहाजा अनिवार्य रूप से मास्क का प्रयोग या चेहरे को ढंकने के बाद ही घर से बाहर निकलना चाहिए। ताकि कई प्रकार की बीमारियों से बचाव एवं सुरक्षित रहते हुए अपना या अपने परिवार की सुरक्षा की जा सके।

सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने बताया कि अस्थमा एक ऐसी बीमारी है जो हमलोगों के फेफड़ों पर आक्रमण कर श्वसन प्रणाली को बुरी तरह से प्रभावित कर देती। ऐसे में अस्थमा के मरीजों की सहायता करना हम सभी की जिम्मेदारी होनी चाहिए। द ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर

पोन्नियन सेल्वन 2 ने वर्ल्डवाइड की 200 करोड़ की कमाई

ऐश्वर्या राय स्टारर फिल्म पोन्नियन सेल्वन सेल्वन 2 ने रिलीज के चौथे दिन बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपए की कमाई पूरी कर ली है। डायरेक्टर मणि रत्नम की एंटरटेनमेंट कंपनी मद्रास टॉकीस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिल्म के 200 करोड़ क्लब में एंट्री करने की जानकारी दी। फिल्म 28 अप्रैल को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी।

मद्रास टॉकीज के वीडियो शेयर कर की जानकारी

मद्रास टॉकीज के ट्विटर हैंडल ने फिल्म की कमाई बताते हुए छोटी वीडियो क्लिप शेयर करते हुए लिखा– पीएस 2 ने लंबी छलांग मारी है। फिल्म ने बॉक्स–ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपए की कमाई पूरी कर ली है। साथ ही हैशटैग के साथ लिखा– चोला वापस आ गए हैं। पीएस 2 बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया परफॉर्म कर रही है। इस पोस्ट पर एक फैन ने लिखा– सिर्फ 4 दिनों में 200 करोड़ क्लब में शामिल हो गई पीएस–2! इसका मतलब है कि ये फिल्म 45+ दिनों में करीब 3000+ भी कर सकती है। वहीं, एक यूजर ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस तृषा और तमिल एक्टर कार्थी को टैग करते हुए लिखा– ये कमाई आपकी है।

कृष्णमूर्ति की नॉवेल पोंनियिन सेल्वन पर बेस्ड है फिल्म

पोन्नियन सेल्वन 2, 2022 में रिलीज हुई फिल्म पोन्नियन सेल्वन का सीक्वल है। फिल्म कल्कि कृष्णमूर्ति की नॉवेल पोंनियिन सेल्वन पर बेस्ड है। फिल्म पोन्नियन सेल्वन कल्कि कृष्णमूर्ति की नॉवेल के तीन पार्ट्स पर बेस्ड थी। जबकि, पोन्नियन सेल्वन 2 बचे हुए दो पार्ट्स पर बेस्ड है। फिल्म में ऐश्वर्या राय, विक्रम, तृषा, जयराम रवि, कार्थी, ऐश्वर्या लक्ष्मी, शोभिता धूलिपाल, प्रकाश राज, जयाम, प्रभु, आर सारतकुमार, पार्थीबन, विक्रम प्रभु जैसे एक्टर्स ने चोला साम्राज्य की कहानी को आगे बढ़ाया है। एक्टर कमल हसन ने फिल्म का नैरेशन किया है। ए आर रहमान ने फिल्म को म्यूजिक दिया है। मणि रत्नम के मद्रास टॉकीज और सुबासकरण के लाइका प्रोडक्शन में फिल्म को मिलकर प्रोड्यूस किया है।

ऐश्वर्या ने फिल्म में किया है डबल रोल

फिल्म में जयाम (रवि मोहन) ने राजराजा चोला 1 का किरदार निभाया है जबकि ऐश्वर्या ने डबल रोल किया है। ऐश्वर्या ने पझुवूर की खूबसूरत रानी नंदिनी और उनकी मां मंदाकिनी देवी दोनों का रोल किया है। वहीं तृषा ने चोला साम्राज्य की राजकुमारी कुंदवाई का किरदार निभाया है। ये फिल्म वर्ल्डवाइड हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में रिलीज हुई है। फिल्म का नाम चोला साम्राज्य के पहले राजराजा 1 – अरुलमोझी वर्मन के दूसरे नाम से लिया गया है। इसका मतलब है– कावेरी पुत्र। दरअसल, ऐसा माना जाता है कि बचपन में राजराजा को कावेरी नदी ने डूबने नहीं दिया था और उनकी जान बचाई थी। इसलिए उन्हें कावेरी पुत्र भी कहा जाता है।

डेब्यू करते ही शहनाज गिल के हाथ लगी लॉटरी, जमकर मिल रही बधाई

रियलिटी शो का हिस्सा बनकर देश भर में अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल ने फाइनली सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर लिया है। यूं तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर रही है, लेकिन पंजाब की कटरीना कैफ की एक्टिंग को दर्शक काफी सराह रहे हैं। वहीं, डेब्यू के साथ ही शहनाज ने नया घर खरीद लिया है, जिसकी खुशी एक्ट्रेस बकायदा पोस्ट कर साझा करती नजर आई हैं। शहनाज गिल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर कुछ स्क्रीनशॉट्स साझा किए हैं, जिनमें उनके लिए फैंस की ओर से आई बधाइयां हैं। ये बधाई शहनाज के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नहीं बल्कि उनके नए घर को लेकर है। हालांकि, शहनाज ने अपना नया घर मुंबई के किस इलाके में खरीदा है और इसकी कीमत क्या है इसको लेकर अब तक कोई खुलासा नहीं किया है। शहनाज गिल ने बीते दिन अपने चैट शो देसी वाइब्स में बतौर गेस्ट आए यूट्यूबर भुवन बाम को बताया था कि उन्होंने मुंबई में नया घर खरीदा है, लेकिन उसमें आने के लिए गेस्ट को कुछ नियम फॉलो करने होंगे। इस तरह, सना की सफलता को देखकर उनके फैंस खुशी से झूम उठे हैं और दिल खोलकर शुभकामनाएं दे रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, शहनाज गिल ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में रियलिटी शो बिग बॉस 13 से एंट्री ली थी। इसके बाद उन्हें अपने चैट शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल से खूब सफलता हासिल हुई है। वहीं, एक्ट्रेस ने भाईजान सलमान खान के साथ फिल्म किसी का भाई किसी की जान के जरिए बड़े पर्दे पर पांव जमाने की पूरी कोशिश की है। इसके अलावा शहनाज म्यूजिक एल्बम में भी खासा एक्टिव देखी जाती हैं।

तितली में नजर आएगी नेहा सोलंकी और अविनाश मिश्रा की जोड़ी

स्टारप्लस अपने दर्शकों के लिए एक असामान्य और पहले कभी न देखी गई एक प्रेम कहानी लेकर आया है जिसका नाम है तितली। यह शो आपको रोमांस के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर देगा कि क्या यह असल में प्यार है? स्टारप्लस ने पहले भी नए टैलेंट्स को पेश किया है और आज तक अपनी बात पर बना हुआ है। तितली के साथ, स्टारप्लस एक बार फिर प्रतिभाशाली अभिनेत्री – नेहा सोलंकी को लॉन्च करने जा रहा है। नेहा तितली में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। दर्शकों को इस किरदार के अलग–अलग रंग देखने को मिलेंगे, जिनमें एक महत्वाकांक्षी युवा महिला से लेकर भावनात्मक रूप से कमजोर होना तक शामिल हैं। तितली शो एक ट्विस्टेड प्रेम कहानी है, जिसमें तितली नाम की एक खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की अपने आदर्श साथी की तलाश में रहती है, ताकि उसके साथ वह अपनी सपनों की दुनिया बसा सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या सचमें वह खुशी भरी जिंदगी बिता पाएगी? तितली में नेहा सोलंकी के अपोजिट अविनाश मिश्रा हैं जो गर्व का किरदार निभा रहे हैं। निर्माताओं ने इस नए शो तितली से नेहा सोलंकी और अविनाश मिश्रा का पहला लुक जारी कर दिया है। निर्माताओं ने हाल ही में तितली शो का प्रोमो जारी किया है, जहां यह देखा जा सकता है कि तितली एक जिंदादिल, प्यार करने वाली लड़की है और अपने आज में जीना पसंद करती है। तितली आशावादी होने में विश्वास करती है और अपने सपनों के राजकुमार के साथ अपना जीवन जीने के लिए उत्सुक है। तितली एक युवा महिला का प्रतिनिधित्व करती है, जो अपने राजकुमार से मिलने, शादी करने के साथ हमेशा खुशी से जीने की आकांक्षा रखती है। तितली के अपने आकर्षक राजकुमार से शादी करने के सपने बेहद आम से हैं और वह शाहरुख खान जैसे किसी हीरो से शादी नहीं करना चाहती, बल्कि उसका मानना है कि प्यार की परिभाषा सामान्य भी हो सकती है। यह भी देखा जा सकता है कि एक फूल की दुकान में काम करने के दौरान उसकी मुलाकात गरव से होती है। यह भी देखा जा सकता है कि तितली और गर्व के जीवन में तितली क्या महत्व रखती है।

मुझे खुशी है कि मेरी ये फिल्म बाहुबली जैसी नहीं है

जाने-माने तमिल निर्माता-निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियन सेल्वन-भाग एक दुनियाभर में पसंद किया गया। हाल ही में रिलीज हुई दूसरे भाग को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। मणिरत्नम ने हमसे अपनी फिल्म, फिल्मों के अनुभव और आने वाले दिनों के प्लान के बारे में खास बातचीत की

आपकी फिल्म पीएस 1 ने पूरी दुनिया में 500 करोड़ का कलेक्शन किया था। अब पीएस 2 से आपकी क्या उम्मीदे हैं?

हमारी कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारी फिल्म को देखें और उसे पसंद करें। हम इसकी कमाई के आंकड़ों पर इतना ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं। फिल्म बनाने वक्त भी मेरी यही कोशिश थी कि जब पहले भाग को लोगों ने इतना पसंद किया, तो दूसरे भाग को दर्शकों के लिए और ज्यादा बेहतर बनाने की जिम्मेदारी मुझ पर थी।

क्या आप आगे भी इस तरह की ऐतिहासिक फिल्म बनाने की सोच रहे हैं?

अगर ईमानदारी से कहूं तो अभी मेरे जहन में ऐसा कोई भी विचार नहीं है। अभी मैं इस बारे में कुछ सोच नहीं रहा हूं। फिलहाल मेरा कोई दूसरी ऐतिहासिक फिल्म बनाने का विचार नहीं है।

आजकल साउथ की भाषाओं की हिंदी डब फिल्में हिंदी भाषी दर्शकों के बीच काफी पॉप्युलर हो रही हैं। इस बारे में आपकी क्या राय है?

मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छा ट्रेंड है कि अगर हम किसी भी भाषा में फिल्म बनाते हैं और वह देश के हर कोने में पसंद की जाती है, तो इसे अच्छा ही कहा जाएगा। अगर लोग किसी फिल्म को उसके अच्छे कॉन्टेट के चलते देखना पसंद कर रहे हैं, तो यह उसके निर्माता और कलाकारों के लिए खुशी की बात है।

दूसरी ओर साउथ की फिल्मों की रीमेक हिंदी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो रही हैं। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मुझे लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री में अच्छा और मुश्किल दौर आता रहता है। हो सकता है यह भी वही दौर हो। मुझे लगता है कि हमारे बीच बहुत अच्छा टैलंट मौजूद है। उनमें बहुत सारे अच्छे फिल्ममेकर्स और ऐक्टर्स हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि जल्द ही हम इस फेज से भी निकल जाएंगे और अच्छी फिल्में आएंगी।

साउथ की हिंदी में डब सफलतम फिल्मों की बात करें, उनमें तेलुगू की बाहुबली, आरआरआर, पुष्पा तथा कन्नड़ की केजीएफ और कांतारा का नाम प्रमुख हैं। लेकिन तमिल फिल्मों ने ऐसा कोई कमाल नहीं किया?

मैंने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं ली है। आपने ही मुझे इस बारे में बताया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारी फिल्म पीएस 2 इस संदेह को दूर करेगी।

बहुत से लोग पीएस 1 की फिल्म बाहुबली से तुलना करते हैं, आप इस बारे में क्या सोचते हैं?

मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहूंगा। मेरा मानना है कि यह फिल्म बाहुबली जैसी नहीं लगती है, क्योंकि हम ऐसा नहीं चाहते थे। यह एक ऐतिहासिक फिक्शन है, लेकिन यह अभी भी वास्तविकता से थोड़ी अलग है। इसलिए मुझे खुशी है कि यह बाहुबली जैसी नहीं है। हर फिल्ममेकर अपनी अगली फिल्म को पिछली फिल्मों से अलग बनाना चाहता है।

पिछले दिनों आपने कहा था कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को खुद को बॉलिवुड नहीं कहना चाहिए। क्या इससे भाषाई फिल्म इंडस्ट्री के मदद मिलेगी?

नहीं इससे दूसरी भाषाओं की इंडस्ट्री के लिए मदद नहीं होगी, बल्कि मैंने ऐसा इसलिए कहा था यह भारतीय फिल्म उद्योग के लिए अच्छा रहेगा। इससे दुनिया में लोग भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को बॉलिवुड के नाम से नहीं जानेंगे।

ओटीटी के बारे में आप क्या सोचते हैं। क्या आप ओटीटी के लिए भी कुछ बनाना चाहेंगे?

मुझे लगता है कि यह हर फिल्ममेकर के लिए अच्छा मौका है। जब फिल्ममेकर के पास कोई बड़े फॉर्मेट वाली कहानी हो, तो आप हर कहानी को दो या ढाई घंटे के समय में पूरा नहीं कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि कई अच्छे फिल्ममेकर पहले से ही बड़े फॉर्मेट वाली कहानियों पर काम कर रहे हैं। ये अच्छी चीज है।

कियारा ने पूरी की सत्यप्रेम की कथा की शूटिंग

भूल भुलैया 2 की जबरदस्त सफलता के बाद कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की जोड़ी एक बार फिर फिल्म सत्यप्रेम की कथा में नजर आने वाली है। वहीं अब कियारा आडवाणी ने इस फिल्म की अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के सेट से एक तस्वीर शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। तस्वीर में कियारा आडवाणी केक काटते नजर आ रही हैं। साथ ही कार्तिक आर्यन और फिल्म के क्रू मेबर्स भी दिख रहे हैं। इसके साथ कार्तिक आर्यन ने लिखा, कुछ दिन बाकी हैं लेकिन अब बिना कथा की शूटिंग खाली–खाली लगेगी... सत्यप्रेम को कथा की कमी खलेगी। इसके साथ कार्तिक ने कियारा की पोस्ट को भी रिपोस्ट किया है। इसमें लिखा है, यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, एक ऐसी यात्रा जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी, एक ऐसा अनुभव जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगी। सबसे भावुक कलाकारों और क्रू मेंबर्स के साथ काम करने का सौभाग्य, जिन्होंने हमारी फिल्म में अपना दिल और आत्मा लगाई है। उन्होंने लिखा, मैंने इस यात्रा में नए दोस्त बनाए हैं जिन्हें मैं हमेशा के लिए प्यार और महत्व दूंगी। मेरे निर्देशक सर, आपने जादू पैदा कर दिया है, कार्तिक आर्यन, शरीन मंत्री, करण शर्मा मुझे ट्रिनिटी याद आएगी। गजराव सर, सुप्रिया पाठक मेम, अनुराधा पटेल और हमारी पूरी कास्ट बनाने के लिए धन्यवाद मैं आपके शानदार प्रदर्शन के साथ एक बेहतर कलाकार बनी हूं। और मेरे अपने दस्ते के लिए इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के माध्यम से मेरा ठोस समर्थन करने के लिए धन्यवाद। सत्य प्रेम की कथा, साजिद नाडियाडवाला की एनजीई और शरीन मंत्री केडिया और किशोर अरोड़ा की नम : पिक्चर्स के सहयोग से बनाई जा रही है। सत्यप्रेम की कथा 29 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कोई नई फिल्म साइन नहीं कर रहे सलमान खान! टाइगर 3 की रिलीज के बाद लेंगे फैसला

बॉलीवुड के दबंग सलमान खान की नई फिल्म किसी का भाई किसी की जान हाल ही में ईद के मौके पर रिलीज हुई है, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही है। 100 करोड़ रुपये के आंकड़े को छूने में फिल्म का दम निकल गया। फेस्टिव रिलीज होने के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रही। इस कारण अब सलमान नई फिल्मों को साइन करने के मूड में नहीं लग रहे हैं। दरअसल, सलमान खान अक्सर ईद के मौके पर अपनी फिल्म रिलीज करते हैं। इस बार भी ईद के मौके पर रिलीज हुई फिल्म उम्मीद के मुकाबले कमाई नहीं कर पाई। खबर आ रही है कि सलमान ने नई फिल्म को साइन करने से मना कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान को छह प्रोजेक्ट्स ऑफर किए गए हैं, लेकिन वह अभी कोई भी नया प्रोजेक्ट साइन करने से परहेज कर रहे हैं। सलमान खान अपनी अगली फिल्म टाइगर 3 का इंतजार कर रहे हैं, जो नवंबर में रिलीज होगी। दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली इस फिल्म की प्रतिक्रिया देखने के बाद ही सलमान अपनी अगली फिल्म को लेकर फैसला करेंगे। फिलहाल, दर्शकों को वह मनीष शर्मा के निर्देशन वाली टाइगर 3 में नजर आएंगे, जिसमें कटरीना कैफ मुख्य भूमिका में अभिनेता के साथ नजर आएंगी। वहीं, शाहरुख खान का फिल्म में कैमियो रोल होगा। बता दें कि अपनी फिल्मों के साथ–साथ सलमान जान से मारने की मिल रही कई धमकियों को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इंटरव्यू के दौरान सलमान ने अपनी सिक्योरिटी को लेकर कहा कि सुरक्षा, असुरक्षा से बेहतर है। अब सड़क पर साइकिल चलाकर अकेले कहीं जाना भी मुमकिन नहीं है। उससे भी बड़ी बात यह है कि अब मुझे यह समस्या होती है कि जब मैं ट्रैफिक में होता हूं तो इतनी सिक्योरिटी होती है कि गाड़ियों के कारण दूसरे लोगों को असुविधा होती है। यह एक गंभीर खतरा है, इसलिए सुरक्षा है।

एसी या फ्रिज खरीद रहे हैं तो समझ लें, एक स्टार बढ़ने से जेब ढीली होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है। गर्मियां जैसे-जैसे बढ़ रही हैं बाजार में एसी , फ्रिज से लेकर कूलर तक लोग खूब खरीद रहे हैं। बाजार में आजकल मिलने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर स्टार रेटिंग दी होती है। थ्री स्टार वाले प्रोडक्ट सस्ते होते हैं। वहीं 5 स्टार रेटिंग वाले प्रोडक्ट्स के दाम ज्यादा होते हैं। इसे खरीदने के लिए आपको अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स पर यह रेटिंग उनकी बिजली की खपत के आधार पर दी जाती है। 5 स्टार रेटिंग वाले प्रोडक्ट बिजली की कम खपत करते हैं। इसका असर सीधा आपके बिजली के बिल पर पड़ता है। लेकिन फाइव स्टार रेटिंग वाले प्रोडक्ट के लिए कितने रुपये ज्यादा खर्च करने पड़ते हैं और इनमें कितनी बचत होती है? क्या 5 स्टार रेटिंग वाले प्रोडक्ट्स लेना मुनाफे का सौदा रहता है। आइए समझते हैं स्टार रेटिंग और इससे होने वाली बचत का पूरा गणित।

5 स्टार फ्रिज पर कितनी बचत होगी: अगर थ्री स्टार और 5 स्टार फ्रिज की बात करें तो आमतौर पर दोनों के बीच करीब 3600 रुपये से 4 हजार रुपये का अंतर रहता है। अगर आप दिल्ली में रहते हैं और थ्री स्टार फ्रिज एक साल में करीब 1497के2एच बिजली की खपत करते हैं। इस हिसाब से एक साल में यह 7489 रुपये की बिजली खर्च करेंगे। अगर आप मुंबई में रहते हैं तो इतनी ही बिजली की खपत के लिए आपको एक साल में 11983 रुपये लगेंगे। अब अगर आप थ्री की जगह फाइव स्टार फ्रिज इस्तेमाल करते हैं तो यह एक साल में 937के2एच बिजली की खपत करेगा। दिल्ली में रहने वालों को एक साल में 4686 रुपये और मुंबई में रहने वालों को 7498 रुपये बिजली का बिल देना होगा। ऐसे में देखें तो थ्री की जगह 5 स्टार फ्रिज यूज करने पर एक साल में आपके करीब 2803 रुपये बचेंगे। वहीं मुंबई में रहने वालों के 4485 रुपये बचेंगे।

5 स्टार एसी कितने रुपये बचाएगा: बाजार में मिलने वाले थ्री और फाइव स्टार रेटिंग वाले एसी की बात करें तो दोनों के दाम में करीब 9500 से 10 हजार रुपये का अंतर है। अगर आप 1.5 टन एसी को रोजाना 8 घंटे चलाते हैं तो थ्री स्टार हर दिन 13.36के2एच बिजली की खपत करेगा। वहीं 5 स्टार हर दिन 10.56के2एच बिजली की खपत करेगा। इस हिसाब से दिल्ली में रहने वाले अगर छह महीना 5 स्टार एसी यूज करते हैं तो करीब 2560 रुपये बचाएंगे। मुंबई में रहने वाले 5 महीने में ही 3427 रुपयों की बचत कर लेंगे। इस तरह से करीब 3 साल 9 महीने में 5 स्टार एसी के लिए दिए गए अतिरक्त रूपये वसूल हो जाएंगे। वहीं आप हर साल बिजली के बिल में करीब 25 फीसदी की बचत करेंगे।

रॉकेट बन गया सरकारी कंपनी का यह शेयर, हर दिन कर रहा मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर लगातार तेजी से चढ़ रहे हैं। आज बुधवार के कारोबार में आरवीएनएल का शेयर 52-वीक के हाई 130 पर पहुंच गया। स्टॉक मंगलवार को बीएसई पर बंद भाव 118.40 से 3.8 प्रतिशत बढ़कर 123 प्रति शेयर पर खुला था। दिनभर के कारोबार में स्टॉक लगभग 10 प्रतिशत बढ़ गया था। आरवीएनएल के शेयरों में तीन कारोबारी सत्रों में 26 प्रतिशत का उछाल आया है। वहीं, पिछले एक महीने में यह शेयर 72.66 प्रतिशत चढ़ गया है। इस साल वायटीडी में 89.79 प्रतिशत चढ़ा है। सालभर में आरवीएनएल के शेयर 294.24 प्रतिशत चढ़ गए हैं।

शेयरों में तेजी की वजह : आरवीएनएल के शेयरों में तेजी के कई कारण हैं। बता दें कि रेलवे फर्म को कई ऑर्डर मिलने और नवर प्रतिशत का दर्जा मिलने के बाद शेयरों में उछाल आया है। कंपनी को एक के बाद एक कई बड़े ऑर्डर मिले हैं। आरवीएनएल ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, बजाज सागर परियोजना, बांसवाड़ा (राजस्थान) ऑन इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सिंगल रिस्पांसिबिलिटी टर्नकी आधार, जिसमें 10 साल का ओ एंड एम शामिल है। परियोजना की लागत 2,249 करोड़ रुपये है (आरवीएनएल का हिस्सा 51 प्रतिशत है और एससीसी का हिस्सा 49 प्रतिशत है)। कंपनी ने चेन्नई मेट्रो रेल (सीएमआरएल) चरण-द्वितीय परियोजना के तीन भूमिगत पैकेजों के लिए कुल 3,146 करोड़ रुपये का अनुबंध भी जीता। इसके अलावा, बीएसई के साथ हाल ही में कॉर्पोरेट फाइलिंग में, सार्वजनिक उद्यम विभाग ने आरवीएनएल को नवर प्रतिशत का दर्जा दिया। इस कंपनी पर पड़ा ईडी का छापा, निवेशक फटाफट बेचने लग गए शेयर, 14 प्रतिशत टूट गया भाव

क्या है टारगेट प्राइस

ट्रेंडलाइन के आंकड़ों के अनुसार, स्टॉक का औसत टारगेट प्राइस 86 रुपये है। रेल विकास निगम के लिए दो एनालिस्ट की आम सहमति की सिफारिश एक मजबूत बाय की है। तकनीकी रूप से आरवीएनएल 8 में से 8 एसएमए से ऊपर कारोबार कर रहा है।

18 साल बाद आ रहा टाटा की कंपनी का आईपीओ, सेबी की मिली मंजूरी, दांव लगाने के लिए रहे तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर बाजार में दांव लगा कर कमाई करने की सोच रहे हैं तो आपके पास एक शानदार मौका आ रहा है। दरअसल, सालों बाद एक बार फिर टाटा ग्रुप की एक कंपनी का आईपीओ आ रहा है। हम बात कर रहे हैं टाटा प्ले के आईपीओ की। टाटा प्ले के आईपीओ को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने हरी झंडी दे दी है। टाटा समूह की फर्म भारत की पहली कंपनी है जिसने आईपीओ के लिए बाजार नियामक के पास गोपनीय दस्तावेज दाखिल किए हैं। सेबी ने 26 अप्रैल को कंपनी के प्री-फिल्ड ऑफर डॉक्यूमेंट पर ऑब्जर्वेशन लेटर जारी किया था। टाटा प्ले 18 साल में आईपीओ लाने वाली समूह की पहली कंपनी हो सकती है। बाजार के सूत्रों के मुताबिक, कंपनी, कंपनी आईपीओ के जरिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसमें फ्रेश और सेकेंडरी शेयर सेल का मिश्रण हो सकता है। बता दें कि टाटा प्ले को अब आईपीओ लॉन्च करने से पहले एक अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (यूडीआरएचपी-1) दाखिल करना होगा। टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने भी मार्च में अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दायर किया था। उम्मीद है कि कंपनी को जल्द ही बाजार नियामक से हरी झंडी मिल जाएगी। टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ करीब 4,000 करोड़ रुपये का होने की उम्मीद है।

देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि अप्रैल में लगभग 13 साल के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि अप्रैल में करीब 13 साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वे में बुधवार को यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि मजबूत मांग परिस्थितियों से नए कारोबार और उत्पादन में काफी तेज वृद्धि देखने को मिली। खास बात यह है कि कीमत के मोर्चे पर दबाव के बावजूद मांग बढ़ी है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई सूचकांक अप्रैल में बढ़कर 62 पर पहुंच गया। यह मार्च में 57.8 के स?तर पर था। इन आंकड़ों से पता चलता है कि देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में 2010 के मध्य के बाद सबसे तेज विस्तार हुआ है। अनुकूल बाजार परिस्थितियों तथा नए कारोबार में वृद्धि से सेवा पीएमआई यह उछाल दर्ज हुआ है। यह लगातार 21वां महीना है जबकि सेवा पीएमआई 50 के स्तर से ऊपर बना हुआ है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के 50 से ऊपर होने का मतलब विस्तार से होता है। यदि यह 50 से नीचे है, तो गिरावट को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में एसोसिएट निदेशक (इकनॉमिक्स) पॉलियाना डि लीमा ने कहा, ''भारत के सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन अप्रैल में काफी शानदार रहा है। इस दौरान नए कारोबार और उत्पादन में वृद्धि पिछले करीब 13 साल में सबसे अधिक रही है। सबसे बेहतर प्रदर्शन वित्तीय और बीमा क्षेत्र ने किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों ने संकेत दिया है कि अप्रैल में भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में खासा सुधार हुआ है। नया निर्यात कारोबार लगातार तीसरे महीने बढ़ा है। हालांकि, मूल्य के मोर्चे पर बात की जाए, तो अप्रैल में उत्पादन लागत पिछले तीन माह में सबसे तेजी से बढ़ी है। सर्वे के अनुसार, खाने-पीने का सामान, ईंधन, दवाएं, परिवहन और मजदूरी मुद्रास्फीति की प्रमुख वजह हैं। उपभोक्ता सेवाओं पर औसत खर्च में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली है।

अडानी विल्मर का चौथी तिमाही का मुनाफा 60 प्रतिशत घटकर 93.61 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अडानी विल्मर का बीते वित्त वर्ष की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 60 प्रतिशत घटकर 93.61 करोड़ रुपए रह गया है। आमदनी घटने से कंपनी का मुनाफा भी नीचे आया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 234.29 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 13,945.02 करोड़ रुपए रह गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 14,979.83 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में अडानी विल्मर का शुद्ध लाभ 803.73 करोड़ रुपए से घटकर 582.12 करोड़ रुपए रह गया। हालांकि, वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की आय बढ़कर 58,446.16 करोड़ रुपए हो गई। 2021-22 में यह आंकड़ा 54,327.16 करोड़ रुपए था। अडानी विल्मर फॉर्चूयून ब्रांड के तहत खाद्य तेल बेचती है। इसके अलावा कंपनी चावल और चीनी जैसे अन्य खाद्य उत्पाद भी बेचती है।

हर्षित अग्रवाल : नोवा मैक्स एयर कूलर कंपनी के इनोवेटिव फाउंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। कूलर उद्योग में हर्षित अग्रवाल जल्दी से एक अंतरराष्ट्रीय सफलता बन गए हैं। कुछ साल पहले, उन्होंने नोवा मैक्स की स्थापना की, एक ब्रांड जिसने एयर कूलर के डिजाइन और उत्पादन के तरीके में क्रांति ला दी है।भारतीय घरों के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में किफायती लेकिन विश्वसनीय कूलर लाने के उनके दृष्टिकोण ने उन्हें उद्योग में एक प्रसिद्ध नाम बना दिया है। अग्रवाल द्वारा नोवा मैक्स शुरू करने से पहले, एयर कूलर बाजार एक स्थिर स्थिति में था, जिसमें नए विकास या सफलताओं का कोई संकेत नहीं था। बाजार की जरूरत को देखते हुए, उन्होंने बेहतर गुणवत्ता वाले इनोवेटिव एयरकूलर विकसित करने के लिए हाल की तकनीकी प्रगति का उपयोग करने का फैसला किया।

ये कूलर नमी कम करने और प्रभावी शीतलन प्रदान करने के लिए गद्देदार भी हैं; उत्पाद को लंबे समय तक चलने वाले प्लास्टिक के आवरण में रखा गया है, जो इसे भारतीय मौसम के लिए अत्यधिक उपयुक्त बनाता है।आज एयरकूलर की प्राथमिक चिंता इसकी उच्च कीमत है। नोवा मैक्स के बाजार में आने के बाद, उनके कूलरों ने उच्च-अंत वाले समान सुविधाओं की पेशकश की, लेकिन पॉकेट-फ्रेंडली कीमतों पर जो कि अधिकांश पहुंच और खर्च कर सकते हैं। इसने एयरकूलर को भारत में पसंदीदा कूलिंग समाधानों में से एक बनने की अनुमति दी है और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए एक व्यवहार्य विकल्प भी बनाया है।

अब, नोवा मैक्स तेजी से भारत और विदेशों में सबसे सफल ब्रांडों में से एक बन गया है, जिसका मुख्य कारण इसके संस्थापक हर्षित अग्रवाल हैं।बड़े पैमाने पर बाजार में किफायती लेकिन उन्नत एयरकूलर लाने का उनका दृष्टिकोण उल्लेखनीय रहा है और इसने वास्तव में उन्हें उद्योग में एक प्रमुख व्यक्ति बना दिया है। इसके अलावा, अग्रवाल ने नोवा मैक्स द्वारा एक परोपकारी पहल का निर्देशन किया जो वंचित छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में मदद करता है। वह दृढ़ता से समाज को वापस देने में विश्वास करता है, और दयालुता का यह कार्य उसके सच्चे मानवीय स्वभाव को दर्शाता है। हर्षित अग्रवाल इस बात के उदाहरण हैं कि जुनून और लचीलापन को कैसे एक सफल व्यवसाय बनाने के साथ-साथ दुनिया में अच्छा करने के लिए जोड़ा जा सकता है उनका समर्पण और कड़ी मेहनत एयरकूलर बाजार में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखेगी और निश्चित रूप से लंबे समय तक चलने वाली छाप छोड़ेगी

स्पाइसजेट की ठप खड़े 25 विमानों को फिर परिचालन में लाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पाइसजेट अपने 25 ठप खड़े विमानों को पुन- परिचालन में लाने पर काम कर रही है। इन विमानों को दुरुस्त कर परिचालन में लाने के लिए किफायती सेवा देने वाली एयरलाइन ने अबतक 400 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं।

गो फर्स्ट द्वारा नकदी संकट की वजह से तीन दिन तक उड़ानें निलंबित करने के फैसले के बाद स्पाइसजेट का यह बयान आया है। गो फर्स्ट ने इसके अलावा दिवाला समाधान कार्यवाही के लिए भी आवेदन किया है। स्पाइसजेट ने बुधवार को बयान में कहा कि 25 विमानों के पुनरुद्धार के लिए पैसा सरकार की आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) और अन्य माध्यमों से जुटाया जाएगा। एयरलाइन के बेड़े में लगभग 80 विमान हैं। एयरलाइन 25 ठप खड़े बोइंग 737 और क्यू400 विमानों को फिर परिचालन में लाना चाहती है। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, ''हम अपने ठप खड़े विमानों को जल्द सेवा में लाएंगे।'' उन्होंने कहा कि ईसीएलजीएस से मिले ज्यादातर वित्तपोषण का इस्तेमाल इस कार्य के लिए किया जाएगा। एयरलाइन पहले ही अपने ठप विमानों को परिचालन में लाने के लिए 400 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। इससे एयरलाइन का राजस्व बढ़ सकेगा। स्पाइसजेट ईसीएलजीएस के तहत पहले ही 500 करोड़ रुपये ले चुकी है। इससे पहले मंगलवार को गो फर्स्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कौशिक खोना ने कहा था कि प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) द्वारा इंजन की आपूर्ति नहीं करने के कारण एयरलाइन ने अपने 28 विमानों को खड़ा कर दिया है। यह उसके बेड़े में शामिल विमानों का आधे से अधिक है।

पंजाब में अनाज आधारित एथनॉल संयंत्र लगाएगी जगतजीत इंडस्ट्रीज

नई दिल्ली, एजेंसी। शराब कंपनी जगतजीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड पंजाब में अनाज आधारित एथनॉल विनिर्माण संयंत्र लगाने के लिए 210 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी की एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस कदम का मकसद हरित ईंधन की पेट्रोल में मिश्रण के लिए बढ़ती मांग का लाभ उठाना है। वर्ष 1944 में स्थापित जगतजीत इंडस्ट्रीज देश में भारत में बनी विदेशी शराब (आईएमएफएल) और देशी शराब के विनिर्माण की अग्रणी कंपनियों में से है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनी के विनिर्माण संयंत्र कपूरथला (पंजाब) और बहरोड़ (राजस्थान) में हैं। जगतजीत इंडस्ट्रीज की प्रवर्तक और मुख्य पुनर्गठन अधिकारी रोशनी सनाह जायसवाल ने कहा, ''हम पंजाब के कपूरथला जिले के हमीरा में 200 किलो लीटर प्रतिदिन (200 केएलपीडी) क्षमता के साथ एक नया अनाज आधारित एथनॉल संयंत्र लगा रहे हैं।

वैश्विक नैदानिक परीक्षणों के लिए अनुकूल गंतव्य के रूप में उभर रहा है भारत : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में आगामी वर्षों में वैश्विक नैदानिक परीक्षणों (क्लिनिकल ट्रायल) में पांच गुना तक बढ़ोतरी करने की क्षमता है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि बायोफार्मा कंपनियों के पास भारत की समृद्ध विविधता और मजबूत स्वास्थ्य सेवा ढांचे के जरिये नवोन्मेषी इलाज विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। यूएसए इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स और पीडब्ल्यूसी इंडिया की संयुक्त रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि भारत नैदानिक परीक्षणों के लिए अनुकूल गंतव्य के रूप में उभर रहा है। ''भारत में नैदानिक परीक्षण के अवसर' शीर्षक वाली रिपोर्ट बोस्टन में बुधवार को आयोजित होने वाले 17वें वार्षिक जैव फार्मा एंड स्वास्थ्य सेवा शिखर बैठक-2023 के वर्चुअल संस्करण में जारी की जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि चिकित्सकों और मरीजों के पास तेज पहुंच की वजह से शीर्ष बायोफार्मा कंपनियों के लिए नैदानिक परीक्षण का एक दक्ष माध्यम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में वैश्विक नैदानिक परीक्षणों को पांच गुना तक बढ़ाने की क्षमता है। रिपोर्ट कहती है कि भारतीय राज्यों में उच्च रोग प्रसार के साथ आधुनिक चिकित्सा ढांचा है। साथ ही यहां मरीजों की जांच के लिए भी बड़ी संख्या में चिकित्सक उपलब्ध हैं। इन राज्यों में सबसे ज्यादा पहली श्रेणी के शहर हैं। ऐसे में बायोफार्मा कंपनियां नैदानिक परीक्षणों के लिए इन राज्यों को लक्ष्य कर सकती हैं।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 2025 तक हासिल कर लेंगे: गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को भरोसा जताया कि 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम को लागू करने में मक्के की फसल की प्रमुख भूमिका होगी। गोयल ने 'मक्के से एथनॉल विषय पर आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि एथनॉल एक 'उभरता हुआ क्षेत्र है। उन्होंने उद्योग से इस हरित ईंधन को बनाने के लिए ऐसे कारखाने लगाने को कहा, जो दो कच्चे माल (गन्ना और खाद्यान्न) पर काम कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि किसानों और उद्योग के प्रयास से पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण को बढ़ाकर 2021-22 में 10 प्रतिशत कर दिया गया जो 2013-14 में 1.53 प्रतिशत था। गोयल ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल

गो फर्स्ट संकट से क्षमता घटेगी, कुछ मार्गों पर महंगी हो सकती है हवाई यात्रा : टीएएआई

नई दिल्ली, एजेंसी। गो फर्स्ट द्वारा दिवाला समाधान के लिए आवेदन करना और उड़ानों को रद्द करना एयरलाइन उद्योग के लिए अच्छा नहीं है। भारतीय ट्रैवल एजेंट संघ (टीएएआई) ने यह राय जताते हुए कहा है कि गो फर्स्ट के इस कदम से क्षमता घटेगी और कुछ मार्गों पर विमान किराये बढ़ेंगे।

प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) इंजन आपूर्ति संकट के बीच गो फर्स्ट ने तीन मई से तीन दिन के लिए अपने उड़ानें निलंबित कर दी हैं। साथ ही एयरलाइन ने दिवाला समाधान के लिए भी आवेदन किया है। टीएएआई की अध्यक्ष ज्योति मयाल ने कहा, ''यह एयरलाइन उद्योग के लिए काफी खराब स्थिति है। किंगफिशर एयरलाइंस में हमने करोड़ों रुपये गंवाए हैं। जेट एयरवेज में भी नुकसान हुआ है। अब एक और दिवाला समाधान सामने आ गया है।'' उन्होंने कहा कि पिछले 17 साल से अधिक से परिचालन कर रही गो फर्स्ट का यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जबकि घरेलू हवाई यातायात बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि अभी हवाई यात्रा की मांग है क्योंकि यह छुट्टियों का समय है और हमें उन क्षेत्रों में किराया बढ़ने की संभावना दिख रही है जहां गो फर्स्ट उड़ान भर रही है। ''आगामी सप्ताहों में विमान किराये बढ़ेंगे।''

टिकट बुकिंग पर उन्होंने कहा कि कंपनी को रद्द उड़ानों के लिए पैसा लौटाना होगा। लेकिन दिवाला समाधान की स्थिति में नियम कुछ अलग हैं। उन्होंने कहा कि इस समय हम कुछ ऐसी ही चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

गो फर्स्ट मामले में मध्यस्थता आदेश का अनुपालन कर रहे हैं : प्रैट एंड व्हिटनी

नई दिल्ली, एजेंसी। गो फर्स्ट द्वारा दिवाला समाधान के लिए आवेदन दायर करने के एक दिन बाद अमेरिका की इंजन विनिर्माता कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) ने बुधवार को कहा कि वह एयरलाइन के संबंध में मध्यस्थता आदेश का अनुपालन कर रही है। साथ ही पीएंडडब्ल्यू ने कहा कि वह सभी ग्राहकों के लिए आपूर्ति की समयसीमा को प्राथमिकता दे रही है। गो फर्स्ट ने पीएंडडब्ल्यू द्वारा इंजन की आपूर्ति नहीं करने की वजह से ही तीन दिन के लिए अपनी उड़ानें निलंबित करने की घोषणा की है। प्रैट एंड व्हिटनी के करीबी सूत्रों ने दावा किया कि गो फर्स्ट का इंजन विनिर्माता के प्रति अपनी वित्तीय दायित्वों से चूकने का लंबा इतिहास रहा है। कंपनी ने बयान में कहा, ''प्रैट एंड व्हिटनी अपने एयरलाइन ग्राहकों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। हमने सभी ग्राहकों के लिए आपूर्ति समयसीमा को प्राथमिकता दी है। पीएंडडब्ल्यू गो फर्स्ट से संबंधित मार्च, 2023 के मध्यस्थता फैसले का अनुपालन कर रही है। चूंकि यह मामला अब मुकदमेबाजी में चला गया है, ऐसे में हम इस पर अधिक कुछ नहीं कहेंगे।'' इस बीच, गो फर्स्ट ने एक बयान में कहा है कि मध्यस्थ ने पीएंडडब्ल्यू को 27 अप्रैल तक कम से कम 10 सेवा योग्य अतिरिक्त इंजन पट्टे पर देने का निर्देश दिया है।

कर नीति तय होते ही ऑनलाइन गेमिंग को मिलेगा निवेश: सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि जीएसटी परिषद ऑनलाइन गेम पर करारोपण की नीति लाने पर विचार कर रही है और इसे अंतिम रूप दिए जाने पर इस उद्योग को निवेश जुटाने में मदद मिलेगी। दक्षिण कोरिया के दौरे पर आईं सीतारमण ने यहां भारतीय समुदाय के लोगों के एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के संदर्भ में जीएसटी परिषद के स्तर पर विचार चल रहा है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी कराधान के अलावा नियमन से संबंधित मुद्दों पर भी मंत्री-स्तरीय चर्चा जारी है। कोरियाई गेमिंग कंपनी क्राफ्टॉन की तरफ से गेमिंग क्षेत्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के उपायों के बारे में पूछे गए सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा, ''इस नीति को लेकर निश्चितता आने के साथ ही कराधान अधिक स्पष्ट हो जाएगा और इससे निवेशक आकर्षित होंगे। जीएसटी संबंधी मुद्दों पर निर्णय करने वाले सर्वोच्च निकाय जीएसटी परिषद की अध्यक्षता वित्त मंत्री करती हैं जबकि राज्यों के वित्त मंत्री भी उसका हिस्सा होते हैं। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जीएसटी परिषद की जून में होने वाली अगली बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर कोई फैसला किया जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में देश के भीतर ऑनलाइन गेमिंग का तेजी से विस्तार हुआ है। केपीएमजी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2021 में 13,600 करोड़ रुपये पर रहने वाला ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र वित्त वर्ष 2024-25 तक बढ़कर 29,000 करोड़ रुपये का हो जाएगा।

100000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा मार्केट कैप, 500 प्रतिशत चढ़े इस सरकारी कंपनी के शेयर, बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने नया मुकाम हासिल किया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स 100000 करोड़ रुपये मार्केट कैप वाली एलीट कंपनियों के क्लब में शामिल हो गई है। सरकारी कंपनी के शेयरों ने बुधवार को अपना 52 हफ्ते का नया हाई भी बनाया है। सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स का मार्केट कैप बुधवार को 100546.98 करोड़ रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर बुधवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में दिन के कारोबार के दौरान 3032.10 रुपये के हाई पर पहुंच गए।

मोहम्मद शमी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं हसीन जहां

हसीन ने लगाए संगीन आरोप.....होटल में कॉल गर्ल के साथ...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी की वाइफ हसीन जहां से विवाद में मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। हसीन जहां ने कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यही नहीं, उन्होंने शमी पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेटर वेश्याओं के साथ संबंध बनाता है। खासकर जब वह विदेश दौरों पर होता है। हालांकि, शमी ने इन आरोपों का खंडन किया था।

हसीन जहां ने पहली बार 2018 में मोहम्मद शमी के खिलाफ घरेलू दुर्व्यवहार और व्यभिचार के आरोप लगाए थे, जब उन्होंने जादवपुर में पुलिस शिकायत दर्ज की थी। क्रिकेटर की अलग हो चुकी पत्नी लगातार शमी के खिलाफ मामले को आगे बढ़ा रही हैं। शमी और उनके बड़े भाई हसीब अहमद से 2018 में कोलकाता पुलिस की महिला शिकायत प्रकोष्ठ ने पूछताछ की थी

और अलीपुर कोर्ट ने भारतीय क्रिकेटर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था।

हालांकि, गिरफ्तारी वारंट पर बाद में रोक लगा दी गई थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार-रोधी इकाई ने हसीन जहां द्वारा शमी पर मैच फिक्सिंग में शामिल होने का आरोप लगाने के बाद भी शमी को क्लीन चिट दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट में हसीन जहां की नई याचिका में आरोप लगाया गया है कि कोलकाता की सत्र अदालत ने शमी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश पारित किया, जबकि क्रिकेटर ने आपराधिक मुकदमे के स्थगन के लिए भुगतान भी नहीं किया था और उनकी एकमात्र शिकायत केवल गिरफ्तारी वारंट जारी करने के खिलाफ थी।

अपनी याचिका में हसीन जहां ने फिर आरोप लगाया है कि शमी दहेज मांगते थे। आईपीएल में चीयरलीडर के तौर पर काम कर चुकी हसीन जहां ने एक चौंकाने वाले आरोप में दावा किया है कि मोहम्मद शमी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के साथ दौरों पर भी एक्स्ट्रा मैरिटल संबंध बनाते रहे हैं। उन्होंने अपने आरोप में कहा- शमी उससे दहेज की मांग करते थे और वे वेश्याओं के साथ अवैध यौन संबंधों में लगातार शामिल रहे हैं। विशेष रूप से अपने बीसीसीआई दौरों के दौरान, बीसीसीआई की आरे से मिले होटल के कमरों में आज भी ऐसा करते हैं।

हसीन जहां ने याचिका में आरोप लगाया है कि शमी अपने दूसरे मोबाइल फोन-एचटीसी कंपनी, मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करते थे। हालांकि, शमी इन आरोपों से इनकार करते रहे हैं। इससे पहले जनवरी 2023 में कोलकाता की एक अदालत ने शमी को उनकी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां को 50,000 रुपये मासिक गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था।

अदालत के आदेश के बाद, शमी की ओर से भुगतान की जाने वाली गुजारा भत्ता राशि से हसीन खुश नहीं थी। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज से प्रति माह 10 लाख रुपये की मांग की थी। 2018 में जहान ने 10 लाख रुपये के मासिक गुजारा भत्ता के लिए कानूनी मामला दायर किया, जिसमें व्यक्तिगत खर्चों के लिए 7 लाख रुपये और अपनी बेटी के रखरखाव के लिए 3 लाख रुपये शामिल थे।

राहुल और जयदेव उनादकट आईपीएल 2023 से बाहर, प्रैक्टिस के दौरान आई चोट

नईदिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट बाएं कंधे की चोट के कारण आईपीएल 2023 के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए हैं, जो रविवार को नेट्स प्रैक्टिस के दौरान उन्हें लग गई थी। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवल में 7 जून से शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए समय पर फिट हो जाएंगे। राहुल भी आईपीएल से बाहर होने के चांस दिख रहे हैं।

उनादकट रविवार को लखनऊ नेट्स में अपनी पहली गेंद फेंकने जा रहे थे, तभी वह विकेट के चारों ओर से भागे और उनका बायां पैर नेट को ऊपर रखने वाली रस्सी में फंस गया। वह अपनी बॉलिंग एल्बो पर बुरी तरह से गिर गए थे। आईपीएल ने इसका वीडियो भी ट्वीट किया था, लेकिन अब क्रिकइंफो की रिपोर्ट से पता चला है कि वे इस सीजन में नहीं खेल पाएंगे। उनादकट जल्द ही बैंगलोर की नेशनल क्रिकेट एकेडमी में भेजा जा सकता है। वे लखनऊ टीम के मेडिकल स्टाफ के साथ स्कैन के लिए मुंबई गए हैं।

उनादकट डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारत की टीम में मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर के साथ पांच तेज गेंदबाजी विकल्पों में से एक है। केएल राहुल भी डब्ल्यूटीसी टीम में हैं लेकिन अभी तक उनकी भागीदारी स्पष्ट नहीं है। आरसीबी के खिलाफ खेले गए मुकाबले में कप्?तान केएल राहुल हैमस्ट्रिंग की दिक?कत में आ गए थे, ऐसे में वे खेल नहीं पाए। अपनी टीम के लिए ओपनिंग के लिए आने वाले केएल राहुल आरसीबी के खिलाफ नंबर 11 पर बल्?लेबाजी के लिए मुश्किल वक?त में आए और तीन गेंद पर खाता भी नहीं खोल पाए।

बता दें कि जयदेव उनादकट को इस सीजन के 3 मैचों में खेलने का मौका मिला, लेकिन वह एक भी विकेट नहीं ले पाए। हालांकि इससे पहले वे अच्छा परफॉर्म कर चुके हैं। उन्होंने आईपीएल में कुल 94 मैच खेले हैं और इस दौरान 91 विकेट लिए हैं। उनका इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25 रन देकर 5 विकेट लेना रहा है। उनादकट ने आईपीएल 2017 में 24 विकेट झटके थे।

महिला टी-20 मैच 4 गेंदों में खत्म हुआ मैच, 9 रनों पर टीम ढेर

7 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके

फिलीपींस (एजेंसी)। क्रिकेट अनिश्चितताओं से भरा एक खेल है। कौन से मैच में क्या हो जाए...कहा नहीं जा सकता। अगर बल्लेबाज का दिन हो तो फिर गेंदबाजों की खैर नहीं होती। वहीं गेंदबाजों का दिन हो तो फिर बल्लेबाज रन बनाने के लिए तरस जाते हैं। इनमें से एक ऐसा ही पल सामने आता हुआ दिखा महिला इंटरनेशनल टी20 मैच में जहां, बल्लेबाजी करने वाली टीम पूरी तरह से तहस-नहस हो गई और विपक्षी टीम ने महज 4 गेंदों में ही मैच अपने नाम कर लिया।

दरअसल, एसईए गेम्स बुमेंस टी20 क्रिकेट कंपटीशन 2023 का दूसरा मैच थाइलैंड और फिलीपींस के बीच देखने को मिला। इस दौरान पहले बैटिंग करने उतरी फिलीपींस की टीम ने 11.1 ओवर तक सिर्फ 9 रन बनाए। जवाब में दूसरी टीम ने सिर्फ 4 गेंदों में बिना किसी विकेट के नुकसान के 10 रन बनाते हुए 10 विकेट से जीत दर्ज की। फिलीपींस की ओर से कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सकी। टीम की ओर से 4 बल्लेबाजों ने 2-2 रन बनाए, जबकि एक रन अतिरिक्त रहा। इस तरह से कुल 9 स्कोर बना। थाइलैंड के लिए थिपाचा पुथवोंग ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके, जबकि ओनिचा कामचोम्फूको 3 विकेट हासिल हुए। उनके अलावा, एक विकेट नट्टाया बूचथम ने लिया।

थाइलैंड ने ऐसे किया खेल खत्म

वहीं आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाइलैंड क्रिकेट टीम ने एलेक्स स्मिथ की ओर से किए गए पहले ही ओवर की 4 गेंदों में मैच अपने नाम कर लिया। कप्तान नन्नापत कोंचारोएंकाई ने 2 गेंदों में नाबाद 3 रन, जबकि नत्थाकन चांथमने 2 गेंदों में एक चौका की मदद से नाबाद 6 रन बनाए। रोचक तथ्य यह है कि इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट में फिलीपींस की ओर से बनाया गए ये 9 रन सबसे लोएस्ट स्कोर नहीं है। सबसे छोटा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड मालदीव के नाम है। वह 2019 में बांग्लादेश और रवांडा के खिलाफ 6 रनों पर ढेर हुई थी, जबकि इसी साल नेपाल के खिलाफ 8 रन पर उसकी पारी समाप्त हुई थी। इसके बाद तीसरे नंबर पर फिलीपींस क्रिकेट टीम आती है, जिसकी पारी 9 रनों पर ढेर हुई।

मैं आईपील खेलने आया हूं, किसी की गाली खाने नहीं...

कोहली से पंगा लेने वाले नवीन-उल-हक आर-पार के मूड में

नई दिल्ली (एजेंसी)। युद्धग्रस्त अफगानिस्तान के सबसे बड़े शहर काबुल के एक डॉक्टर के घर 23 सितंबर 1999 को नवीन-उल-हक पैदा हुए। तालिबानी आतंक ने देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया और पूरा परिवार रिफ्यूजी बनकर पाकिस्तान चला आया। परिवार नहीं चाहता था कि नन्हा नवीन अब बम-बारूद के बीच एक पल भी गुजारे। हालात ठीक हुए तो दोबारा घर वापसी हुई और महज 11 साल के नवीन को नेशनल अंडर-16 टूर्नामेंट में पहली बार अफगानिस्तान की जर्सी पहनने का मौका मिला। उम्र 15 साल ही रही होगी, जब देश की अंडर-19 टीम में जगह मिली और 17वां साल लगते-लगते नवीन-उल-हक अफगानिस्तान के लिए इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके थे। अब 23 साल का हो चुका यह प्लेयर आईपीएल में 1 मई की रात विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच हुए विवाद के केंद्र में है।

गाली सुनने नहीं आया हूं - मीडिया की एक रिपोर्ट की माने तो पूरे विवाद के बाद नवीन-उल-हक ने अपनी टीम लखनऊ सुपरजायंट्स के एक साथी क्रिकेटर से कहा कि वो भारत आईपीएल में खेलने आए हैं, किसी से अपशब्द या गाली सुनने नहीं। मैच के दौरान नवीन की विराट से दो बार नोंक-झोक हुई। पहली मर्तबा जब वह बल्लेबाजी कर रहे थे तब कोहली उन्हें स्लेज करते दिखे तो दूसरी बार मुकाबले के बाद हैंडशेक के दौरान कहासुनी हुई। दोनों ही घटनाओं का वीडियो इंटरनेट पर वायरल है। मैच के अगले दिन विराट कोहली पर निशान साधते हुए इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर करते हुए

नवीन-उल-हक ने लिखा, तुम्हें वही मिला जो डिजर्व करते हो, ऐसा ही होता आया है, ऐसा ही होगा।

ये मेरे डीएनए में है - वैसे कोहली की ही तरह नवीन का भी विवादों से पुराना नाता रहा है। साल 2020 में लंका प्रीमियर लीग के दौरान वह पूर्व पाकिस्तानी कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर रहे शाहिद अफरीदी से भी भिड़ गए थे। एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने खुद कहा था कि, अगर किसी ने मुझसे कुछ कहा तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। मैं बचपन से ही ऐसा हूं। यह आदत मेरे डीएनए मे है। अगर मैं कहूं कि कल से ऐसा नहीं करूंगा तो यह गलत होगा।

इस चीज से नफरत थी - क्रिकेट के लिए काबुल से पाकिस्तान और दोबारा अफगानिस्तान लौटना काफी रोमांचक रहा। बड़े होते-होते नवीन भारतीय क्रिकेट के बड़े फैन बन गए। बकौल नवीन, च्मैं भारत के हर मैच देखता था। यहीं से क्रिकेट के लिए मेरे भीतर प्यार और जुनून की शुरुआत हुई। माता-पिता सिर्फ वीकेंड में कुछ घंटे घर से बाहर क्रिकेट खेलने की परमिशन देते थे। मैं तब विकेटकीपर बल्लेबाज हुआ करता था। गेंदबाजी से तो नफरत थी। टेप बॉल क्रिकेट में बैटिंग करना काफी पसंद था। मेरे बड़े के साथ मैच के दौरान काफी झगड़े होते थे।

अफरीदी, आमिर और अब कोहली - सात वनडे और 27 टी-20 इंटरनेशनल के छोटे से करियर में नवीन-उल-हक शाहिद अफरीदी, मोहम्मद आमिर और अब विराट कोहली जैसे दिग्गजों से टकरा चुके हैं। एक पुराने इंटरव्यू में अपनी झगड़ने की आदत पर उन्होंने कहा था, लोग कहते हैं कि मैं मैदान के बाहर ऐसा नहीं हूं। मैं मुस्कुराता हूं। दोस्तों से मजाक करता हूं। मैं उतना गंभीर नहीं हूं, लेकिन मैदान पर थोड़ा सीरियस होना पड़ता है, चाहे फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहा हूं या अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं ज अगर कोई मुझसे कुछ कहता है तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।

पाटीदार की एड़ी की सर्जरी सफल रही

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेटर रजत पाटीदार की चोटिल एड़ी की सर्जरी सफल रही।पाटीदार इस चोट के कारण इडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र से बाहर है।मध्य प्रदेश के 29 वर्षीय क्रिकेटर को आईपीएल सत्र से पहले आरसीबी के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने से पहले चोट लग गई थी। बाद में उन्हें रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के लिए बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) भेजा गया था।पिछले साल आईपीएल में अपना पहला शतक जड़ने वाले पाटीदार ने प्ले-ऑफ में नाबाद 112 रन बनाए थे। उन्होंने पिछले सत्र में आठ मैचों में 55 से ज्यादा के औसत से रन बनाये थे।पाटीदार ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी सर्जरी की जानकारी दी।उन्होंने कहा, '' अपने सभी समर्थकों से एक जानकारी साझा करना चाहूंगा। मैंने हाल ही में एक चोट से उबरने के लिए सर्जरी करवाई है। यह चोट पिछले मुझे कुछ समय से परेशान कर रही थी। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सर्जरी सही रही और मैं ठीक होने की राह पर हूं!''उन्होंने कहा, '' मैं मैदान पर फिर से उतरने और उस काम को करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। जल्द वापसी करूंगा।''बीसीसीआई ने पाटीदार के ब्रिटेन रवाना होने से पहले कहा था कि वह क्रिकेटर की सर्जरी और रिहैबिलिटेशन का खर्च वहन करेगा।

पीटी उषा ने प्रदर्शनकारी पहलवानों से मुलाकात कर समर्थन का आश्वासन दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवानों के प्रति असंवेदनशील होने के आरोपों का सामना कर रही भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को जंतर-मंतर पर उनसे मुलाकात की और उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया। पूर्व फर्राटा धाविका उषा ने इससे पहले अपने मुद्दों के लिए आईओए से संपर्क करने के बजाय फिर से विरोध शुरू करने के लिए पहलवानों की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि पहलवानों को अनुशासन दिखाना चाहिए था। इस टिप्पणी के बाद उनकी और आईओए की आलोचना हुई थी। उषा मीडिया से बात किए बिना चली गईं लेकिन बजरंग पूनिया ने कहा कि उन्होंने मदद का आश्वासन दिया है।

बजरंग ने मीडिया से कहा, ''शुरू में जब उन्होंने ऐसा कहा तो हमें बहुत बुरा लगा

लेकिन फिर उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियों का गलत मतलब निकाला गया। उन्होंने कहा कि वह पहले एथलीट हैं और बाद में प्रशासक हैं। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले इस पहलवान ने कहा, '' हमने उससे कहा कि हमें न्याय चाहिए। हमारा सरकार या विपक्ष या किसी और से कोई झगड़ा नहीं है। हम यहां कुश्ती की बेहतरी के लिए बैठे हैं। अगर यह मसला सुलझ जाता है और आरोप (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ) साबित हो जाते हैं तो कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

बजरंग से जब पूछा गया कि क्या उषा सरकार या आईओए की ओर से समाधान लेकर आई थी तो उन्होंने कहा, ''ऐसा कुछ नहीं था। उन्होंने केवल इतना कहा कि वह हमारे साथ है। बजरंग ने फिर से दोहराया कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा, ''अगर वह हमें आश्वासन दे रही हैं तो मुझे लगता है कि उन्हें उस आश्वासन को पूरा करना चाहिए। लेकिन हमने उन्हें स्पष्ट किया कि जब तक चीजें ठीक नहीं होंगी और हमें न्याय नहीं मिलेगा, यह विरोध जारी रहेगा। हमें हालांकि न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है।ज्ज उन्होंने कहा, ''उन्होंने जो बातें कही हैं अगर उस दिशा में कोई पहल होती है तो निश्चित रूप से इस मुद्दे का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि वह हमारी सभी समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगी। वह चाहे तो कुछ भी कर सकती हैं।

केकेआर के खिलाफ मैच में सनराइजर्स के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर होगा दबाव

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगा तो उसके शीर्ष क्रम पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा।इन दोनों टीमों का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है और उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए आगे सभी मैचों में अच्छा खेल दिखाना होगा। केकेआर के अभी नौ मैचों में छह जबकि सनराइजर्स के आठ मैचों में छह अंक हैं। अंक तालिका में वे क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर हैं।सनराइजर्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन में अभी तक निरंतरता का अभाव रहा है। पिछले मैच में अभिषेक शर्मा को पारी का आगाज करने के लिए भेजने का फैसला सही साबित हुआ था लेकिन टीम अन्य सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रही होगी।सनराइजर्स के बल्लेबाज अभी तक सामूहिक योगदान देने में असफल रहे हैं और अगर टीम को प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को

जीवंत रखना है तो उसके बल्लेबाजों को निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना होगा।अग्रवाल अभी तक 110 की स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाए हैं जबकि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरने वाले राहुल त्रिपाठी भी उपयोगी योगदान नहीं दे पाए हैं। कप्तान एडेन मार्कराम को आगे बढ़कर नेतृत्व करने की जरूरत है जबकि हैरी ब्रूक एक शतक जमाने के बावजूद अधिकतर मैचों में असफल रहे हैं। उन्हें फिर से मध्यक्रम में उतारा जा रहा है और उम्मीद है कि वह कुछ लय हासिल करेंगेऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं जो सनराइजर्स के लिए करारा झटका है।गेंदबाजी में उमरान मलिक महंगे साबित हुए हैं जो कि टीम के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने अब तक सात मैचों में केवल पांच विकेट लिए हैं।

केकेआर भी अपने बल्लेबाजों से प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की उम्मीद रखेगा। केकेआर को यदि

टीम इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स- नीतीश राणा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकुल रॉय, रिंकू सिंह, एन. जगदीशन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड विसे, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह और जेसन रॉय।

सनराइजर्स हैदराबाद - एडेन मार्कराम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी. नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसेन और अनमोलप्रीत सिंह।

मैच शुरू - भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे।

मैड्रिड ओपन : दानिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार, खाचानोव जीते

मैड्रिड (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव को मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में क्वालीफायर असलान कारात्सेव के हाथों अप्रत्याशित पराजय का सामना करना पड़ा जबकि स्टेफानोस सिटसिपास और इगा स्वियातेक ने 3 सेट तक चले कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज करके अगले दौर में प्रवेश किया। 121वीं रैंकिंग वाले कारात्सेव ने दूसरी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव को 7.6, 6.4 से मात दी। इस मैच से पहले टूर पर मेदवेदेव का रिकॉर्ड 33.4 का था । अब कारात्सेव का सामना टेलर फ्रिट्ज या झांग झिजेन से होगा। मेदवेदेव ने हम वतन रूसी खिलाड़ी एलेक्जेंडर शेवचेंको को 4-6, 6-1, 7-5 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई थी।

वहीं, कारात्सेव ने 16वीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर को 6-3, 4-6, 6-4 से हराया था। रूस के कारेन खाचानोव ने अपने युगल जोड़ीदार आंद्रेइ रूबलेव को 7.6, 6.4 से हराया। अब उनका

सामना गत चैम्पियन कार्लोस अलकाराज या 13वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त सिटसिपास ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद 31वें वरीय सेबेस्टियन बेज को 7-5, 3-6, 6-3 से हराकर इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई।

महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक को भी 16वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा पर 6-4, 6-7 (3), 6-3 से जीत दर्ज करने के लिए पसीना बहाना पड़ा। उनका अगला मुकाबला 27वीं वरीयता प्राप्त पेट्रा मार्टिच से होगा जिन्होंने 11वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिक्कोवा को 6-3, 7-6 (1) से हराया। मैड्रिड में पिछले साल की उपविजेता तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मार्टिना ट्रेविसन को 6-3, 2-6, 6-3 से हराकर अंतिम 8 में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबलेंका ने रूसी किशोरी मीरा एंड्रीवा को 6-3, 6-1 से पराजित करके उनके शानदार अभियान पर रोक लगाई।

नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी ने पाउला बडोसा को 6-4, 6-4 से, जबकि 12 वीं वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुदेरमेतोवा ने 8वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना को 7-5, 1-6, 7-6 (2) से हराया। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में 8वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने क्रिस्टियन गारिन को 6-1, 7-6 (4), झांग झिझेन ने 11वीं वरीयता प्राप्त कैमरून नॉरी को 2-6, 7-6 (2), 7-6 (2) और बर्नबे जपाटा मिरालेस ने क्वालीफायर रोमन सफीउलिन को 6-3, 3-6, 6-3 से पराजित किया।

रियल मैड्रिड से भिड़ेगी भारतीय अंडर-17 टीम, कोच मेड्रिड

स्पेन (एजेंसी)। भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम बुधवार को यहां अभ्यास मैच में स्पेन के अग्रणी क्लब रियल मैड्रिड की अंडर-17 टीम से मुकाबला करेगी। भारतीय युवा वर्तमान में इस साल जून में थाईलैंड में आयोजित होने वाले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप की तैयारी कर रहे हैं जहां उन्हें जापान, वियतनाम और उज्बेकिस्तान के साथ ग्रुप-डी में रखा गया है। मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस के नेतृत्व में भारतीय युवाओं ने एटलेटिको डी मैड्रिड अंडर-17 (4-1), सीडी लेगानेस अंडर-18 (0-2) और एटलेटिको मैड्रिलिनो (2-1) के खिलाफ तीन तैयारी मैच खेले हैं। कोच फर्नांडिस का मानना है कि भारतीय युवाओं के लिए कुशल टीम के खिलाफ खेलने का यह बहुत अच्छा मौका होगा। उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि इन लड़कों के लिए रियल मैड्रिड जैसे शीर्ष क्लब के प्रशिक्षित खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का यह एक बड़ा अवसर है। उनमें से हर कोई मैच में जाने के लिए उतावला है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। फर्नांडिस ने कहा कि मुझे लगता है कि यह मैच वास्तव में खिलाड़ियों के लिए अच्छा साबित होगा क्योंकि वे यहां स्पेन में कुछ बहुत प्रतिस्पर्धी टीमों के साथ खेल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्ग महिला पर पिटबुल का अटैक ; गंभीर रूप से घायल, सफदरजंग अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी । सूरजकुंड रोड स्थित अनंगपुर गांव में दुकान जा रही एक बुजुर्ग महिला पर पिटबुल ने हमला कर दिया। उसने 65 वर्षीय सुरमती नामक महिला के पांव को नोचते हुए उन्हें काफी दूर तक घसीटा। इसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीते दिनों ऐसी कई घटनाएं देखने को मिली थीं। इसी तरह की एक घटना में एक व्यक्ति को लिफ्ट में जा रहे कुत्ते ने काट लिया था। इस मामले के बाद से लिफ्ट में कुत्तों को ले जाने को लेकर विरोध शुरू हुआ था।

पुलिस के अनुसार अनंगपुर गांव निवासी प्रवेश ने शिकायत में बताया कि सोमवार सुबह करीब 11 बजे उनकी 65 वर्षीय मां सुरमती पास स्थित दुकान सामान खरीदने जा रही थी। आरोप है कि जैसे ही वह गांव के ही सोनू उर्फ जोजो नामक युवक के घर के पास पहुंची, उसके घर से पिटबुल नस्ल के कुत्ता ने निकल कर उसकी मां पर हमला कर दिया। कुत्ते ने उसकी मां के पांव को पकड़ लिया और घसीटने लगा। उन्होंने अपनी मां को कुत्ते के जबड़े से छुड़ाया। प्रवेश का आरोप है कि उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर कुत्ता मालिक सोनू से इसका विरोध किया और कुत्ते को बांध कर रखने को कहा। आरोप है कि इसपर सोनू ने अभद्रता शुरू कर दी। साथ ही गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगा। पुलिस पीड़ित की शिकायत पर सोनू के खिलाफ मामला दर्जकर जांच शुरू कर कर दी है। प्रवेश ने बताया कि पिटबुल उनकी मां को छोड़कर पास से गुजर रहे एक अवारा कुत्ते पर हमला कर दिया। वह कुत्ते को बुड़ी तरह से घायल कर दिया। प्रवेश ने फोन पर बताया कि मंगलवार सुबह उस अवारा कुत्ते की मौत हो गई। पीड़ित का का आरोप है कि आरोपी खुलेआम पिटबुल को लेकर घूमता है और हर किसी पर उससे हमला करवाता है। पुलिस ने इस मामले को लेकर शिकायत दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की जांच की जा रही है।

अब दिल्ली में भर्ती घोटाला, प्रोफेसरों की नियुक्ति में बड़ी धांधली का खुलासा ; एलजी ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी । उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू) की भर्ती में धांधली की शिकायत पर जांच के आदेश दिए हैं। संस्थान में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के पदों पर हुई नियुक्तियों में अनियमितता की शिकायतें आई थीं। राजनिवास के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि उप राज्यपाल ने डीपीआरएसयू में फैकल्टी सदस्यों के पदों पर हुई नियुक्ति में बड़े पैमाने पर अनियमितता की शिकायतों की जांच के आदेश दिए हैं। शिकायतों में दावा किया गया है कि वर्ष 2019 में फैकल्टी स्टाफ की जो नियुक्तियां हुई थीं, उनमें बड़े पैमाने पर घोटाला, पक्षपात और भ्रष्टाचार हुआ है। जानकारी के अनुसार, इस संस्थान में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए फरवरी और जुलाई 2019 में आवेदन निकाले गए थे। इसके कुछ ही महीने बाद 2020 में इन नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर अनियमितता की शिकायतें मीडिया में आने लगी थीं। शिकायतें मिलने के बाद विभाग ने डीपीआरएसयू से रिकॉर्ड मंगाया और उसके आधार पर विभाग की सतर्कता शाखा ने उन छह उम्मीदवारों की नियुक्ति से संबंधित कागजात की जांच की। इस जांच में कई अनियमितताएं मिलीं।

दिल्ली में नहीं उठाई जाएंगी पार्क की गई ओवर एज गाड़ियां; सड़क पर होगा एक्शन, कैलाश गहलोत ने विभाग को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली की सड़कों पर ओवरएज हो चुके वाहनों को उठाने के फैसले पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने रोक लगाने का फैसला किया है। परिवहन विभाग अधिकारी ने बताया कि उनको खबर मिली है कि मंत्री ने इस फैसले पर रोक लगाने के लिए पत्र लिखा है, लेकिन उन्हें अभी पत्र मिला नहीं है। बता दें कि दिल्ली परिवहन विभाग ने पार्क की गई ओवरएज गाड़ियों को उठाने का फैसला किया था। ओवर एज गाड़ियों को पार्किंग से उठाने के फैसले पर रोक की खबर के बाद विभाग का बयान आया है। विभाग के अधिकारी ने बताया कि ओवर एज गाड़ियों पर कार्रवाई जारी रहेगी क्योंकि नियम के अनुसार, ऐसी गाड़ियों को चलाने की अनुमति नहीं है।

बता दें कि दिल्ली परिवहन विभाग ने 29 मार्च को ओवर एज हो चुकी गाड़ियों और पार्क हुई ओवर एज गाड़ियों के लिए एक अभियान चलाया था। तब से अब तक विभाग ने लगभग 2 हजार गाड़ियों को जब्त किया था। परिवहन विभाग के पास अब तक चलने वाले और पार्क किए गए वाहनों का ब्रेकअप उपलब्ध नहीं था, लेकिन एक अधिकारी ने कहा कि कई खड़े वाहनों को भी

उठा लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पार्क की गई ओवर एज गाड़ियों को उठाने के फैसले पर रोक के बावजूद सड़क पर चल रही गाड़ियों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत द्वारा जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि कई लोगों द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया है कि जिन वाहनों की वैधता अवधि पूरी हो चुकी है और दिल्ली में पार्क किए गए हैं, उन्हें परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों द्वारा जबरदस्ती उठा लिया जा रहा है। सबसे पहले तो कानून में कहीं भी पार्क किए गए वाहन को खींचकर ले जाना अनिवार्य नहीं है। विभाग के पास दिल्ली की सड़कों पर चलने वाले वाहन के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन पार्क किए गए वाहन को जबरन खींचकर ले जाने की अनुमति नहीं है और इसे तुरंत बंद करने की जरूरत है। हाल ही में एक बैठक में, मंत्री ने विशेष आयुक्त (प्रवर्तन) के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की जब परिवहन आयुक्त छुट्टी पर थे, और विशेष आयुक्त को निर्देशित किया गया था कि पार्क किए गए वाहनों को दूर नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह न केवल अवैध है बल्कि अवैध है साथ ही शहर में अराजक स्थिति पैदा हो गई है। मंत्री के पास खड़े वाहनों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के खिलाफ विभिन्न लोगों ने मंत्री के पास पहुंचकर राहत की मांग की है।

इस मामले को लेकर एक मीटिंग में मंत्री गहलोत ने प्रवर्तन के विशेष आयुक्त से चर्चा की थी। परिवहन आयुक्त उस समय छुट्टी पर चल रहे थे। इस दौरान मंत्री गहलोत के पास लोगों ने खड़े वाहनों के खिलाप चलाए जा रहे अभियान को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में मंत्री ने कहा कि मैं हैरान हूं कि स्पष्ट निर्देश के बावजूद विशेष आयुक्त (प्रवर्तन) अपने तरीके से काम कर रहे हैं। मैं रिकॉर्ड पर रख सकता हूं कि ऐसे मामलों से उत्पन्न होने वाले किसी भी कानूनी विवाद, जहां परिवहन विभाग की प्रवर्तन शाखा द्वारा एक वाहन को पार्क की स्थिति में ले जाया गया है, संबंधित अधिकारी अपना बचाव खुद करेगा, सरकार उसका बचाव नहीं करेगी।

जून में खुलेगा द्वारका एक्सप्रेसवे का हरियाणा सेक्शन, दिल्ली-गुरुग्राम की सीधी कनेक्टिविटी

नई दिल्ली, एजेंसी । हरियाणा सरकार में वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने मंगलवार को गुरुग्राम के लघु सचिवालय के कान्फ्रेंस हॉल में विभिन्न सरकारी विभागों की बड़ी परियोजनाओं, मुख्य रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा व सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि जून माह में द्वारका एक्सप्रेस-वे का हरियाणा सेक्शन ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा। गुरुग्राम दिल्ली एक्सप्रेस वे पर ट्रैफिक के दबाव को कम करने व दिल्ली के द्वारका से गुरुग्राम की सीधी कनेक्टिविटी के लिए विकसित किया जा रहा द्वारका एक्सप्रेस-वे वर्ष 2023 में चालू हो जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि द्वारका एक्सप्रेसवे दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे (स्वर्णिम चतुर्भुज की दिल्ली-जयपुर-अहमदाबाद-मुंबई शाखा का हिस्सा) और मुख्य रूप से पश्चिम दिल्ली के यात्रियों से गंभीर यातायात भीड़ का अनुभव करने वाली मुख्य सड़कों पर दबाव कम करेगा। उन्होंने कहा कि एनएच आठ पर पचास से साठ प्रतिशत ट्रैफिक को नए एक्सप्रेसवे पर डायवर्ट किया जाएगा, जिससे सोहना रोड, गोल्फ कोर्स रोड और एयर

एक्सटेंशन की ओर यातायात में सुधार होगा। वर्ष 2023 में इस एक्सप्रेसवे के चालू होने के बाद दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी।

कब शुरु हुआ था कामः द्वारका एक्सप्रेसवे की परिकल्पना 2006 में हरियाण सरकार ने लाई थी। हालांकि, इस एक्सप्रेसवे को बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण और कानूनी दांवपेंच की वजह से परियोजना सफल नहीं हो पाई थी। बाद में, एक बार फिर हरियाणा सरकार ने परियोजना को शुरू करने के लिए परिवहन मंत्रालय से अपने हाथ में ले लिया। 2016 में एक्सप्रेसवे को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में सैद्धांतिक रूप से घोषित करने के बाद, ह्यादृढ़ ने परियोजना को अपने हाथ में ले लिया और काम शुरू कर दिया।

नोएडा में मिला यीस्ट संक्रमित दुनिया का पहला मरीज

नई दिल्ली, एजेंसी । शहर के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने मंगलवार को रोडोटुरुला संक्रमण और सीएमवी मेनिंजाइटिस से पीड़ित दुनिया का पहला मरीज मिलने का दावा किया है। यीस्ट के संक्रमण से जुड़ी यह बीमारी एक नवजात में पाई गई। इलाज के बाद यह बच्चा अब स्वस्थ है। फोर्टिस अस्पताल के शिशु रोग विभाग के प्रमुख डॉ. आशुतोष सिन्हा ने बताया कि 19 जनवरी को परिजन दो माह के एक बच्चे का इलाज कराने के लिए अस्पताल आए थे। वो मथुरा के रहने वाले हैं। नवजात में बुखार, चिड़चिड़ापन, शरीर में असामान्य हरकत जैसी परेशानियां दिखीं। उसे रोज तीन से चार बार बुखार आ रहा था। एमआरआई, सीएसएफ (सेरीब्रोस्पाइनल फ्लूड), बायोफायर समेत कई प्रकार की मेडिकल जांच की गई, जिसमें दुर्लभ संक्रमण के बारे में पता चला।

संजय सिंह का दावा- शराब घोटाले में नाम जोड़ने पर ईडी ने जताया खेद

नई दिल्ली, एजेंसी । शराब घोटाले की चार्जशीट में प्रवर्तन निदेशालय से एक गलती हो गई है। इस बात का दावा किया है आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने। संजय सिंह ने दावा किया है कि प्रवर्तन निदेशालय ने इस संबंध में उन्हें चिट्ठी लिख कर अपना खेद जताया है। दरअसल आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने वित्त सचिव को एक खत लिखा था और कहा था कि उन्हें ईडी के डायरेक्टर और एक अन्य अधिकारी पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया जाए। ईडी इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच कर रही है।

जिसके बाद अब संजय सिंह ने दावा किया है कि उन्हें खत लिखकर कहा गया है कि शराब घोटाले की चार्जशीट में उनका नाम गलती से जुड़ गया था। ईडी ने संजय सिंह के सामने खेद जताया है। आप सांसद संजय सिंह का दावा है कि ईडी ने उन्हें जो चिट्ठी लिखी है उसमें कहा है कि गलती से उनका नाम ईडी की चार्जशीट में जुड़ गया था। संजय सिंह ने ईडी की तरफ से यह चिट्ठी मिलने का दावा किया है।

इससे पहले संजय सिंह ने एक खत ट्वीट किया था और कहा था कि उन्होंने ईडी के निदेशक और एक अन्य अधिकारी पर कार्रवाई को लेकर वित्त सचिव को खत लिखा है। इस खत में कहा गया है कि चार्जशीट में मेरा नाम जानबूझ कर मेरी छवि खराब करने के लिए लिया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच के दौरान दिनेश अरोड़ा के एक बयान का जिक्र किया गया है जिसमें वो कहता है, अमित ने उनसे मदद मांगी थी कि उसकी दुकान को पीतमपुरा से ओखला शिफ्ट कर दिया जाए क्योंकि यह मामला आबकारी विभाग के पास पेंडिंग था। इसी तरह उसने यह मुद्दा संजय सिंह के निर्देश पर मनीष सिसोदिया के सामने उठाया था। बाद में आबकारी विभाग ने इस मामले का निपटारा कर दिया था। इससे पहले संजय सिंह यह कह चुके हैं कि उन्होंने संसद में कई बार जांच एजेंसियों का जिक्र अपने भाषण में किया है इसी वजह से इस साल छह जनवरी को ईडी की चार्जशीट में उनका नाम आया था।

पाकिस्तान में अप्रैल में आतंकी हमलों में हुई मामूली वृद्धि

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अप्रैल में कुल 48 घटनाओं के साथ आतंकवादी हमलों की संख्या में मामूली वृद्धि देखी गई, जिसमें 68 मौतें हुईं और 55 घायल हुए। एक नई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को जारी रिपोर्ट में, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने कहा कि नए आंकड़े मार्च में दर्ज किए गए 39 आतंकवादी हमलों से अधिक है, जिसमें 58 मौतें और 73 घायल हुए थे। इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक ने कहा कि आंकड़ों में आतंकवादी हमलों में 23 फीसदी की वृद्धि, मौतों में 17 फीसदी की बढ़ोतरी और घायल लोगों की संख्या में 25 फीसदी की कमी देखी गई है।

अप्रैल में सुरक्षा बलों की मौत में भी 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा ने आतंकवादी समूहों के खिलाफ अपने अभियान बढ़ा दिए हैं, अप्रैल में उन्होंने कम से कम 41 आतंकवादियों को मार गिराया और 40 को गिरफ्तार किया। रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा पिछले महीने हुए कुल हमलों में से 49 फीसदी के साथ सबसे अधिक प्रभावित प्रांत रहा। पिछले हफ्ते, सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने घोषणा की थी कि इस साल जनवरी से अब तक पाकिस्तान में 436 आतंकवादी हमलों में कुल 293 लोग मारे गए हैं और 521 अन्य घायल हुए हैं।

भारत को ब्लैकलिस्ट करवाना चाहता है अमेरिकी कमीशन

भाजपा सरकार पर लगाए मुस्लिमों से भेदभाव के आरोप, पिछले 3 सालों से ये सुझाव दे रहा

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिका में एक कमिशन ने भारत को धार्मिक स्वतंत्रता के मामले में ब्लैक लिस्ट करने का सुझाव दिया है। कमिशन ने भाजपा सरकार पर अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करने के आरोप लगाए हैं। अमेरिका के इंटरनेशनल रीलिजस फ्रीडम ने लगातार चौथी साल ऐसा करने का सुझाव दिया है। 2022 की सालाना रिपोर्ट में कमीशन ने कहा है कि भारत को विशेष चिंता वाले देशों की सूची में डाला जाना चाहिए। इस सूची में डाले जाने के बाद भारत पर आर्थिक पाबंदियां भी लग सकती हैं।

सरकार अल्पसंख्यकों से भेदभाव करने वाले पॉलिसी बना रही

कमिशन ने कहा है कि भारत सरकार न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि राज्य और लोकल स्तर पर भी ऐसे कानून बना रही है जिससे अल्पसंख्यकों के भेदभाव हो रहा है। अमेरिका की रिपोर्ट में गौ हत्या ,धर्म परिवर्तन और हिजाब पर बने कानूनों का जिक्र है। बताया गया है कि इन कानूनों की वजह से मुस्लिमों, ईसाईयों, सिखों, दलितों और आदिवासियों पर नेगेटिव असर पड़ा है।

रिपोर्ट में ये भी कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली भाजपा सरकार विरोधियों की आवाज को दबा रही है। खासकर उनकी जो अल्पसंख्यक समुदाय के हैं और अपने हकों की आवाज उठाते हैं।

बाइडेन भारत पर कार्रवाई करने में फेल

अमेरिका का इंटरनेशनल रीलिजस फ्रीडम कमिशन केवल सुझाव दे सकता है। ये सरकार की मंशा पर निर्भर करता है कि वो इसे मानेगी या नहीं। कमिशन ने पहले भी 3 बार भारत को ब्लैक लिस्ट करने का सुझाव दिया था जिसे वहां की सरकार ने स्वीकार नहीं किया। इस पर कमिशन ने बाइडेन की सरकार पर सवाल उठाए हैं। मिशन ने कहा है कि बाइडेन भारत के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकामयाब रहे हैं। अमेरिका हमारे सुझावों के बावजूद भारत से रिश्ते मजबूत कर रहा है। 2022 में दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार 98 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। बाइडेन भी कई मौकों पर प्रधानमंत्री मोदी से मिल चुके हैं।

तस्वीर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की है। पिछले साल भारत को ब्लैकलिस्ट करने पर इन्होंने कहा था कि अमेरिका में भी अश्वेतों की हालत ठीक नहीं है। उस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

तस्वीर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की है। पिछले साल भारत को ब्लैकलिस्ट करने पर इन्होंने कहा था कि अमेरिका में भी अश्वेतों की हालत ठीक नहीं है। उस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

भारत ने कहा था- ये पुर्व नियोजित सोच का नतीजा

अमेरिकी आयोग ने पिछले साल जून में भी भारत को इस सूची में रखने का सुझाव दिया था। इस पर सरकार ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट को गलत बताया था।

भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि अफ़सोस की बात है, यूएससीआईआरएफ अपनी रिपोर्ट में बार-बार तथ्यों को गलत तरीके से पेश करती है। भारत ने कहा था कि हम अपील करेंगे कि पहले से बनाई गई सोच और पक्षपातपूर्ण नजरिये के आधार पर किए जाने वाले मूल्याकंन से बचा जाना चाहिए।

ब्लैक लिस्ट किए गए देशों में चीन और पाकिस्तान भी शामिल

रिपोर्ट के मुताबिक कमिशन ने भारत के अलावा अफगानिस्तान, नाइजिरिया, सीरिया और वियतनाम को भी ब्लैक लिस्ट करने की मांग की है। वहीं चीन, पाकिस्तान और सऊदी समेत जैसे 8 और देशों को फिर से इस सूची में शामिल करवे को कहा है।

पाकिस्तान में कपूर हवेली पर मालिकाना हक वाली याचिका खारिज

कोर्ट ने कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाने की इजाजत नहीं दी, यहीं राज कपूर का जन्म हुआ था

पेशावर एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने बॉलीवुड अभिनेता राज कपूर की हवेली पर मालिकाना हक से संबंधित याचिका खारिज कर दी है। पेशावर के सईद मुहम्मद की दलील थी कि उनके पिता ने 1969 में नीलामी के जरिए यह हवेली खरीदी थी। तब से वे ही इसके मालिक हैं। लिहाजा इसका मालिकाना हक उन्हें दिया जाए।

याचिका लगाने वाले सईद के वकील खत्ताक ने कोर्ट में दावा किया कि पाकिस्तान के किसी भी विभाग के पास ऐसा कोई सबूत मौजूद नहीं है जिससे साबित हो सके कि राज कपूर या उनका परिवार कभी इस हवेली में रहा था। हालांकि, कोर्ट ने फिर भी मामला सिविल कोर्ट में ले जाने की बात कही।

हवेली की जगह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाना चाहते हैं इसके मालिकः राज कपूर की इस हवेली को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था। इसे खरीदने वाले सईद मुहम्मद हवेली को तोड़कर कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाना चाहते हैं।

2014 में नवाज सरकार ने राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया थाः कोर्ट ने ये फैसला दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार की हवेली पर कब्जे से जुड़े एक आदेश को ध्यान में रखते हुए सुनाया। दिलीप कुमार की ये हवेली पेशावर के लोकप्रिय किस्सा ख्वानी बाजार में स्थित है। इस हवेली को नवाज शरीफ की सरकार 2016 में ही राष्ट्रीय धरोहर घोषित कर चुकी है।

जज ने पूछा- क्या कभी इस हवेली में रहे राज कपूर?: इस पर जस्टिस शकूर ने आर्कियोलॉजी विभाग से पूछा कि क्या उनके पास कोई दस्तावेज या सबूत हैं, जिससे पता चल सके कि राज कपूर का परिवार कभी इस हवेली में रहा था? वकील खत्ताक ने दावा किया कि किसी भी विभाग के पास ऐसा कोई सबूत मौजूद नहीं है जिससे साबित हो सके कि राज कपूर या उनका परिवार कभी इस हवेली में रहा था। हालांकि, जजों की बेंच ने फिर भी मामला सिविल कोर्ट में ले जाने की बात कही।

2005 के भूकंप के बाद जर्जर हुई थी हालतः राज कपूर की ये हवेली अब बहुत ही जर्जर हालत में है। 40 से 50 कमरे वाली शानदार पांच मंजिला इमारत का टॉप और चौथा फ्लोर ढह चुका है। इसके मौजूदा मालिक इस हवेली को ढहाकर यहां एक कॉमर्शियल प्लाजा बनाना चाहते हैं। हालांकि, आर्कियोलॉजी विभाग इसके खिलाफ है।. वो इस हवेली के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए इस धरोहर को सहेजकर रखना चाहता है।

राज कपूर की हवेली के बारे में मशहूर है कि 1947 में पार्टीशन से पहले शादी की पार्टी देने के लिए लोगों की पहली पसंद होती थी। हवेली में बुकिंग नहीं मिलने के चलते 6-6 महीने डेट्स आगे बढ़ानी पड़ती थीं। लेकिन भूकंप के बाद

इसकी हालत खराब होती गई। 2016 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने इन घरों को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था पर इसे संरक्षित करने के लिए कोई झांकने तक नहीं पहुंचा था।

100 साल पुरानी है कपूर हवेलीः यह हवेली पृथ्वीराज कपूर के पिता और ऋषि कपूर के परदादा दीवान बशेश्वरनाथ कपूर ने 1918-1922 के बीच बनवाई थी। हवेली के बाहर लगी लकड़ी की प्लेट के मुताबिक, बिल्डिंग का बनना 1918 में शुरू हुआ और 1921 में यह तैयार हो गई। इस हवेली में 40-50 कमरे हैं और हवेली के बाहरी हिस्से में खूबसूरत मोटिफ उकेरे हुए हैं। इसमें आलीशान झरोखे बने हुए हैं। इसी हवेली में राज कपूर और उनके चाचा त्रिलोक कपूर का जन्म हुआ था। 1990 में ऋषि कपूर और रणधीर कपूर हवेली देखने पहुंचे थे।

दिलीप कुमार की पुश्तैनी हवेली भी कपूर हवेली के पास ही है। दोनों हवेलियों के मालिकों ने कई बार इन्हें गिराकर कॉमर्शियल प्लाजा बनाने की कोशिश की थी, लेकिन सरकार ने इसकी मंजूरी नहीं दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129